राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 243
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 16 मार्च 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 दि कश्मीर फाइल्स टैक्स फ्री करने की मांग को लेकर केजरीवाल के आवास पर प्रदर्शन
पेज 5 काउंटिंग से पहले गाड़ियों की तलाशी लेना सपा कार्यकर्ताओं को पड़ा भारी, पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की
पेज 7 उज्जीवन एसएफबी ने माइक्रोबैंकिंग ग्राहकों के लिए की डिजिटल समावेशन की शुरूआत

मोदी का परिवारवाद पर हमला

भाजपा सांसदों से कहा- आपके बच्चों के टिकट मेरी वजह से कटे; क्योंकि वंशवाद लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर परिवारवाद पर हमला बोला है। भाजपा संसदीय दल की मीटिंग में मोदी ने सांसदों से कहा, 'अगर विधानसभा चुनाव में आपके बच्चों के टिकट कटे हैं, तो उसकी वजह मैं हूं। मेरा मानना है कि वंशवाद लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।'

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत के बाद दिल्ली में पार्टी संसदीय दल की मीटिंग हुई। पीएम ने कहा कि परिवारवाद से जातिवाद को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने भाजपा सांसदों से कड़े लहजे में कहा कि पार्टी में पारिवारिक राजनीति की इजाजत नहीं दी जाएगी। दूसरी पार्टियों की वंशवाद की राजनीति के खिलाफ लड़ाई लड़ी जाएगी।

मोदी ने 'द कश्मीर फाइल्स' की तारीफ की

मीटिंग में मोदी ने 'द कश्मीर फाइल्स' की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्में बनती रहनी चाहिए। इनसे सच उजागर होता है। फिल्म में जो दिखाया गया है, कश्मीर के उस सच को दबाने की कोशिश की जाती रही है। क्क्रूने भाजपा संसदीय दल की मीटिंग में यूक्रेन से भारतीय छात्रों की वापसी को लेकर भी जानकारी दी।

पीएम ने जेपी नड्डा को स्वागत के लिए आगे किया

मीटिंग की शुरुआत में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा की जीत के लिए प्रधानमंत्री का स्वागत किया गया। इस दौरान पीएम ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को सम्मान के लिए आगे कर दिया। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोदी और नड्डा को बड़ी माला पहनाकर जीत की बधाई दी।

चार राज्यों के लिए सेंट्रल ऑब्जर्वर नियुक्त

इससे पहले, भाजपा संसदीय बोर्ड ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा विधानसभा में विधायक दल के नेताओं के चुनाव के लिए सेंट्रल ऑब्जर्वर और को-ऑब्जर्वर नियुक्त किए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उत्तर प्रदेश के लिए और उत्तराखंड के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सेंट्रल ऑब्जर्वर बनाया गया है।

इसी तरह, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को मणिपुर के लिए सेंट्रल ऑब्जर्वर बनाया गया है, जबकि किरेन रिजिजू वहां के को-ऑब्जर्वर हैं। गोवा के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को सेंट्रल ऑब्जर्वर बनाया गया है।

करारी हार के बाद कांग्रेस की कार्रवाई

सोनिया ने 5 राज्यों के अध्यक्षों से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली। यूपी और पंजाब सहित 5 राज्यों में हार के बाद कांग्रेस हाईकमान ने कार्रवाई करते हुए इन प्रदेश अध्यक्षों से इस्तीफा मांगा है। पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। कहा- सोनिया गांधी ने यूपी, पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा के प्रदेश अध्यक्षों से इस्तीफा देने के लिए कहा है।

उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

इधर, उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने अपना इस्तीफा सोनिया गांधी को भेज दिया है। सोशल मीडिया पर लेटर शेयर करते हुए गोदियाल ने लिखा- हाईकमान के आदेश के बाद मैंने अपना इस्तीफा भेज दिया है। हार की नैतिक

जिम्मेदारी मेरी है। संगठन के तमाम कोशिशों के बावजूद हम सरकार नहीं बना पाए। वहीं यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने भी अपना इस्तीफा हाईकमान को भेज दिया है।

हार के बाद उठने लगी थी मांग

पांच राज्यों में कांग्रेस की करारी शिकस्त के बाद पंजाब में प्रदेश अध्यक्ष को हटाने की मांग उठ रही थी। यूपी और उत्तराखंड में भी पार्टी नेता एक-दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ रहे थे। यूपी के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू हैं। उत्तराखंड में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल हैं। गिरीश चोडांकर गोवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष है। मणिपुर में यह जिम्मेदारी एन लोकेन सिंह के पास है।

कार्यसमिति ने सोनिया को दी थी एक्शन की जिम्मेदारी

हार के बाद समीक्षा के लिए बुलाई गई कार्यसमिति की बैठक में सोनिया गांधी को फेरबदल के लिए अधिकृत किया गया था। मीटिंग में कहा गया था कि कार्यसमिति सोनिया गांधी के नेतृत्व पर भरोसा करती है और वे किसी भी तरह का बदलाव कर सकती हैं। इस बैठक में सभी राज्य के प्रभारियों ने हार के कारणों पर रिपोर्ट सौंपी थी।

उप्र विधानसभा के चुनाव में हार पर प्रियंका ने बुलाई समीक्षा बैठक

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी की हार के कारणों पर विचार के लिए प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ आज समीक्षा बैठक की। श्रीमती वाड्रा बैठक की अध्यक्षता कर रही हैं और इसमें पार्टी के कई वरिष्ठ नेता हिस्सा ले रहे हैं। इस बैठक में पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, आराधना मिश्रा समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश में पार्टी को मजबूत बनाने और 2024 के आम चुनाव के लिए तैयार करने के वास्ते पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

गौरतलब है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को उत्तर प्रदेश में सात सीटों पर जीत मिली थी लेकिन इस बार महज दो सीटें ही जीत पाई हैं जबकि श्रीमती वाड्रा ने महिलाओं को केंद्रित कर इस चुनाव में अच्छे प्रदर्शन का प्रयास किया था।

हिजाब विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका; लड़कियां बोलीं- हक के लिए लड़ेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल-कॉलेज में हिजाब बैन को सही ठहराया है। कोर्ट ने कहा है कि हिजाब इस्लाम की अनिवार्य प्रथा का हिस्सा नहीं है। कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इधर, हाईकोर्ट में हिजाब की इजाजत के लिए याचिका दाखिल करने वाली पांचों छात्राओं ने कल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने की बात कही है।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इन लड़कियों ने कहा था- हम अपने हक के लिए लड़ेंगे। उन्होंने इसे अपने साथ अन्याय बताया। लड़कियों के वकील एम धर ने कहा कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने हमें निराश किया है, उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट में न्याय मिलेगा। लड़कियों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने की तैयारियां

सुप्रीम कोर्ट में कल दाखिल होगी याचिका, हिजाब की वकालत कर रहे वकील देवदत्त कामत की टीम ने कहा- अभी लड़ाई खत्म नहीं हुई कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के बाद बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस करती हुई छात्राएं, इन्होंने फैसले से असहमति जताते हुए इसे अपने साथ अन्याय बताया है।

स्टूडेंट्स क्लास और एग्जाम छोड़कर निकलीं

इधर, कोर्ट के फैसले के बाद इसका विरोध भी शुरू हो गया है। कर्नाटक के यादगिर में एक सरकारी कॉलेज में 35 छात्राओं ने परीक्षा का बहिष्कार कर दिया। स्कूल की प्रिंसिपल ने उन्हें समझाया और हाईकोर्ट के आदेश का पालन करने को कहा, लेकिन स्टूडेंट्स नहीं मानीं और एग्जाम हॉल से चली गईं।

ओवैसी बोले- आखिर हिजाब से दिक्कत क्या है?

ओवैसी ने कहा कि मैं कोर्ट के फैसले से सहमत नहीं हूं, यह मेरा हक है। मुझे समझ नहीं आता आखिर हिजाब पहनने से दिक्कत क्या है? उन्होंने कहा, हिजाब बैन संविधान के आर्टिकल-15 का उल्लंघन करता है, जो देश के हर नागरिक को धर्म, संस्कृति, अभिव्यक्ति और कला की स्वतंत्रता देता है। कोर्ट के इस फैसले का मुस्लिम महिलाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मॉडर्न बनने की दौड़ में हम धार्मिक प्रथाओं को भूल नहीं सकते।

महबूबा मुफ्ती बोलीं- कोर्ट ने निराश किया

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने भी कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए हैं। महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया पर कहा, 'हिजाब बैन को बरकरार रखने का कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला बेहद निराशाजनक है। एक तरफ हम महिलाओं के सशक्तिकरण की बात करते हैं फिर भी हम उन्हें एक साधारण अधिकार से वंचित कर रहे हैं। यह सिर्फ धर्म से जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि चुनने की स्वतंत्रता का भी मसला है।

उमर अब्दुल्ला बोले- हिजाब महज पहनने का कपड़ा नहीं

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हिजाब मामले पर कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले पर निराशा जताई है।

उमर अब्दुल्ला कहा, आप हिजाब के बारे में चाहे कुछ भी सोचते हों, ये पहनने का कोई कपड़ा नहीं है बल्कि ये एक महिला के अधिकार के बारे में है। कोर्ट ने इस मूल अधिकार को बरकरार नहीं रखा, ये हास्यास्पद है।

सीएम बोले- अशांति फैलाने वालों पर कार्रवाई होगी

हिजाब विवाद मामले में कोर्ट का फैसला आने के बाद कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई का बयान आया है।

उन्होंने कहा कि सभी को फैसले का स्वागत करना चाहिए। अगर किसी ने राज्य में शांति भंग करने की कोशिश की, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजनाथ सिंह ने कहा, कोर्ट के फैसले का स्वागत है

हिजाब मामले पर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले का रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हर धर्म के लोगों को स्कूल-कॉलेज के ड्रेस कोड का पालन करना चाहिए।

19 मार्च को शपथ लेंगे आप के मंत्री

57 पूर्व मंत्रियों-विधायकों को 26 मार्च तक फ्लैट-बंगले खाली करने का फरमान

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी की नई सरकार के मंत्री 19 मार्च को शपथ लेंगे। मुख्यमंत्री के तौर पर भगवंत मान कल खटकड़ कलां में शपथ ले रहे हैं। हालांकि मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में ही होगा। 17 मार्च को सभी 117 विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। इसी बीच पंजाब सरकार ने 57 पूर्व मंत्रियों और विधायकों को 26 मार्च तक उन्हें मिले फ्लैट और बंगले खाली करने का फरमान दे दिया है। अगर वक्त पर खाली न किया गया तो फिर उन्हें कई गुना किराया देना होगा।

जनरल रावत की स्मृति में उत्कृष्टता पीठ स्थापित

नयी दिल्ली। सेना ने दिवंगत प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत के 65वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर उनकी स्मृति में यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया में एक चेयर ऑफ एक्सीलेंस यानी उत्कृष्टता पीठ स्थापित की है।सेना प्रमुख और सेना प्रमुखों की समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे ने इसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को एक समारोह में की। इस अवसर पर सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे, वायु सेना उप प्रमुख एयर मार्शल संदीप सिंह, नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे, एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख बीआर कृष्णा और डीसीओएएस लेफ्टिनेंट जनरल एसके शर्मा भी उपस्थित थे।

पहले 6 मंत्री ले सकते हैं शपथ

सूत्रों की मानें तो अभी तक 19 मार्च को 6 मंत्रियों को शपथ दिलाने की खबर है। इनमें हरपाल चीमा, अमन अरोड़ा, प्रो. बलजिंदर कौर, नीना मित्तल और बुधराम का नाम शामिल है। इसके अलावा कुलतार संधवा का नाम भी इसमें बताया जा रहा है। हालांकि मंत्रियों के नाम की अंतिम सूची 18 मार्च को राजभवन भेजी जाएगी। एक बार सरकार का कामकाज शुरू कर फिर मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा।

17 पूर्व मंत्री और 40 पूर्व विधायकों के पास बंगले और फ्लैट

पंजाब सरकार की तरफ से मंत्रियों को बंगले अलॉट किए जाते हैं। चन्नी सरकार में 17 मंत्री थे, जिन्हें बंगले अलॉट किए गए थे। अब कांग्रेस से सत्ता से बाहर हो गई है तो मंत्रियों को नियम के मुताबिक रिजल्ट आने के 15 दिन बाद का वक्त दिया गया है। इनमें मुख्यमंत्री रहे चरणजीत चन्नी चुनाव परिणाम आते ही मुख्यमंत्री रिहायश खाली कर चुके हैं।

वहीं फ्लैट वाले विधायकों में पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल, बिक्रम मजीठिया और नवजोत सिद्धू का नाम भी शामिल है।

इनसे बंगले और फ्लैट खाली करवाकर इन्हें नए मंत्रियों और विधायकों को दिया जाएगा।

देश में महज 0.08 प्रतिशत रही है कोरोना के सक्रिय मामलों की दर

इसी अवधि में चार हजार 722 लोग कोविड से मुक्त हुए

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में दम तोड़ते कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों की दर घटकर अब महज 0.08 फीसदी रह गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 180 करोड़ 40 लाख 28 हजार 891 कोविड टीके दिये जा चुके हैं।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के दो हजार 568 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 33 हजार 917 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.08 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.37 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में चार हजार 722 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 24 लाख 46 हजार 171 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.72 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में सात लाख एक हजार 773 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 77 करोड़ 97 लाख 54 हजार 516 कोविड परीक्षण किए गये हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 से 97 मरीजों की मृत्यु हुयी है और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है।

केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 866 की कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर 8800 रह गयी। वहीं, 1597 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6446221 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 66886 हो गया है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 142 घटकर 6386 रह गए हैं। इस दौरान राज्य में 298 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 7721220 हो गयी। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 1,43,753 पर स्थिर है।

कर्नाटक में सक्रिय मामलों की संख्या 235 घटकर 2460 हो गयी है। इस दौरान 337 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3901430 हो गई है। वहीं राज्य में चार और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 40,022 हो गया है।

तमिलनाडु में इस दौरान सक्रिय मामले 119 घटकर 1054 रह गये है, वहीं 204 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या 3412918 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 38,024 है।

कोविड टीकाकरण में 180.40 करोड़ टीके लगे

देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 180.40 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 180 करोड़ 40 लाख 28 हजार 891 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के दो हजार 568 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 33 हजार 917 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.08 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.37 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में चार हजार 722 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 24 लाख 46 हजार 171 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.72 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में सात लाख एक हजार 773 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 77 करोड़ 97 लाख 54 हजार 516 कोविड परीक्षण किए गये हैं।

भारत मिसाइल

पाकिस्तान में मिसाइल गिरने पर संसद में रक्षामंत्री का जवाब

भारत का मिसाइल सिस्टम सुरक्षित और भरोसेमंद; लेवल सिक्योरिटी से लैस

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में पाकिस्तान पर अनजाने में फायर हुई मिसाइल पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा- हम अपने आर्टिलरी सिस्टम को हाई लेवल सिक्योरिटी देते हैं। अगर इसमें कोई कमी मिलती है तो उसे तुरंत दूर किया जाएगा। मैं आश्वस्त करता हूं कि हमारा मिसाइल सिस्टम विश्वसनीय और सुरक्षित है।

भारतीय सेना की बिना हथियारों वाली यह मिसाइल 9 मार्च को पाकिस्तान में 261 किलोमीटर अंदर बसे शहर चन्नू मियां के पास जा गिरी थी। चूंकि इसमें हथियार नहीं थे, इसलिए कोई नुकसान नहीं हुआ था।

जांच में पता चलेगा गलती क्यों हुई

राजनाथ सिंह ने आगे कहा- यह घटना मिसाइल की जांच करते वक्त हुई। मिसाइल यूनिट शाम लगभग 7 बजे रेग्युलर मेंटेन्स का काम कर रही थी। तभी गलती से एक मिसाइल छूट गई। बाद में पता चला कि मिसाइल पाकिस्तान के इलाके में गिरी थी। घटना खेदजनक है। लेकिन राहत की बात है कि कोई नुकसान नहीं हुआ। सरकार ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है और उच्च स्तरीय जांच के लिए आदेश दिए गए हैं। घटना के सही कारणों का पता जांच से ही चल पाएगा। हथियारों के मेंटेनेन्स से जुड़ी प्रोसेस की भी समीक्षा की जा रही है।

पाकिस्तान एयरफोर्स के डिप्टी चीफ और दो मार्शल बर्खास्त

भारत की ओर से लॉन्च मिसाइल ट्रैक न कर पाने पर पाकिस्तानी एयरफोर्स के 3 अफसरों को नौकरी से हटा दिया गया है। इनमें डिप्टी चीफ और दो एयर मार्शल शामिल हैं।हालांकि पाकिस्तान में डर बैठ गया है कि भारत रूस के नक्शेकदम पर न चल पड़े। यह अंदेशा भारत में पाकिस्तान के एम्बेसडर रह चुके डॉ. अब्दुल बासित ने जताया है।

कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश जारी

भारत ने अपनी गलती मानते हुए हाईलेवल कोर्ट ऑफ इन्क्वॉयरी के ऑर्डर जारी कर दिए थे। पाकिस्तान के एक जर्नलिस्ट मोहम्मद इब्राहिम काजी ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि भारत से छोड़ी गई मिसाइल का नाम ब्रह्मोस है। इसकी रेंज 290 किलोमीटर है। इंडियन एयरफोर्स इसका स्टॉक राजस्थान के श्रीगंगानगर में रखती है। हालांकि, पाकिस्तानी फौज का दावा है कि यह मिसाइल हरियाणा के सिरसा से दागी गई।

पाक पीएम इमरान ने दी थी धमकी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने 9 मार्च को भारत की तरफ से गलती से चली मिसाइल का मामला उठाते हुए एक तरह से धमकी दी है। रविवार को एक भाषण में खान ने कहा- आप सब जानते हैं कि 9 मार्च को क्या हुआ।

शार्ट न्यूज

दक्षिण कश्मीर में मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा बलों ने आतंकियों के साथ मंगलवार को हुई मुठभेड़ में लश्कर ए तैयबा के एक आतंकवादी को मार गिराया।द्व अधिकारियों ने कहा कि मुठभेड़ दक्षिण कश्मीर के अवंतीपोरा के चारसू गांव में एक तलाशी अभियान के दौरान हुई। पुलिस ने बयान में कहा,तलाशी अभियान के दौरान, जैसे ही सुरक्षा बल संदिग्ध स्थान की ओर बढ़े, छिपे हुए आतंकवादी ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने प्रभावी ढंग से इसका जवाब दिया और एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। मारे गए आतंकी की पहचान ओवैस राजा के रूप में हुई है। घटनास्थल से एक-56 राइफल और तीन एके मैगजीन भी बरामद की गई है। बयान में कहा गया, पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मारा गया प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी था। वह पुलिस/एसएफ पर हमले और नागरिकों पर अत्याचार सहित कई आतंकी गतिविधियों में शामिल एक समूह का हिस्सा था। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने इस ऑपरेशन को बहुत महत्वपूर्ण करार दिया, क्योंकि मुठभेड़ श्रीनगर जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के बहुत करीब एक गांव में हुई। उन्होंने कहा, यह ऑपरेशन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राष्ट्रीय राजमार्ग के बहुत करीब हुआ है। गौरतलब है कि इस महीने कश्मीर में हुईं छह मुठभेड़ों में आठ आतंकवादी मारे जा चुके हैं।

निजी अस्पताल पर लापरवाही का आरोप, बच्ची का दफनाया शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

जींद। हरियाणा में जींद के एक निजी अस्पताल में मृत बालिका के जन्म को लेकर अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाये जाने के बाद बालिका का दफनाया हुआ शव श्मशान घाट से निकालकर पोस्टर्माटम के लिए खानपुर पीजीआई भेजा गया। गांव रामराय निवासी की कविता को प्रसव पीड़ा होने पर कल सुबह देवी लाल चौक के निकट एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया था। दोपहर बाद कविता की हालत बिगड़ने लगी और गर्भ में भी शिशु की धड़कनें कम हो गईं। अस्पताल के चिकित्सकों ने आनन-फानन में कविता दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया। वहां पर कविता ने मृत बालिका को जन्म दिया। कविता के पति विनोद समेत परिजनों ने आरोप लगाया कि चिकित्सक की लापरवाही के कारण गर्भ में बालिका की मौत हुई है और चिकित्सक की लापरवाही के कारण कविता की जान को भी खतरा हो गया था। परिजनों ने अस्पताल के बाहर जमकर बवाल भी काटा और फिर पुलिस में लिखित शिकायत दी। इस दौरान उन्होंने मृत बालिका का अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस ने लेकिन देर रात दफनाया शव निकलवाया और पोस्ट मार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भेजा। वहां विशेषज्ञ और संसाधन उपलब्ध न होने के कारण बालिका का शव खानपुर पीजीआई में भेजा गया। शहर थाना पुलिस के जांच अधिकारी नवजीत ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविकता का खुलासा होगा और आगामी कारवाई अमल में लाई जाएगी।

जेबीटी के रिक्त पदों को शीघ्र भरेगी सरकार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के प्रशिक्षित जेबीटी युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर प्रदान करने के लिए राज्य सरकार शीघ्र ही शैक्षणिक संस्थानों में जेबीटी के रिक्त पदों को भरने के लिए बैच वाइज भर्ती शुरू करेगी। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज यहां विधानसभा परिसर में हिमाचल प्रदेश शिक्षक महासंघ के एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग संभवतः सबसे बड़ा विभाग है, जहां सबसे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। हर वर्ग के अध्यापकों को सुविधा प्रदान करने के लिए वर्ष 2022-23 के बजट में कई घोषणाएं की गई हैं। बजट में बीएड और टेट योग्यता प्राप्त शास्त्री और भाषा अध्यापकों के पदनाम को बदलकर टीजीटी (संस्कृत) और टीजीटी (हिन्दी) करने की घोषणा की है। इसी प्रकार प्रवक्ता (स्कूल कैडर) और प्रवक्ता (स्कूल न्यू) का पदनाम प्रवक्ता (स्कूल) किया गया है। श्री ठाकुर ने कहा कि अगामी वित्तीय वर्ष के बजट में यह भी घोषणा की गई है कि टीजीटी से पदोन्नत प्रवक्ता को मुख्याध्यापक के रूप में पदोन्नति के लिए एक बार विकल्प दिया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र के लिए वर्ष 2022-23 के दौरान 8412 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। शिक्षकों की सभी उचित मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महामारी के बावजूद कर्मचारियों के वेतन में एक दिन की भी देरी नहीं हुई है।

विधानसभा में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक परिव्यय 54,592 करोड़ रु पारित

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 54,592 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय को सदन में ध्वनिमत से पारित कर दिया। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने दोपहर के भोजन के बाद 'गिलोटिन' लगाया जिसके बाद वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बजट पारित करने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके बाद मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने सदन में हिमाचल प्रदेश विनियोग विधेयक 2022 पेश किया जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। विनियोग विधेयक पारित होने के बाद राज्य सरकार को प्रस्तावित व्यय के लिए संचित निधि से व्यय की अनुमति मिल गई है। उल्लेखनीय है कि जय राम ठाकुर ने राज्य विधानसभा में 2022-23 का चार मार्च को बजट पेश किया था, जिसमें सोशल सेक्टर पर फोकस किया गया था। मुख्यमंत्री ने चुनावी वर्ष में राज्य के मतदाताओं को लुभाने के लिए 10 नयी योजनाएं शुरू करने की घोषणा की थी। राज्य सरकार ने विधायक क्षेत्र विकास कोष और विवेकाधीन में वृद्धि के अलावा आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ताओं, पीआरआई प्रतिनिधियों और आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की घोषणा की थी। बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया था और 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली के अलावा 30 हजार पदों पर भर्ती करने की सिफारिश भी की थी।

विधानसभा सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा आज बजट पारित होने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने कहा कि यह एक सफल बजट सत्र था, जिसमें पहले दिन राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने अपना भाषण प्रस्तुत किया और मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने 4 मार्च को बजट पेश किया। इस सत्र में 16 निर्धारित बैठकें प्रस्तावित थी लेकिन शिवरात्रि समारोह के कारण इन्हें घटाकर 15 दिनों तक कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बजट सत्र में 617 तारांकित और 362 अतारांकित प्रश्न उठाए गए और 76 घंटे तक सत्र का संचालन हुआ, जिसमें विधानसभा कामकाज के साथ सदन में उत्तर दिए गए और बजट सहित कुल पांच विधेयकों पर चर्चा की गई और सत्र में पारित किया गया। उन्होंने कहा कि नियम 101 के तहत चार प्रस्ताव, चार गैर-सरकारी सदस्य संकल्प और नियम 324 के तहत 12 प्रस्ताव सदन में पेश किए गए। उन्होंने कहा कि लगभग 76 मंत्रियों और विभिन्न समितियों ने भी सदन में बयान और रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा कि कुछ तीखी नोकझोंक को छोड़कर, सदन सामान्य रूप से कार्य किया। उन्होंने कहा कि सदन के संचालन में सहयोग के लिए सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

निर्माणाधीन सड़क कार्य को तेजी से करें पूर्ण

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज अधिकारियों को निर्माणाधीन सड़क के कार्य को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। श्री कुमार ने मंगलवार को सड़क मार्ग से भ्रमण कर बिहटा-सरमेरा-चंडी-हरनौत पथ का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का अधिकारियों को निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने सदिसोपुर, जट डुमरी में रुककर निर्माणाधीन पथ परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को रेखाचित्र के माध्यम से इस पथ के निर्माण कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने सदिसोपुर आरओबी, जट डुमरी आरओबी, बिहटा-दनियावां पथ निर्माण कार्य से संबंधित विभिन्न पहलूओं की जानकारी दी।

केंद्र सरकार बोली- अकेले यूपी में 1 लाख से ज्यादा खाली

देश में करीब 5.3 लाख पुलिस पद खाली

नई दिल्ली। देश भर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में लगभग 5.3 लाख पद खाली पड़े हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा में ये जानकारी दी। राय ने देश भर के पुलिस थानों में खाली पड़े पदों को लेकर इंडिया जननायगा काची के सांसद डॉ. टी.आर.परिवेंद्र के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में ये बात कही।

गृह राज्य मंत्री राय ने अपने जवाब में कहा कि पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) द्वारा संकलित पुलिस संगठनों के आंकड़ों के अनुसार, पुलिस की स्वीकृत संख्या 26,23,225 है, लेकिन वास्तविक संख्या 20,91,488 है और 1 जनवरी, 2020 तक 5,31,737 पद खाली पड़े हैं। इन रिक्तियों को भरने के लिए सरकार द्वारा की गई कार्रवाई और इन सभी रिक्त पदों को कब तक भरे जाने की संभावना है, इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने जवाब दिया कि पुलिस भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची- 2 (राज्य सूची) में आने वाला एक राज्य विषय है।

उन्होंने कहा, मुख्य रूप से यह राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे अपने-अपने राज्यों में पुलिस बल में रिक्तियों को भरें। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्यों में इन रिक्तियों को भरने और लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पुलिस प्रशासन में अपेक्षित सुधार लाने के लिए राज्यों को परामर्श भी जारी करता है।

उन्होंने बताया, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में बीआरपीएंडडी के अनुसार पुलिस की स्वीकृत और वास्तविक संख्या की सूची में, राज्य नागालैंड को छोड़कर, जिसमें स्वीकृत संख्या से 1375 अधिक पुलिसकर्मी हैं, बाकी राज्यों में उनकी स्वीकृत संख्या से कम है। यूपी में एक लाख से अधिक रिक्तियां हैं। पश्चिम बंगाल में 55,294 और बिहार में 47,099 पद खाली हैं।

दो पुलिसकर्मियों की हत्या का फरार आरोपी को छत्तीसगढ़ से किया गिरफ्तार

कोटा। राजस्थान के उदयपुर जेल में बंद गैंगस्टर भानु प्रताप सिंह को पेशी पर ले जाते समय पुलिस वैन को टक्कर मार अंधाधुन्ध गोलियों की बौछार कर दो पुलिसकर्मियों एवं गैंगस्टर की हत्या के मामले में 11 वर्ष से फरार चल रहे इनामी आरोपी को पुलिस ने छतीसगढ से गिरफ्तार किया है। झालावाड़ कोर्ट में पेशी पर ले जाते समय थाना बिजोलिया भीलवाड़ा क्षेत्र में स्थित टोल नाका के आगे पुलिस वैन को टक्कर मार रोकने के बाद अंधाधुन्ध गोलियों की बौछार कर गैंगस्टर भानु प्रताप सिंह एवं पुलिस के दो जवानों की हत्या एवं चार पुलिस कर्मियों को घायल कर देने के मामले में 11 साल से फरार चल रहे गैंगस्टर शिवराज सिंह के भाई नरेंद्र सिंह उर्फ बिट्टू उर्फ अंकित निवासी थाना इटावा कोटा ग्रामीण हाल थाना भीमगंज मंडी कोटा शहर को जिला स्पेशल टीम कोटा शहर ने साइबर सेल एवं कमांडो टीम की सहायता से करीब 3000 किलो मीटर का सफर 3 दिन में तय कर छत्तीसगढ़ में जिला जांजगीर चांपा के अकलतरा इलाके से गिरफ्तार कर लिया। जिला पुलिस अधीक्षक केसर सिंह शेखावत ने बताया कि नरेंद्र सिंह जिला स्तरीय टॉप टेन वांछित अपराधियों की सूची में शामिल है। जिसकी गिरफ्तारी पर पुलिस मुख्यालय द्वारा दस हजार रूपए तथा कोटा पुलिस द्वारा 5000 का इनाम घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कोटा पुलिस द्वारा भानु प्रताप सिंह गैंग के हार्डकोर गैंगस्टर सुमेर सिंह को 2021 में गिरफ्तार कर तथा गैंगस्टर शिवराज सिंह के भाई नरेंद्र सिंह को मंगलवार को गिरफ्तार कर हाड़ौती संभाग के अपराध के जंगल में वर्चस्व की लड़ाई के ताबूत में आखरी कील ठोक दी है।

कमान खतरों का सामना करने के लिए तैयार: द्विवेदी

जम्मू। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के उत्तरी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि उत्तरी कमान लगातार विकसित हो रहे खतरों और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने उधमपुर पर उत्तरी कमान के सम्मान समारोह के दौरान वीर अधिकारियों, जूनियर कमीशन अधिकारियों और अन्य रैंक के अधिकारियों को विशिष्ट सेवा पुरुस्कारों के साथ-साथ वीरता पुरुस्कारों से सम्मानित किया।

सेना कमांडर ने भारतीय सेना के उच्चतम कार्यों में अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण और बलिदान के लिए उत्तरी कमान के सभी रैंकों की सराहना की। उन्होंने कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनरल ऑफिसर ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में 'संपूर्ण राष्ट्र दृष्टिकोण' ने सुरक्षा स्थिति में प्रगतिशील सुधार किया है। जनरल ने कहा, उत्तरी कमान लगातार विकसित हो रहे खतरों और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखते हुए कुल 92 वीरता पुरुस्कार प्रदान किए गए जिनमें से राष्ट्र की निस्वार्थ भाव से सेवा करने के लिए लोगों को 25 विशिष्ट सेवा पुरुस्कार प्रदान किए गए। वीरता पुरस्कारों में से उन्नीस पुरस्कार मरणोपरांत देश की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले सैनिकों के परिजनों को प्रदान किए गए।

गोवा के सियासी सागर में बदलाव की लहरें

सीएम पद की रेस प्रमोद सावंत को कड़ी टक्कर दे रहे विश्वजीत राणे

नई दिल्ली। गोवा विधानसभा चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद अब बीजेपी में मुख्यमंत्री को लेकर मंथन शुरू हो गया है। संभावना है कि होली बाद मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण होगा। मुख्यमंत्री के रूप में प्रमोद सावंत का नाम लगभग तय है, लेकिन अटकलें लगाई जा रही हैं कि बीजेपी के सीनियर नेता विश्वजीत राणे भी सीएम पद के लिए जमकर प्रचार कर रहे हैं। हालांकि राणे ने अटकलों को खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार डॉ प्रमोद सावंत मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए नई दिल्ली आ रहे हैं। सावंत ने कहा कि निर्वाचित सदस्यों ने आज शपथ ली है। हम जल्द ही सरकार बनाने वाले हैं। पार्टी के नेता का चुनाव करने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक दिल्ली से आएंगे। मैं दिल्ली जाऊंगा और नेताओं से मिलूंगा।

वहीं, विश्वजीत राणे ने इंडिया टुडे टीवी से बात करते हुए कहा मैं सीएम के लिए इच्छुक नहीं हूं और पार्टी नेतृत्व मेरी जिम्मेदारी तय करेगा। किसी के साथ कोई मतभेद नहीं है। नवनिर्वाचित विधायक और विश्वजीत राणे की पत्नी देविया राणे ने कहा कि हर नेता की आकांक्षाएं होती हैं और मुख्यमंत्री का नाम केंद्रीय नेतृत्व की ओर से तय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी के भीतर कोई खेमा नहीं है और न ही मतभेदों का कोई सवाल है।

इस बीच, विवादास्पद बीजेपी नेता बाबुश मोनसेरेट ने कहा कि महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी), जिसने भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की है, उसका बीजेपी में विलय हो जाना चाहिए। चुनाव के पहले एमजीपी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के साथ गठबंधन किया था और बीजेपी विरोधी मुद्दे पर विधानसभा चुनाव लड़ा था।

मोनसेरेट ने कहा देखिए हमने सबक सीख लिया है। वे पहले हमारे खिलाफ प्रचार करते हैं और फिर हमसे जुड़ते हैं। तो जब हमारे पास संख्या और समर्थन है तो उन्हें क्यों साथ लिया जाए। इसलिए पार्टी को मजबूत बनाने के लिए एमजीपी को बीजेपी में विलय कर देना चाहिए। एमजीपी नेता सुदीन धवलीकर ने खंडन जारी करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व के आग्रह पर भाजपा को समर्थन की पेशकश की थी।

यूपीएस की बैटरी में विस्फोट, महिला और उसकी दो बेटियों की मौत

एजेंसी

कोयंबटूर। तमिलनाडु में कोयंबटूर के एक घर में यूपीएस की बैटरी में विस्फोट होने के बाद दम घुटने से एक परिवार की तीन महिलाएं और उनके पालतू कुत्ते की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान 50 वर्षीय विजयलक्ष्मी, उनकी 24 वर्षीय बेटी अर्चना और 21 साल की बेटी अंजलि के तौर पर हुई है. जानकारी के मुताबिक पड़ोसियों ने घर में धुआं निकलता देखा तो पुलिस और दमकल विभाग को तुरंत सूचित किया. दमकल कर्मियों ने आग को बुझाया जिसके बाद पुलिस मकान के अंदर घुस सकी. पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि हॉल में रखे यूपीएस की बैटरी में विस्फोट होने से आग लग गई।

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि आम तौर पर यूपीएस की बैट्री नहीं फटती लेकिन अगर आपने कुछ लापरवाही कर दी तो ये खतरनाक हो सकता है. सबसे पहले ये ध्यान रखें कि अगर इन्वर्टर चार्ज कर रहे हैं तो इसकी वायरिंग अच्छी क्वॉलिटी की रखें. खराब वायरिंग की वजह से अक्सर इन्वर्टर में शॉर्ट सर्किट हो जाता है जो आगे लगने का कारण बन सकता है।

दूसरी बड़ी गलती जो लोग अक्सर करते हैं वो ये कि इन्वर्टर की बैट्री में टाइम टू टाइम वॉटर लेवल चेक करते रहें. बैट्री में डिसटल वॉटर डाला जाता है और अगर बैट्री में पानी की कमी हो गई तो इससे बैट्री डैमेज हो सकती है और उसमें आग लग सकती है. इसलिए समय समय पर बैट्री में पानी का लेवल चेक करते रहना चाहिए. तीसरी सबसे जरूरी चीज ये कि इन्वर्टर बैट्री को खराब वेंटिलेशन वाले कमरे में बिलकुल ना रखें. आपका इन्वर्टर और बैट्री ऐसे कमरे में रखा होना चाहिए जहां अच्छी हवा आती हो ताकि बैट्री का तापमान नियंत्रित रह सके. कई बार ज्यादा लोड पड़ने से बैट्री गर्म हो जाती है और अगर उसे सही वेंटिलेशन नहीं मिला तो वो आग पकड़ सकती है।

बिहार को पीएमएवाई के लिए सबसे ज्यादा आवंटन

पटना। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने विधानसभा में आज कहा कि केंद्र ने बिहार के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत 11.50 लाख आवास का लक्ष्य निर्धारित किया है और उसी के अनुसार धन आवंटित किया है, जो देश में किसी भी राज्य के लिए सबसे अधिक है।

कुमार ने मंगलवार को भोजनावकाश के बाद की बैठक स्थगित होने के बाद शाम 4:30 बजे सदन की कार्यवाही दुबारा शुरू होने पर ग्रामीण विकास विभाग की बजटीय मांग पर हुई चर्चा के जवाब में कहा कि केंद्र ने पीएमएवाई के तहत बिहार के लिए 11.50 लाख आवास का लक्ष्य निर्धारित किया है और उसी के अनुसार निधि आवंटित की है। उन्होंने कहा कि बिहार के लिए पीएमएवाई के तहत निर्धारित आवास इकाइयों का लक्ष्य देश के किसी भी राज्य के लिए सबसे अधिक है।

मंत्री ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सभाध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा विवाद को लेकर विपक्ष के कड़े तेवर के बीच एक प्रश्न के उत्तर के दौरान हस्तक्षेप करते हुए कहा कि बिहार में कई रोजगारोन्मुखी योजनाओं को लागू किया जा रहा है। उन्होंने बिहार और केंद्र दोनों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का परोक्ष संदर्भ देते हुए बताया कि यह डबल इंजन सरकार की ताकत है जिसके कारण पीएमएवाई के तहत बिहार को सबसे अधिक आवंटन प्राप्त हुआ।

कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना के तहत 36,97,000 परिवारों को रोजगार दिया गया। मनरेगा मांग आधारित योजना है और इच्छुक व्यक्तियों को मांग पर रोजगार दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बिहार में मनरेगा के तहत 14 करोड़ 25 लाख 97 हजार 218 मानव दिवस सृजित किए गए। जीविका दीदी के कुल 10,34,000 स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाए गए, जबकि 1.27 करोड़ परिवार जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़े हैं।

मंत्री ने कहा कि जीविका दीदी स्कूली छात्रों के अलावा सदर और उपमंडल अस्पतालों के लिए भोजन तैयार करने में भी लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सेवाओं से मरीजों और उनके परिचारकों और स्कूली छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल रहा था।

हाईकोर्ट के फैसले पर जल्द सुप्रीम कोर्ट में अपील : अधिवक्ता

बेंगलुरु। हिजाब विवाद पर याचिकाकर्ता मुस्लिम छात्राओं के अधिवक्ता ने कहा है कि उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को मुस्लिम छात्राओं की ओर से दायर उन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें शिक्षण अवधि के दौरान शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की गई थी। न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिलाओं द्वारा हिजाब पहनना इस्लाम के तहत आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है और विद्यालय के यूनिफॉर्म का निर्धारण केवल एक उचित प्रतिबंध है, जिस पर छात्र-छात्राएं आपत्ति नहीं कर सकते। न्यायालय की पीठ ने यह भी कहा कि राज्य सरकार के पास इस संबंध में आदेश जारी करने का अधिकार है।

याचिकाकर्ता के वकीलों ने कहा कि उच्च न्यायालय के प्रत्येक फैसले के बाद उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की जाएगी।

याचिकाकर्ता के एक वकील सत्यभिषा शिवन्ना ने कहा है कि अगला कदम अदालत के फैसले पर गौर करना है। वर्दी के साथ हिजाब का आवेदन खारिज करने संबंधी उच्च न्यायालय के आदेश पर उच्चतम न्यायालय में अर्जी दायरकी आएगी। मुस्लिम बच्चों की शिक्षा बनी रहनी चाहिए, और धर्म बना रहना चाहिए। मदिकेरी में एसडीपीआई नेता अमीन मोहसिन ने कहा कि छात्रों के माता-पिता को इस संबंध में निर्णय लेना था। कांग्रेस विधायक तनवीर सेठ ने बेंगलुरु में कहा, हम उच्च न्यायालय के आदेश पर उच्चतम न्यायालय जाएंगे। आज देश की एकता खतरे में है। उन्होंने कहा,यह एक सामुदायिक लक्ष्य है।

कैंपस फ्रंट इंडिया के अध्यक्ष ने कहा कि हमने 6 छात्रों की ओर से लड़ाई लड़ी। छात्रों की ओर से हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हम चर्चा करेंगे कि संघर्ष को कैसे जारी रखा जाए। हमें शीर्ष अदालत पर भरोसा है. लेकिन तब तक यह जरूरी है कि हर कोई शिक्षित हो। हुबली शहर के माता-पिता शाहीन कुराहट्टी ने अदालत से पृष्ठभूमि अदालत के आदेश का पालन करने को कहा है, जो वर्तमान में विचाराधीन है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मुस्लिम और संघ परिवार के बीच विवाद के बीच हमें भारतीय जनता पार्टी सरकार पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि हम शीर्ष अदालत में अपील करते हैं, तब तक छात्रों को हिजाब पहनकर क्लास अटेंड करने की अनुमति दी जानी चाहिए। मुस्लिम समुदाय की शिक्षा के लिए सहायता दी जानी चाहिए।

हुबली में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अल्ताफ हल्लुरा ने कहा, हमें विश्वास है कि हमें शीर्ष अदालत में न्याय मिलेगा। दुनिया भर में बहस का कारण बनने वाला हिजाब विवाद आखिरकार खत्म हो गया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने आज (15 मार्च) एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। हर पन्ने पर दस्तखत कर बयान जारी करने वाले मुख्य न्यायाधीश ऋतु राज अवस्थी ने कुछ सवाल खड़े किए हैं।

नैनीताल : अल्मोड़ा टैक्सी मालिक की संदिग्ध मौत की गुत्थी सुलझी

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जनपद की खटीमा पुलिस ने अल्मोड़ा के टैक्सी मालिक की संदिग्ध मौत का खुलासा कर दिया है। टैक्सी मालिक की हत्या नहीं बल्कि सड़क दुर्घटना में मौत हुई है। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कार के रियर व्यू मिरर से फरार आरोपी तक पहुंची है। खटीमा पुलिस की ओर से मंगलवार को इस मामले पर से पर्दा उठाया गया। पुलिस के अनुसार विगत सात मार्च को खटीमा के चकरपुर में शिव मंदिर के पास एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ था। कुछ दूरी पर एक इनोवा कार संख्या यूके 01 टीए 1423 भी खड़ी पायी गयी। पुलिस ने जांच की तो शव की पहचान अल्मोड़ा धौलछीनाए काचूला निवासी देवेन्द्र सिंह बिष्ट के रूप में हुई।

मृतक के भाई से नंदन सिंह बिष्ट ने पुलिस को बताया कि उसका भाई कार को लेकर बुकिंग में गया था। तब से वह घर नहीं लौटा है। पुलिस ने हत्या की आशंका के चलते मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के लिये इस गुत्थी को सुलझाना काफी टेढ़ी खीर माना जा रहा था।

इस प्रकरण को सुलझाने के लिये पुलिस की कई टीमों का गठन किया गया। पुलिस को जांच में पता चला कि मृतक पांच मार्च को अल्मोड़ा से बनबसा आया था। बनबसा पहुंचने के बाद वह रात में बनबसा में ही रूका। अगले दिन छह मार्च को वह अपनी गाड़ी में काम कराने के लिये बनबसा से हल्द्वानी गया।

शाम को वह हल्द्वानी से वापस बनबसा के चला और शाम को उसने खटीमा टोल पार किया लेकिन बनबसा नहीं पहुंचा। इस दौरान उसने हल्द्वानी व बनबसा के बीच अकेले ही सफर किया। सात मार्च को चकरपुर के पास उसका शव मिला। पुलिस को जब इसमें कोई सफलता हाथ नहीं लगी तो पुलिस ने एक बार फिर मौके का बारीकी से मुआयना किया।

पुलिस को घटनास्थल पर एक दाहिने साइड का रियर व्यू मिरर कंसोल मिला। बस पुलिस इसी से आरोपी तक पहुंच गयी और पूरे प्रकरण का राज फाश कर दिया। पुलिस ने आगे जांच की तो पता चला कि बरामद कंसोल महेन्द्रा क्रांटो कार का है। पुलिस की जांच जैसे जैसे आगे बढ़ी तो पता चला कि उसी दौरान घटनास्थल के पास से तेज गति से एक महेन्द्रा क्रांटो कार डीएल 82 एसी 0251 गुजरी है और उसकी दायीं साइड की लाइट व रियर व्यू मिरर गायब था।

पुलिस ने खटीमा टोल से इस वाहन की पूरी जानकारी जुटा ली। फास्ट टैग से वाहन स्वामी का मोबाइल नंबर भी मिल गया। मोबाइल नंबर की तस्दीक गाजियाबाद के मुरादनगर के डिडोली निवासी भीम सिंह त्यागी के रूप में हुई। पुलिस जांच में उक्त मोबाइल नंबर घटनास्थल पर होना पाया गया।

इसके बाद पुलिस ने गाजियाबाद जाकर भीम सिंह से पूछताछ की। पुलिस को पता चला कि भीम सिंह अपने परिवार के साथ पिथौरागढ़ के बलुवाकोट अपन ससुराल गया था और छह मार्च को वापस गाजियाबाद डिडौली अपने घर लौट रहा था। क्रांटो कार को उसका रिश्तेदार मदन सिंह बोरा निवासी पइयापोडीए थाना बलवकोटए धारचूलाए पिथौरागढ़ चला रहा था।

खटीमा के चकरपुर जंगल में वाहन का सीसा साफ करने के चक्कर में मदन सिंह अपने वाहन से नियंत्रण खो बैठा। पुलिस को यह भी पता चला कि इसी दौरान चकरपुर के जंगल में मंदिर के पास देवेन्द्र सिंह भी पहुंचा और वह अपना वाहन खड़ा कर बाहर निकला था कि अनियंत्रित क्रांटो कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और वह छिटक कर काफी दूर गिर गया। क्रांटो कार मौके से फरार हो गयी और रामपुर में उसने कार की मरम्मत की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कला से कहीं उपर आत्मसंतोष का विषय है फोटोग्राफी : लक्ष्यराजसिंह

उदयपुर। मेवाड़ पूर्व राजपरिवार के सदस्य लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने कहा है कि हर एक कला हमारे मानस को अजीब से संतोष से सिंचित करती है परंतु फोटोग्राफी एक ऐसी कला है जो इन सब कलाओं से उपर सर्वोच्च आत्मतोष का विषय है।

श्री मेवाड आज यहां सिटी पैलेस में पृथ्वीराज फाउंडेशन, अजमेर द्वारा आयोजित रूपेश डूडी मेमोरियल परिपक्व राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता में उदयपुर जिले के विजेताओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

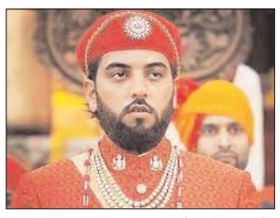

उन्होंने कहा कि संचार प्रौद्योगिकी के इस दौर में हर एक व्यक्ति के भीतर फोटोग्राफर छिपा हुआ है पर एक उमदा फोटोग्राफर अपनी कल्पना, कला और कौशल से बेहतरिन क्लिक करता है। उन्होंने उदयपुर जिले के चार फोटोग्राफर्स के एक साथ राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता में चयनित होने को गौरवमयी उपलब्धि बताया और सभी विजेताओं को बधाई दी।

समारोह के दौरान इस प्रतियोगिता की दो अलग-अलग श्रेणियों में उदयपुर के जनसंपर्क उपनिदेशक डॉ. कमलेश शर्मा, वरिष्ठ फोटोग्राफर राकेश शर्मा 'राजदीप', मनीष कोठारी और वाईल्डलाईफ फोटोग्राफर देवेन्द्र श्रीमाली के फोटोग्राफ्स के चयन पर लक्ष्यराजसिंह ने पुरस्कार राशि चेक और प्रमाण पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने विजेताओं को बधाई भी दी।

इस मौके पर पृथ्वीराज फाउंडेशन के सचिव दीपक शर्मा ने बताया कि वाइब्रेंट कलर्स ऑफ राजस्थान और लाइफ इन पेंडेमिक थीम पर आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय के साथ सांत्वना पुरस्कार घोषित किए गए थे। प्रतियोगिता में दोनो श्रेणियों में देशभर से 150 फोटोग्राफर्स की प्रविष्टियां प्राप्त हुई जिसमें उदयपुर के चार फोटोग्राफर्स का चयन किया गया है।

शार्ट न्यूज

कटे हाथ को जटिल माइक्रोवस्क्युलर सर्जरी द्वारा जोड़ कर बचाया

नोएडा। कैलाश अस्पताल सेक्टर 27 नोएडा में प्लास्टिक सर्जरी टीम ने 5 वर्षीय ऋषभ के आधे से ज्यादा कटे हुए हाथ को जटिल माइक्रोवस्क्युलर सर्जरी द्वारा जोड़ कर बचाया। बता दे कि 22 फरवरी को गांव सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में चारा काटने वाली मशीन से खेलते समय 5 वर्षीय ऋषभ का बायां हाथ बेहद गंभीर रूप से कट गया था। बच्चे के पिता कृष्ण कुमार शर्मा तुरंत उसे कैलाश अस्पताल ग्रेटर नोएडा लेकर पहुंचे। बच्चे का बाया हाथ कलाई तक पूरा कटा हुआ और एक तरफ लटक चुका था। गंभीर रक्तस्राव , मांसपेशियों , न्यूरोवस्क्युलर और हड्डी को नुकसान हुआ था। प्रारंभिक जांच और प्राथमिक उपचार के बाद ऋषभ को तुरंत कैलाश अस्पताल सेक्टर 27 नोएडा ले जाया गया। वहां अस्पताल के आपातकालीन विभाग में कैजुअल्टी डॉक्टर्स और प्लास्टिक सर्जन डॉ मुकेश कुमार ने मरीज़ को तुरंत एडमिट कर और बिना समय गवाये ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी के लिए ले जाया गया । कई घंटों तक चली चुनौतीपूर्ण सूक्ष्म जटिल प्लास्टिक सर्जरी के बाद हाथ को सफलतापूर्वक बचाया गया । यह प्लास्टिक और हड्डी रोग सर्जन और एनेस्थीसिया टीम द्वारा बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य था । प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन डॉ मुकेश कुमार ने बताया कि सर्जरी के सिर्फ 10 दिनों बाद ही ऋषभ का हाथ पूरी तरह से सुरक्षित और सामान्य हो गया है । आगे कुछ हफ्तों के बाद , बच्चा अपने बाएँ हाथ से सामान्य काम करने में अपना भविष्य बनाने और सामान्य जीवन जीने में सक्षम होगा । डा मुकेश ने कहा कि ऐसी किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति होने पर तुरंत अस्पताल पहुँच कर अपना इलाज करायें । डा . उमा शर्मा , चेयरपर्सन , कैलाश ग्रुप ऑफ हास्पिटल ने प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन डा . मुकेश कुमार को एवं उनकी टीम को बधाई दी और 5 वर्षीय ऋषभ के अच्छे स्वास्थ्य एवं भविष्य की कामना की । इस अवसर पर डा . रितु वोहरा , ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर , डा . अनिल गुरनानी , ग्रुप डायरेक्टर क्रिटिकल केयर , डा . सारिका चन्द्रा , मुख्य आपातकालीन चिकित्सा अधिकारी एवं डा . कंचन वर्मा , ग्रुप डायरेक्टर रेडियोलॉजिस्ट एवं डा . विजय गंजू चिकित्सा अधीक्षक आदि उपस्थित रहे ।

योगी आदित्यनाथ और मायावती की मोर्फ्ड फोटो शेयर कर फंसा युवक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की कथित रूप से आपत्तिजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में 24 वर्षीय एक व्यक्ति को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने 13 मार्च को फेसबुक पर योगी आदित्यनाथ और मायावती की मॉर्फ्ड तस्वीर शेयर की थी। इस पोस्ट पर कई सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए जेवर पुलिस ने स्वत:संज्ञान लेकर एक एफआईआर दर्ज की थी। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि आरोपी की पहचान जेवर थाना क्षेत्र के दयानतपुर गांव निवासी आमिर खान के रूप में हुई है। उसे मंगलवार सुबह सबौता अंडरपास के पास गिरफ्तार किया गया। जेवर थाना एसएचओ उमेश बहादुर ने कहा कि आमिर खान एक दिहाड़ी मजदूर है और उसे प्रक्रियाओं के अनुसार स्थानीय अदालत में पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरोपी ने पुलिस यह नहीं बताया कि उसने यह मॉर्फ्ड तस्वीर क्यों डाली। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है, जिसने एक ट्विटर यूजर द्वारा इस मुद्दे को उजागर किए जाने के बाद मामले की जांच की थी। पुलिस के अनुसार, आमिर खान पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 152बी (राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक आरोप और दावे), 505 (2) (सार्वजनिक शरारत) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पत्नी के प्रेमी की हत्या में दंपति गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत महिला ने पति के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या कर दी। अब हत्या के तीन दिन बाद पुलिस ने इस मामले में महिला और उसके पति को गिरफतार किया है। हत्या में प्रयोग किया गया हथौड़ा और मोबाइल फोन को बरामद किया है। हत्या की वजह महिला के प्रेमी के साथ संबंध खराब हो जाना बताया जा रहा है। गत 11 मार्च को छपरौला गांव में पुलिस को नीरज का शव मिला था। वह बिहार प्रांत का रहने वाला था और फिलहाल छपरौला गांव में किराए पर रह रहा था। बिहार के जनपद भागलपुर गांव नदियामा का रहने वाले श्रवण कुमार की पत्नी मन्ती देवी करीब दो वर्ष से नीरज के साथ रह रही थी। पिछले महीने मंती की मुलाकात दोबारा अपने पति श्रवण से हुई तो उसने बताया की नीरज शराब पीता है रोजाना उसके साथ मारपीट करता है। दोनों ने उसकी हत्या करने की योजना बनाई। योजना के तहत दोनों ने नीरज को शराब पीने के लिए बुलाया और 11 मार्च को नीरज को शराब पिलाने के बाद हथौड़े से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद उसके शव को झाड़ियों में फेंककर फरार हो गए। एसओ बादलपुर दिनेश सिंह ने बताया कि हत्या करने के मामले में दंपति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

छिजारसी से सात साल की बच्ची का अपहरण

नोएडा। थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के छिजारसी से सात साल की बच्ची का अपहरण हो गया। अपहरण करने वाला आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। उसकी फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इसको लेकर थाना पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। छिजारसी के रहने वाले एक व्यक्ति ने सोमवार को थाना सेक्टर 63 में तहरीर देते हुए बताया कि उसकी भतीजी का एक अज्ञात शख्स ने अपहरण कर लिया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस के हाथ सीसीटीवी कैमरे की एक फुटेज लगी है। अपहरणकर्ता उसकी भतीजी को ले जाते हुए नजर आ रहा है। पीड़ित ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज देते हुए भतीजी को ढूंढ़ने की गुहार लगाई है। इस संबंध में थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि अपहरणकर्ता की पहचान कर ली गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़ित की भतीजी को बरामद कर लिया जाएगा। आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की कई टीमें जुट गई हैं बताया जा रहा है कि आरोपी आसपास के इलाके का ही रहने वाला है। वहीं, बच्ची का फ्रंट की घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

थाना सेक्टर-63 पुलिस ने बन्द फैक्ट्री से चोरी करने वाले तीन चोर को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने मंगलवार को बन्द फैक्ट्री से चोरी करने वाले तीन शातिर चोरों रोहित पुत्र सतीश चन्द निवासी मोहल्ला कटरा कनवरीगंज थाना देहली गेट जिला अलीगढ, रामसिंह पुत्र महासिंह निवासी ग्राम तलकुट थाना गुरडावाज जिला अल्मोडा उत्तराखण्ड, सगीर पुत्र रियासत अली निवासी गली नंबर 2 दीपक बिहार थाना खोड़ा जिला गाजियाबाद को थाना क्षेत्र के एबीसीडी चौराहे से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने बन्द फैक्ट्री से चोरी की 6 ड्राईवर मशीन, दो सप्लाई मशीन,एक प्लास और एक पेचकस बरामद किया है।अभियुक्तों द्वारा 13 मार्च 2022 को थाना क्षेत्र के डी-149 में एक बन्द पडी फैक्ट्री से सामान चोरी किया गया था। जिसके सम्बन्ध में थाना सेक्टर-63 पुलिस द्वारा अभियुक्तों को सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है।

दि कश्मीर फाइल्स टैक्स फ्री करने की मांग को लेकर केजरीवाल के आवास पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के साथ हुए भीषण अत्याचारों एवं त्रासदी को लेकर बनाई गई हिन्दी फिल्म ''दि कश्मीर फाइल्स'' को दिल्ली एवं पंजाब में अविलम्ब टैक्स फ्री करने की मांग को लेकर आज यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट एवं राष्ट्रवादी शिवसेना की ओर से 'आप' संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविन्द केजरीवाल के आवास के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिवसेना सुप्रीमों श्री जय भगवान गोयल ने किया। इस अवसर पर श्री अरविंद केजरीवाल को संबोधित एक ज्ञापन भी प्रस्तुत किया गया।

गोयल ने इस अवसर पर कहा कि 30 साल पहले कश्मीर घाटी में हिन्दुओं के साथ क्या हुआ, इस मूवी में विस्तारपूर्वक बताया गया है। लाखों की संख्या में लोग फिल्म देखकर कश्मीरी पंडितों से न्याय करने तथा दोषियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाई करने की मांग कर रहे हैं। फिल्म सच्चाई ब्यान करती है कि भारी संख्या में कश्मीरी पंडितों का नरसंहार किया गया, उन्हें उनकी संपत्तियों से बेदखल कर दिया गया। लाखों लोग डर और भय के कारण कश्मीर छोड़कर देश के अन्य हिस्से में पलायन को विवश हुए।

गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय त्रासदी की इस हृदयविदारक घटना से जब फिल्मी परदे के माध्यम से लोग हकीकत से परिचित हो रहे हैं, तो भी कांग्रेस इसपर राजनीति करके वस्तुस्थिति को ही गलत साबित करने में जुटी है। केरल कांग्रेस जहां से राहुल गांधी सांसद है, के उस वक्तव्य को श्री गोयल ने तथ्यों से दूर और भ्रम फैलाने वाला बताया जिसमें कहा गया कि 1990 के दशक में घाटी में मात्र 400 हिन्दू और 15000 मुस्लमान मरे थे।

ी गोयल ने कहा कि कांग्रेस के ऐसे वक्तव्यों से अब किसी को हैरानी नहीं होती क्योंकि देश के जन-जन को पता है कि तुष्टिकरण में अंधी हो चुकी कांग्रेस ने हिन्दुओं पर अत्याचारों की सच्चाई को न कभी पहले उजागर किया और न आगे करेगी।

गोयल ने कहा कि कश्मीर घाटी में हुई इस घटना को त्रासदी मानकर सभी राजनीतिक दलों को एक स्वर में इसकी भर्त्सना करनी चाहिए न कि आरोप-प्रत्यारोप करके पीड़ित परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़कना चाहिए।

फिल्म के माध्यम से विस्तृत सच्चाई सामने आई है तो पूरे देश को फिल्म देखने के लिए इसे टैक्स फ्री किया जाए, जैसाकि देश के अनेक राज्य पहले ही इसे टैक्स फ्री कर चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दिल्ली एवं पंजाब में फिल्म टैक्स फ्री करने में विलम्ब बर्दाश्त नहीं करेंगे।

इस अवसर पर सर्वश्री धर्मेन्द्र बेदी, मुकेश जैन, जय प्रकाश बघेल, सुबोध बिहारी, जितेन्द्र यादव, मनोज गोयल, राजेश पुरी, पी.के.गोयल तथा सुश्री लक्ष्मी देवी, सुमन प्रजापति आदि पदाधिकारी अपने कार्यकर्ताओं सहित उपस्थित थे।

अवैध अड्डों से खरीद कर मदिरा का सेवन ना करें

गौरवशाली भारत संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। अवैध अड्डों पर बिकने वाली शराब के सेवन से जन सामान्य को बचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर सुहास एल वाई के निर्देश पर आबकारी विभाग के द्वारा निरंतर रूप से कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा एक एडवाइजरी जारी की गई है जिसमें उन्होंने जन सामान्य का आह्वान किया है कि अवैध अड्डों से खरीद कर मदिरा का सेवन ना करें।

यहां पर बिकने वाली मदिरा जहरीली तथा उसमें मिथाइल एल्कोहल हो सकता है जो एक घातक विष है। इसके सेवन करने से व्यक्ति की आंखों की रोशनी भी जा सकती है तथा उसकी मृत्यु भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि कुछ असामाजिक प्रवृत्ति के लोग निजी स्वार्थवश अन्य प्रान्तों से अवैध मदिरा की तस्करी, विभिन्न तरीकों से अवैध मद्यनिष्कर्षण/अवैध मदिरा का निर्माण कर बिक्री करते है, इस प्रकार से तैयार अवैध मदिरा मे कई जहरीली कैमिकल मिले हो सकते है।

उन्होंने बताया कि अवैध शराब का धन्धा करने वाले दोषियों को आजीवन कारावास या 10 लाख तक का जुर्माना या दोनों सजा एक साथ एवं मृत्यु दण्ड की सजा का प्रावधान है। एडवाइजरी में अवैध अड्डों पर बिकने वाली शराब के संबंध में आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा फीडबैक भी चाही गई है जिसके लिए सभी अधिकारियों के नंबर जारी किए गए हैं। ऐसी जानकारी मिलने पर कोई भी व्यक्ति संबंधित मोबाइल नंबर 9454465654, 9454466423, 9454466424, 9454466425, 9454466428, 9454466429 पर जानकारी दे सकते हैं। जानकारी देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा और अवैध शराब के कारोबारी के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

राज्य कला उत्सव में छात्रों ने बिखेरा अपनी कला का रंग

राज्य कला उत्सव में कमल मॉडल स्कूल के छात्र को प्रथम स्थान

गौरवशाली भारत संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कला उत्सव में मोहन गार्डन स्थित कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र ने प्रथम स्थान हासिल किया है। स्कूल के छात्र शांतनु रंजन मंडल को बंगाली लोक नृत्य धनुची में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए दिल्ली के शिक्षा सचिव एच राजेश प्रसाद और उपनिदेशक शिक्षा (पश्चिमी जोन) यदैया मारका ने विशिष्ट योग्यता प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

सम्मान प्राप्त करते हुए शांतनु रंजन मंडल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने विद्यालय कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रधानाचार्या और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की गवर्निंग बॉडी की सदस्या डॉ. वंदना टंडन द्वारा प्रदत्त प्रोत्साहन को दिया। उधर, शांतनु के अलावा पूर्वी दिल्ली के मौसम विहार स्थित एसएचएस डीएवी स्कूल के मोहम्मद अय्यान वारिस को वोकल संगीत पारंपरिक लोक संगीत में प्रथम स्थान, दक्षिणी पश्चिमी दिल्ली स्थित माउंट कार्मेल स्कूल द्वारका की आदया कश्यप को वाद्य पारंपरिक लोक में प्रथम स्थान, दक्षिणी दिल्ली स्थित दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल की आदित्या आर को क्लासिकल डांस में प्रथम स्थान, दक्षिणी पूर्वी दिल्ली स्थित आरपीवीवी आईएए कॉलोनी स्कूल के निखिल बोरा को क्लासिकल डांस में प्रथम स्थान और पूर्वी दिल्ली स्थित ईस्ट प्वाइंट स्कूल में रिदम के सिंह ने वाद्य संगीत शास्त्रीय प्रथम स्थान हासिल किया है।

राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी ने पूरा किया एक वर्ष का सफ़र

नई दिल्ली। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आज से ठीक एक वर्ष पूर्व राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी की स्थापना हुई थी। सोमवार 14 मार्च 2022 को एक वर्ष बाद पाटी का मालवीय समृति भवन में दिल्ली में स्थापना दिवस मनाया गया। इस उपलब्ध राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी के चीफ़ कन्वीनर ब्रिगेडियर डॉ. बी. के. खन्ना जी ने कहा कि पार्टी को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाना है जिसके लिए जिले नए विचारों के साथ-साथ सभी में समर्पण की भावना भी सदा बनी रहे।

पार्टी के कार्यकारी संयोजक श्री डीएन चौहान जी ने पार्टी के लक्ष्य व उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मंच पर आसीन अतिथिगणों ने भी पार्टी के विस्तार, उपलब्धयों व भविष्य की चुनौतियों को लेकर अपनाप पक्ष रखा।

राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी के चीफ़ एडवाइजर लेफ्टिनेंट जनरल डॉ एमएम लखेड़ा जी व पार्टी की मुख्य सलाहकार सदस्य श्रीमती रेणु डी सिंह जी ने अपने विचार वीडियो संदेश के साध्यम से प्रस्तुत किये जिसमें उन्होंने पार्टी के आन्तरिक अनुशासन तटहलता लेफवन्त्र को बनाए रखने व मिलजुलकर टीम भावना से कार्य करने हेतु सुझाव रखे रखे। राष्ट्रीय लोकनीति पार्टी के संस्थापक सदस्य डॉ0 एल. सी. शर्मा जी ने न्यू इरा लीडरशीप पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस उपलक्ष्य पर पर्यावरणविद् ज्ञानेंद्र रावत जी, प्रोफेसर रमेश जी, संजीव शास्त्री जी, नन्द कुमार झा जी, डॉ अपर्णा शर्मा जी एवं अन्य गणमान्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। स्थापना दिवस के यादगार बनाने के लिए हिमाचली पारंपरिक पकवान जिसमें सिड्डू व इंड्रा मुख्य थे, मेहमानों को परोसा गये।

गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा एवं महिला एवं बाल अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की जा रही है गहन कार्यवाही

गौरवशाली भारत संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में अभियोजन अधिकारी नीटू विश्नोई की प्रभावी पैरवी के परिणाम स्वरूप मुकदमा अपराध संख्या 535/2016 धारा 363, 366,342 भादवि व 6 पॉक्सो अधिनियम थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर में मंगलवार को न्यायालय एडीजे/ स्पेशल पोक्सो-1 द्वारा अभियुक्त पवन पुत्र शिवमंगल सिंह निवासी अजनेरा थाना खेजूरी जिला बलिया वर्तमान निवासी दरोगा कॉलोनी थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर को न्यायालय एडीजे/स्पेशल पोक्सो-1 निरंजन कुमार द्वारा 10 सश्रम कारावास एवं 16,000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड जमा न करने पर 1 वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।अभियुक्त द्वारा 2 अगस्त 2016 को अपने किराए के मकान में ही रहने वाले वादी की भतीजी उम्र 4 वर्ष को ऊपर कमरे में ले जाकर कमरा बंद करके अश्लील हरकत की गई थी। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा लगातार अभियुक्तों को सजा दिलायी जा रही है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की आगे भी प्रभावी कार्यवाही जारी रहेगी।

होली पर दिल्ली वालों को देंगे नया विकल्प : योगेश भाटी

होली के उपलक्ष्य में फूलों की होली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली की जनता विभिन्न पार्टियों के झूठे वादों और प्रपंचों से तंग आ चुकी है। वे अब एक नया विकल्प चाहते हैं। होली के इस पावन अवसर पर हम दिल्ली के लोगों को एक नया और सार्थक राजनैतिक विकल्प देने का ऐलान करते हैं। गऊ ग्रास सेवा ट्रस्ट एवं योगेश भाटी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख योगेश भाटी ने मंगलवार को शाहदरा स्थित विश्वकर्मा नगर में आयोजित होली मंगल मिलन समारोह के दौरान ये बातें कहीं।

गऊ ग्रास सेवा ट्रस्ट और योगेश भाटी चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को शाहदरा स्थित विश्वकर्मा नगर में फूलों संग होली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रमुख श्री योगेश भाटी ने 300 बुजुर्ग महिलाओं के लिये पेंशन योजना और जरूरत मंद परिवारों के लिए राशन वितरण योजना का शुभारंभ भी किया।

कार्यक्रम में 450 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। योगेश भाटी और उनकी संस्था के कार्यकर्ताओं ने सभी महिलाओं और उनके परिवारों के साथ फूलों की होली खेली। इस अवसर पर उन्होनें नई राजनैतिक पार्टी बनाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम के दौरान श्री कृष्ण लीला और भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती अनीता भाटी, धनेश भाटी, हरविंदर माथुर, चांद बाबू, मुनीराम गोयल और शिवराम सारस्वत प्रमुख तौर पर उपस्थित रहे।

नई तकनीकों से ब्रेन एवं स्पाइनल ट्यूमर के सटीक इलाज की संभावना बढ़ी

आरजीसीआईआरसी द्वारा रोहिणी में न्यूरो एंड स्पाइन ओंको अपडेट कॉन्क्लेव आयोजित

गौरवशाली भारत संवाददाता

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में नई तकनीकों ने ब्रेन एवं स्पाइनल कॉर्ड ट्यूमर के इलाज की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव किया है। इन तकनीकों में आसपास के अंगों को प्रभावित किए बिना सटीक तरीके से ट्यूमर को हटाना संभव होता है। इससे शरीर के अन्य अंगों की कार्यप्रणाली पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है। नई तकनीकों को लेकर जागरूकता के लिए नई दिल्ली के राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) ने अपनी रोहिणी स्थिति शाखा में न्यूरो एंड स्पाइन ओंको अपडेट कॉन्क्लेव आयोजित किया। इसमें देश के दो सबसे बड़े न्यूरो ओंको हॉस्पिटल टाटा मेमोरियल और आरजीसीआईआरसी के विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही एम्स, जीबी पंत हॉस्पिटल, आरएमएल हॉस्पिटल और सफदरजंग हॉस्पिटल के विशेषज्ञ भी शामिल रहे। बीएलके, मैक्स, अपोलो, फोर्टिस, मेदांता, पारस, और आर्टेमिस जैसे प्रतिष्ठित निजी अस्पताल भी इस कॉन्क्लेव का हिस्सा बने।

न्यूरो एंड स्पाइन ओंको अपडेट 2022 के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. आई.सी. प्रेमसागर ने कहा, 'न्यूरो एंड स्पाइन ओंको अपडेट 2022 अपनी तरह का इकलौता कार्यक्रम रहा, जहां न्यूरो-ओंको संर्जन, मेडिकल ओंकोलॉजिस्ट, रेडिएशन ओंकोलॉजिस्ट, न्यूरो पैथोलॉजिस्ट, न्यूरो एनेस्थेटिस्ट, न्यूरो रेडियोलॉजिस्ट, न्यूरो फिजियोलॉजिस्ट और न्यूरो साइकोलॉजिस्ट ने एक मंच पर इस संबंध में नवीनतम ट्रेंड पर चर्चा की।' इस दौरान न्यूरो नेविगेशन और इंट्रा ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड की तकनीक के माध्यम से सर्जरी पर वर्कशॉप भी आयोजित की गई, जिससे युवा न्यूरो सर्जन इस तकनीक का अनुभव कर सकें।

सर्जरी के दौरान सर्जन और प्रतिनिधियों के बीच सीधी बातचीत से प्रक्रिया की तकनीकी व्यवस्थाओं को समझने में मदद मिली।

टाटा मेमोरियल के हेड ऑफ न्यूरोसर्जरी डॉ. अली असगर ने इस सर्जरी को अंजाम दिया। इस दौरान ऑडिटोरियम में बैठे सभी लोग उस सर्जरी को होते हुए देख रहे थे। सर्जरी के दौरान न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट ने स्पीच सेंटर एवं अन्य फंक्शनल एरिया पर नजर रखी। यह एक अवेक सर्जरी थी, जिसमें पूरी प्रक्रिया के दौरान मरीज बातचीत करता रहा और शरीर के अंगों को चलाता रहा।

विशेषज्ञों ने नर्वस सिस्टम के प्राइमरी ट्यूमर और शरीर के अन्य हिस्सों के ट्यूमर, जो रक्त बहाव के साथ (मेटास्टेसाइज्ड) नर्वस सिस्टम तक पहुंच जाते हैं, पर भी चर्चा की।

ब्रेन ट्यूमर के इलाज की नई तकनीकों पर डॉ. प्रेमसागर ने कहा कि न्यूरो नेविगेशन की नई तकनीक से सर्जन को ब्रेन या स्पाइनल कॉर्ड में ट्यूमर को सटीक तरीके से पहचानने में मदद मिलती है, जो इस सर्जरी में सबसे अहम है। इसी तरह से फुल स्पेक्ट्रम इंट्रा ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड से ज्यादा से ज्यादा फंक्शनल प्रिजर्वेशन के साथ ट्यूमर को हटाना संभव होता है।

सर्जरी के जरिये ट्यूमर बाहर निकालने के बाद भी उसका कुछ हिस्सा वहां रह जाता है। रेडिएशन ओंकोलॉजिस्ट ने बताया कि किस तरह से भारत में उपलब्ध आईजीआरटी और आईएमआरटी जैसी पारंपरिक रेडिएशन की मदद से इस बचे हुए ट्यूमर को खत्म किया जा सकता है। इस दौरान साइबरनाइफ और प्रोटॉन थेरेपी पर भी चर्चा हुई।

इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न हिस्सों से आए पैथोलॉजिस्ट ने सीएनएस ट्यूमर्स के नवीनतम डब्यूएचओ क्लासिफिकेशन पर भी जानकारी साझा की।

इसमें मॉलीक्युलर डायग्नोस्टिक्स को शामिल किया गया है। डॉ. प्रेमसागर ने बताया कि पहले हमारे पास हिस्टोपैथोलॉजी का ही विकल्प था, लेकिन अब मॉलीक्युलर टेस्टिंग का भी विकल्प है, जिससे ट्यूमर के बारे में ज्यादा जानकारी मिल पाती है।

संपादकीय

जरा जान लें कि कश्मीरी पंडितों को बसाने के लिए मोदी सरकार ने क्या-क्या किया?

आज देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के हिन्दुस्तानी की जुबां पर हम देखेंगे का तराना है। द कश्मीर फाइल्स अब महज एक फिल्म का नाम भर नहीं रह गया बल्कि ये दास्तां है इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा कश्मीरी पंडितों पर किए गए बर्बरतापूर्ण अत्याचारों की। जिसे देश के कथित सेक्यूलर राजनीति ने हमेशा से दबाकर, छिपाकर रखा और सही तथ्यों को देश के सामने आने ही नहीं दिया। लेकिन कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार की फाइलों पर पड़ी धूल को विवेक अग्निहोत्री की फिल्म ने हटाने का काम किया। दहशत केवल वही नहीं होती कि कोई आए, अंधाधुंध गोलियां चलाए और अगले पल आदमी ढेर हो जाए। दहशत केवल वह भी नहीं होती कि खचाखच भरी भीड़, बसों, दुकानों में बम रख दिए जाएं और धमाके के साथ पूरी जिंदगी ही हमेशा के लिए फना हो जाए। दहशत वो भी होती है जब एक महिला के पति को उसकी आंखों के सामने गोलियों से भून दिया जाए और फिर उसके खून से लिपटे चावल को उसी महिला की हलक में निवाला बनाकर उतार दिया जाए। सुनने में ये बातें आपको मनगढंत लग सकती हैं लेकिन ये झूठ नहीं बल्कि शाश्वत सत्य है। जिसे भारत माता के मणिमुकुट कहे जाने वाले कश्मीर में अंजाम दिया गया। लोगों को मारकर पेड़ पर टांग दिया गया, बच्चों को सिर के आर-पार गोलियां उतार दी गई थीं। हिंदू महिला को दो टुकड़ों में काट दिया गया।

19 जनवरी 1990 में कश्मीर घाटी में एक रात अचानक पावर कट हो गई, यानी लाइट चली गई। उस अंधेरे में घाटी की मस्जिदों से ऐलान हुआ असि गछि पाकिस्तान, बटव रोअस त बटनेव सान मस्जिद में से जो ऐलान किए जा रहे थे और जो आवाजे आ रही थी। वो हमें शांति का पाठ पढ़ाने के लिए नहीं थी। बल्कि डर के शिकंजे में जकड़ने के लिए थी। ऐसा डर जो कश्मीरी पंडितों को मजबूर कर दे। अगली सुबह ही घर छोड़कर भाग जाने के लिए। ऐसा डर जिसमें लाखों कश्मीरी पंडितों की बेबसी, उनके आंसू, उनकी चीखें, और उनकी घुटन छुपी है। कल्पना कीजिए 1990 के जनवरी महीने की वो रात कश्मीर में तो सर्दी भी बहुत होती है। माहौल में एक अजीब सी शांति थी। मानो तूफान से पहले की शांति। हजारों लोग घर के अंदर थे इस उम्मीद के साथ की कश्मीर में सब सही होगा। लेकिन दूसरी तरफ हजार लोग मस्जिद में थे। ठीक रात के दस बजे एक शुरुआत होती है। एक गली में नहीं, एक इलाके में नहीं एक शहर में भी नहीं बल्कि उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक पूरे कश्मीर घाटी मस्जिदों से उठती उन आवाजों से गूंज उठती है। जिसमें वो कहते हैं- बटान्हिन ब्योर खुदायानगुन यानी कश्मीरी पंडितों के बीज अल्लाह ने तबाह कर दिए हैं। रली वेव सलीव या गली वे यानी या तो इस्लाम में कंवर्ट हो या फिर छोड़ के चले जाओ या फिर मार दिए जाओगे। अगर इससे भी रूह नहीं कांपी तो आगे वे कहते हैं दिल में रखो अल्लाह का खौफ, हाथों में रखो क्लासनिकोव। क्लासनिकोव एक प्रकार की राइफल होती है। अगर अचानक ही आपको ये सब सुनने को मिले। ये सुनने को मिले की कश्मीर को पाकिस्तान बनाएंगे। वो भी पंडितों के बिना लेकिन उनकी महिलाओं के साथ। आपकी रूह नहीं कांप जाएगी। सोचिए उन कश्मीरी पंडितों के साथ क्या हुआ होगा। उनके डर को महसूस कीजिए, माथों पर आते पसीने के बारे में सोचिए। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि 1990 में हुई इस घटना में कितने कश्मीरी पंडितों को कश्मीर से बाहर निकाला गया और कितने पंडितों को फिर से विस्थापित किया गया। इसके साथ ही बताएंगे की सरकार के अब तक के दावे और कश्मीरी पंडितों की मांगें क्या-क्या हैं?

होली भक्ति और विश्वास की विजय का पर्व

ललित गर्ग

भक्त एवं भगवान का एक रंग हो जाना ही चरम परिणति है और इसी अंतस और अध्यात्म का अनूठा संगम पर्व है होली। होली प्रेम, आपसी सद्भाव और मस्ती के रंगों में सराबोर हो जाने का अनूठा त्यौहार है। कोरोना महामारी के कारण इस त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में बदलाव आया है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसको मनाते हुए हम समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। इस त्योहार को मनाने के पीछे की भावना है मानवीय रिश्तों की गरिमा को समृद्धि प्रदान करना, जीवनमूल्यों की पहचान को नया आयाम प्रदत्त करना। होली ही एक ऐसा त्योहार है, जिसके लिये मन ही नहीं, माहौल भी तत्पर रहता है। होली का धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक सचेतन माहौल बनाएं, जहां हम सब एक हो और मन की गन्दी परतों को उतार फेंके ताकि अविभक्त मन के आईने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए। हम कितने भोले हैं कि अपनी संस्कृति एवं आदर्श परम्पराओं को हमीं मिटा रहे हैं। स्वयं अपना घर जला कर स्वयं तमाशा बन रहे हैं। आखिर हमीं तो वे लोग हैं जिन्होंने देश की पवित्र जमीं के नीचे हिंसा, अन्याय, शोषण, आतंक, असुरक्षा, अपहरण, भ्रष्टाचार, अराजकता, अत्याचार जैसे घिनौने तत्वों की गहरी और लम्बी सुरंगें बिछाकर उन पर अपने स्वार्थों का बारूद फैला दिया, बिना कोई परिणाम सोचे, बिना भविष्य की संभावनाओं को देखे। फिर भला कैसे सुरक्षित रह पाएगा आम आदमी का आदर्श। आम आदमी का जीवन। इन अंधेरों एवं जटिल हालातों के बीच होली जैसे त्योहार हमारी रोशनी की इंतजार एवं उजालों की कामना को पूरा करने के लिये हमें तत्पर करते हैं।

प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान की जाए। स्नेह और सम्मान का, प्यार और मुहब्बत का, मैत्री और समरसता का ऐसा शमां बांधना चाहिए कि जिसकी बिसात पर मानव कुछ नया भी करने को प्रेरित हो सके, आपसी रिश्तों में प्रेम एवं ऊर्जा का संचार करें। कहते हैं प्यार और नफरत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। प्यार पूरी तरह सकारात्मकता और ऊर्जा से भरा भाव है, इसके उलटे नफरत नकारात्मकता और गुस्से से भरा। ऐसा क्यों होता है कि जिससे एक वक्त में हम प्यार करते हैं, उससे ही कुछ समय बाद नफरत करने लगते हैं? प्यार वाला रिश्ता हमारा कइयों के साथ होता है, इन रिश्तों को होली का पर्व नये आयाम एवं नये रंग देता है। जिनसे हम प्यार करते हैं, हमेशा उनकी खुशी चाहते हैं, उनके लिए मन में कोई दुर्भावना या खीझ नहीं होती। उनका हमारी जिंदगी में होना ही हमारे लिए काफी होता है। अमेरिकी लेखक और चिंतक डेनियल कार्डवेल कहते हैं, 'हम हमेशा दिल से प्यार करते हैं। इसके उलट नफरत की भावना दिमाग से उपजती है।' होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है। यह मन और मस्तिष्क को परिष्कृत करता है।

होली-पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में अनुपम-अद्भुत है ब्रज की होली। ब्रज की होली विशिष्ट है, विलक्षण है। देश के अन्य भागों में होली होती है एक-दो दिन की किंतु ब्रज में होली होती है 50 दिनों की।

ब्रज में बसंत पंचमी के दिन सामूहिक होली जलने वाले स्थानों पर होली का दांड़ा रोप दिया जाता है और वहां लकड़ी, कन्डे आदि एकत्रित होने लगते है। बसंत पंचमी से ही मंदिरों में भगवान के श्रृंगार में अबीर-गुलाल का प्रयोग होने लगता है और धमार के स्वर गूंजने लगते हैं। गांव की चौपालों पर ढोलक खनकने लगती है, झांझ-मंजीरे झंकृत हो उठते है और गूंज उठते है होली के रसिया।

भारतीय शास्त्रीय संगीत तथा लोक संगीत की परंपरा में होली का विशेष महत्व है।

हिंदी फ़िल्मों के गीत भी होली के रंग से अछूते नहीं रहे हैं। होली के सतरंगी रंगों के साथ सात सुरों का अनोखा संगम देखने को मिलता है! रंगों से खेलते समय मन में खुशी, प्यार और उमंग छा जाते हैं और अपने आप तन मन नृत्य करने को मचल उठता है। लय और ताल के साथ पैर को रोकना मुश्किल हो जाता है। रंग अपना असर बताते हैं, सुर और ताल अपनी धुन में सब को डुबोये चले जाते हैं! शास्त्रीय संगीत में धमार का होली से गहरा संबंध है। ध्रुपद, धमार, छोटे व बड़े ख्याल और ठुमरी में भी होली के गीतों का सौंदर्य देखते ही बनता है।

कथक नृत्य के साथ होली, धमार और ठुमरी पर प्रस्तुत की जाने वाली अनेक सुंदर बंदिशें आज भी अत्यंत लोकप्रिय हैं- चलो गुंइयाँ आज खेलें होरी कन्हैया घर। इसी प्रकार संगीत के एक और अंग ध्रुपद में भी होली के सुंदर वर्णन मिलते हैं।

साहित्य में भी होली के विविध समृद्ध रंग देखने को मिलते हैं। सूफ़ी संत हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया, अमीर खुसरो और बहादुर शाह ज़फ़र जैसे मुस्लिम कवियों ने भी होली पर सुंदर रचनाएँ लिखी हैं जो आज भी जन सामान्य में लोकप्रिय हैं। आधुनिक हिंदी कहानियों में प्रेमचंद की राजा हरदोल, प्रभु जोशी की अलग अलग तीलियाँ, तेजेंद्र शर्मा की एक बार फिर होली, ओम प्रकाश अवस्थी की होली मंगलमय हो तथा स्वदेश राणा की होली में होली के अलग अलग रूप-रंग, आयाम एवं दृष्टिकोण देखने को मिलते हैं।

होली के त्यौहार में विभिन्न प्रकार की क्रीड़ाएँ होती हैं, बालक गाँव के बाहर से लकड़ी तथा कंडे लाकर ढेर लगाते हैं। होलिका का पूर्ण सामग्री सहित विधिवत् पूजन किया जाता है, अट्टहास, किलकारियों तथा मंत्रोच्चारण से पापात्मा राक्षसों का नाश हो जाता है।

होलिका-दहन से सारे अनिष्ट दूर हो जाते हैं। होली के त्योहार का विराट् समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, इस त्योहार को मनाते हुए यूं लगता है सब कुछ खोकर विभक्त मन अकेला खड़ा है फिर से सब कुछ पाने की आशा में। क्योंकि इस अवसर पर रंग, गुलाल डालकर अपने इष्ट मित्रों, प्रियजनों को रंगीन माहौल से सराबोर करने की परम्परा है, जो वर्षों से चली आ रही है। एक तरह से देखा जाए तो यह उत्सव प्रसन्नता को मिल-बांटने का एक अपूर्व अवसर होता है। हिरण्यकशिपु की बहिन होलिका को अग्नि में न जलने का वरदान प्राप्त था। अत: वह अपने भतीजे प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में प्रवेश कर गई। किंतु प्रभु-कृपा से प्रह्लाद सकुशल जीवित निकल आया और होलिका जलकर भस्म हो गई। इसलिये होली का त्योहार 'असत्य पर सत्य की विजय' और 'दुराचार पर सदाचार की विजय' का प्रतीक है।

इस प्रकार होली का पर्व सत्य, न्याय, भक्ति और विश्वास की विजय तथा अन्याय, पाप तथा राक्षसी वृत्तियों के विनाश का भी प्रतीक है।

मतदाताओं ने पारदर्शी राजनीति पर मोहर लगाई!!!

दुनिया का सबसे बड़ा और मज़बूत लोकतंत्र भारत विश्व के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी आस्था रखने का जीता जागता उदाहरण है!! जो 135 करोड़ जनसंख्या वाला देश वैश्विक स्तरपर सबसे युवा देश है। जहां पीएम को भी लोकतंत्र के इस मंदिर की सीढ़ियों पर माथा टेकते हुए सारे विश्व में देखा था! यह है हमारा लोकतंत्र!!!

साथियों बात अगर हम इस लोकतंत्र में चुनावी प्रथा, उम्मीदवारों, छोटी से लेकर बड़ी राजनीतिक पार्टियों द्वारा चुनावी रणनीतियों, राजनीति की करे तो बदलते परिपेक्ष में समय के साथ-साथ चुनावी नियमों, विनियमों में संशोधन तो होते ही हैं परंतु परिस्थितियों के अनुसार राजनीतिक पार्टियों द्वारा भी बदलते राजनीतिक, रणनीतिक और मतदाताओं के मूड पर नज़र रखकर अपनी चुनावी नीतियों रणनीतियों में बदलाव कर अपनी जीत सुनिश्चित करने की कोशिश करते हैं।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में 10 मार्च 2022 को आए चुनाव परिणामों की करे तो इन परिणामों में सबसे महत्वपूर्ण बात यह देखने को यह मिली कि उम्मीदवारों के साथ-साथ उनके नेतृत्व चेहरे याने भावी मुख्यमंत्री की घोषणा मतदाताओं को प्रभावित करने में सक्षम हुई!!! क्योंकि मतदाताओं ने पारदर्शी राजनीति पर मोहर लगाई और हमें यह देखने को मिला कि शायद पहली बार मुख्य पार्टियों ने अपनें मुख्यमंत्री पदके उम्मीदवार की घोषणा पारदर्शिता से सार्वजनिक तौर पर की जिसपर जनता ने खुशी जाहिर कर अपने मतदान रूपी आहुति को चुनाव रूपी यज्ञ में अर्पित किया।

साथियों बात अगर हम ग्राम पंचायत अध्यक्ष से लेकर विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री, संसद चुनाव में प्रधानमंत्री के नामों की घोषणा पार्टियों द्वारा स्वस्थ प्रथा से हर बार अनिवार्य करने की करे तो यह पारदर्शिता रूपी अस्त्र में तेज़ धार करने के तुल्य होगा !मेरा मानना है कि इससे महत्वपूर्ण भावी सरकार की छवि का बोध मतदाताओं को होता है क्योंकि इससे मतदाता की सोच का दायरा बढ़ता है उसे उम्मीदवार के साथ-साथ भावी सीएम, पीएम को भी देखना होता हैं।

हालांकि भावी मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री की घोषणा का दाव हर राजनीतिक पार्टी के लिए लाभकारी नहीं भी हो सकता है! परंतु स्वस्थ, पारदर्शिता और सफल चुनावी रणनीति का वर्तमान परिपेक्ष में यह हिस्सा हो गया है!!

साथियों इस पारदर्शी राजनीति का वर्तमान पांच राज्यों के चुनाव पर प्रभाव की हम विस्तृत चर्चा प्रत्येक राज्यवार इस तरह करेंगे।

साथियों सबसे पहले बात हम पंजाब चुनाव की करें तो, विधानसभा चुनावों को लेकर सभी पार्टियों द्वारा अपनी -अपनी रणनीतियां बनाईं थीं। एक पार्टी ने अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार का नाम बताने ऑनलाइन पोल लांच किया था। इस पोल के नतीजों का एलान किया गया। इस पोल में करीब 22 लाख वोट मिले ऐसा बताया गया, जिसमें वॉइस मैसेज और एसएमएस के जरिए अपनी पसंद बतानी थी। व्हाट्सऐप और कॉल के जरिए राय बताने की सुविधा दी गई थी।

उस पार्टी को उस उम्मीदवार व्यक्ति को मुख्यमंत्री घोषित करने के बाद 117 में से 92 सीटें प्राप्तहुई जो अप्रत्याशित जीत है जीवन में पहली बार उसकी उस राज्य में इतने भारी अंतराल से जीत दर्ज करवा कर सरकार बनी जो हम कह सकते हैं कि मतदाताओं ने पारदर्शी राजनीति पर मुहर लगाई तथा उम्मीदवारों के साथ उसके नेतृत्व चेहरे की घोषणा मतदाताओं को प्रभावित करने में सक्षम हुई।हालांकि दूसरी पार्टियों ने भी सीएम पद उम्मीदवार की घोषणा की थी इससे जनता को विकल्प कर लाभ मिला।

इस बार होली में रंग के साथ साथ आदर भी उड़ाए : आनंदश्री

इंसान भावनाओ का पुतला है। अगर भावनाएं निकाल दिया जाए तो वह मात्र मशीन रह जाएगा। याद रखे एक इंसान के पास 3500 से अधिक भावनाएं होती है।

होलिका का दहन और उसके दूसरे दिन रंग पंचमी का त्योहार आने को है। इस वर्ष कुछ ऐसा करें की रंगों के साथ साथ आदर का भी रंग उड़ेल दो।

इंसान को अपना बनाने के लिए उसे आदर दे। इंसान सिर्फ रोटी पर नही जीता है। उसे और भी कुछ चाहिए। जीने के लिए। उसमें से एक है आदर। आदर दो। आदर मिलेगा।

- लोगो को अपना बनाने का मंत्र है आदर

जंहा भी जाये, आदर और प्रेम से पेश आये। लोग कुछ कहेंगे। शायद वह आपको नही जानते फिर भी आदर से पेश आये। आपकी प्रेम की शक्ति लोगो को बदल देगी।

होली पवित्र त्योहार है। लोगो को अपने रंग में रंगने का त्योहार है। ब्लैक एंड व्हाइट से निकल कर ईस्टमैनकलर जिंदगी जीने का त्योहार है।

यह मंत्र - लोगो को आदर दे, आदर का रंग उड़ेल कर देखिये। कैसा महसूस होता है।

भ्रष्टाचारी सरकारी व्यवस्था पर लगाम लगाने के लिए भारतीय युवा कांग्रेस देशभर में कर रही है आरटीआई डिपार्टमेंट का गठन

सूचना का अधिकार कानून कांग्रेस सरकार ने लागू करके देश के आम नागरिकों को ताकत दी कि वह भ्रष्टाचारी व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने देश में पारदर्शिता पारदर्शिता युक्त शासन व्यवस्था, भ्रष्टाचार मुक्त समाज बेहतर भारत निर्माण में कारगर सिद्ध होगा। विश्व में स्वीडन कनाडा फ्रांस मेक्सिको के बाद भारत में सूचना अधिकार कानून लागू किया गया। 12 मई 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 संसद में पारित किया, जिसे 15 जून 2005 को राष्ट्रपति की अनुमति मिली और अन्तत: 12 अक्टूबर 2005 को यह कानून देश में लागू किया गया। भारतीय युवा कांग्रेस आरटीआई डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ अनिल कुमार मीणा ने बताया कि राहुल गांधी की सोच को आगे बढ़ाने के लिए युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास ने देश में प्रदेश, जिला, विधानसभा, ब्लाक स्तर एवं ग्रामीण स्तर पर आरटीआई डिपार्टमेंट की टीम गठित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। राइट टू इनफार्मेशन एक्ट देश के नागरिकों को सूचना पाने का अधिकार देता है भारत एक लोकतान्त्रिक देश है। लोकतंत्र में देश की जनता अपने चुने हुए प्रतिनिधि को शासन करने का अवसर प्रदान करती है। वह यह भी अपेक्षा रखती है कि सरकार पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का पालन करेगी। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में देश का नागरिक मताधिकार के माध्यम से अपनी सरकार चुनता है । जब अपने मताधिकार से सरकार को चुन सकता है तो उसे सरकार के द्वारा किए गए कार्यों को जानने का भी अधिकार है। कांग्रेस पार्टी ने सूचना अधिकार कानून के माध्यम से देश के नागरिकों को यह ताकत दी है कि उनके द्वारा बनाई गई सरकार के द्वारा किए गए सेवा कार्य क्या, कहां और कैसे कर रही है। यह कानून सरकार के कार्य और शासन प्रणाली को सार्वजनिक करता है। देश के लोग सरकार को चलाने के लिए टैक्स देता है, इसलिए भी नागरिकों को यह जानने का हक है कि उनका पैसा कहां खर्च किया जा रहा है। कांग्रेस सरकार द्वारा दिया गया सूचना का अधिकार कानून का मकसद नागरिकों को सशक्त बनाना, सरकार के कार्य में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना, भ्रष्टाचार को नियंत्रित करना एवं वास्तविक अर्थों में लोकतंत्र को लोगों के लिए कामयाब बनाना है। इस कानून के दायरे में सभी सरकारी विभाग संसद, विधानमंडल, सरकारी बैंक, पुलिस विभाग, सरकारी अस्पताल, सरकारी बीमा और फोन कंपनियां, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री कार्यालय , पब्लिक सेक्टर यूनिट, किसी भी प्रकार की सरकारी सहायता से चल रहीं गैर सरकारी संस्थाएं व शिक्षण संस्थाएं, चुनाव आयोग, आते हैं। सेक्शन 19(1) के तहत अगर आप की RTI का जवाब 30 दिनों में नहीं आया है तो आप फर्स्ट अपील अधिकारी को फर्स्ट अपील कर सूचना प्राप्त की जा सकती है। फर्स्ट अपील अधिकारी से यदि आपको सूचना नहीं मिलती है तो सेक्शन 19(3) के तहत 90 दिनों के अंदर सेकंड अपील अधिकारी से सूचना मिल जाती है। सेक्शन 6(3) के तहत आपकी एप्लिकेशन अगर गलत विभाग में चली जाती है तो इस सेक्शन के इस्तेमाल से वह विभाग आपकी एप्लिकेशन को सही विभाग में भेज देगा। सभी विभागों में सूचना अधिकार को मजबूत करने के लिए कांग्रेस सरकार के समय केंद्रीय सूचना आयोग ने 31 जनवरी 2006 को एक आदेश पारित किया जिसके तहत सभी विभाग में जन सूचना अधिकारी का पद दिया गया। कहीं पर कोई सुनवाई नहीं होती है तो सेक्शन 18 के तहत अपनी शिकायत इन सूचना अधिकारियों से करने का प्रावधान किया गया। देशभर में फैले भ्रष्टाचार के मकड़जाल का पर्दाफाश करने के लिए भारतीय युवा कांग्रेस आरटीआई डिपार्टमेंट टीम गठन के साथ-साथ लोगों में आरटीआई कानून के इस्तेमाल करने, लोगों को प्रेरित करने के लिए जगह-जगह जागरूकता अभियान चला रहा है।

गोल्डन बुक ऑफ अर्थ में शामिल हुई दुनिया की 2100+ प्रेरक महिलाएं

स्वर्ण भारत महिला सशक्तिकरण बोर्ड द्वारा पन्द्रह हज़ार विशिष्ट महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा

आईआईयू टीवी द्वारा संचालित कार्यक्रम में दुनिया भर की 15000+ से अधिक सुपर टैलेंटेड, सबसे प्रेरक महिलाओं को सम्मानित करने में हमें बहुत गर्व है। हमें महिलाओं या उनके नारीत्व का महिमामंडन करने के लिए किसी विशेष दिन की आवश्यकता नहीं है। वह अपने जीवन की नायक और अपने सपनों की नायिका है, हर दिन जीवन को एक अवसर के रूप में मनाती है! शुरुआत में हमने गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में 1001+ उल्लेखनीय महिलाओं को पुरस्कार देने के मिशन के साथ शुरुआत की। लेकिन, जैसे-जैसे हम अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते गए, हमें एक शानदार प्रतिक्रिया मिली और 15000+ से अधिक नाम दर्ज किए गए। हर नाम की अपनी एक अनूठी कहानी थी, अपने आप में एक प्रेरणा। हस्तक्षेप करने वाले हाथ के चुनिंदा आशीर्वाद से, *आईआईयू और एसबीपी ने सभी चयनित महिलाओं को 13 मार्च, 29 मई, 27 जुलाई और 21 नवंबर को 4 चरणों में सम्मानित करने का निर्णय लिया है। 13 मार्च के ऐतिहासिक दिन पर, 1001+ महिलाओं के स्थान पर 2100+ प्रेरित महिलाओं को सम्मानित एव पुरस्कृत किया गया* हम उन सभी के प्रति हार्दिक आभार और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने हम पर विश्वास किया और हमारी दृष्टि और मिशन पर भरोसा किया। एक महिला को सशक्त बनाएं और वह राष्ट्र को सशक्त बनाएगी *कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्टी डॉ रोशनी लाल जी ने ऑस्ट्रेलिया* से संबोधित करते हुए कहा कि सफल महिलाओं को अब संघर्षरत महिलाओं के जीवन मे बदलाव लाने हेतु अभियान चलाने की जरूरत है। *कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री के एल गंजु जी व संदीप मारवाह जी उपस्थित रहे

जिन्होंने महिला सशक्तिकरण हेतु स्वर्ण भारत परिवार व अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप विश्वविद्यालय की पहल को सराहा ।

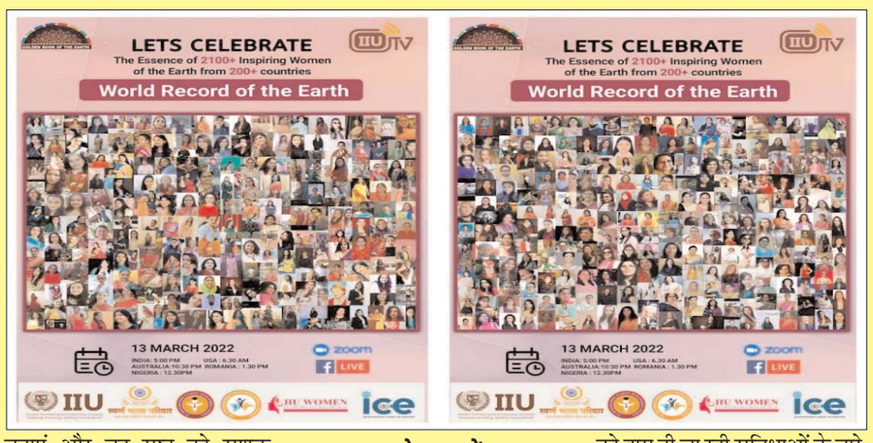

कार्यक्रम में अतिथि की भूमिका निभाते हुए

1. श्री के. एल. गंजू
2. डॉ संदीप मारवाह
3. नादिया हरिहरि
4. प्रतिभा मिश्रा
5. प्रोफेसर कैरोलिन मकाका
6. डॉ विजय कुमार साल्विया
7. श्री पुरुषोत्तम दास मित्तल

प्रमुख वक्ता के रूप में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता पर सार्थक चर्चा हुई जिसमे निम्नलिखित वक्ताओं ने भाग लिया

1. डॉ परिन सोमानी
2. प्रो. डॉ. बीरेन दवे
3. डॉ. नीरज वोहरा
4. श्री श्रुतिधारा आर्या
5. डॉ डेसज़ीरी रिचर्डसन
6. श्री संजीव सहगल
7. डॉ. श्याम सुंदर पाठक
8. कोलीबेली डी हार्वे
9. डॉ राजाराव पगिडिपल्ली

ने अपने विचार रखे

इस भव्य कार्यक्रम में *स्वर्ण भारत की तरफ से डॉ दीसी राजोत्या* ने स्वर्ण भारत परिवार द्वारा महिलाओं द्वारा संचालित कार्यक्रमों की चर्चा की *कंचन शर्मा ने दिव्यांग महिलाओं* को द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की मुख्य अतिथि के रूप में श्री के एल गंजु जी सहित विश्व भर की कई हस्तियों ने अपनी बात रखी *कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में*

1. ग्लोबल फाउंडेशन फॉर अर्ली चाइल्डहुड एंड रिसर्च
2. नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर फाउंडेशन टीचर्स
3. इंटरनेशनल र × डी क्रिएटिविटी
4. भारत माता अभिनन्दन संगठन
5. स्मार्ट लैब्स - रेडेफिनिंग रोबोटिक्स एजुकेशन

कार्यक्रम का संचालन (होस्ट)

1. डॉ शैली बिष्ट
2 डॉ मोनिका कपूर
3. डॉ माधवी बोरसे
4. एर्मिना ओप्रिकन
5. लौरा स्टेनसियु

आईआईयू मुख्य सदस्य

1. डॉ स्निग्धा कदम
2. डॉ प्राची गौर
3. डॉ नाडा रत्वोविच
4. डॉ मसुदा यास्मीन
5. डॉ दीप्ति राज्योत्या

आईटी मैनेजमेंट रिमार्केबल एडुकेशन ने किया । साथ ही डॉ मसुदा यास्मीन ने कार्यक्रम को बेहतर बनाते हुए दिखी ।

इस मौके पर स्वर्ण भारत व आईआईयू के मुखिया के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया , पीयूष पंडित सिर्फ एक नाम नहीं है। वह वह दृष्टि है जिसका कोई दूरदर्शी व्यक्ति कभी सपना नहीं देख सकता। वह प्रेरणा हैं जिनके जीवन की कीमत लाखों प्रेरणादायक कहानी है। एक व्यक्ति जो शासन करने के लिए पैदा हुआ था, लाखों लोगों के दिलों पर राज करता है। इंसान होने का सच्चा पर्यायवाची। नेतृत्व और परोपकार का एकदम सही मिश्रण। पवित्र जल के समान पवित्र नाम, सोने से भी अधिक शुद्ध हृदय वाला मनुष्य, और संकल्प शब्द से अधिक शक्तिशाली इच्छा शक्ति। उसका हमेशा विजेता बनना तय है।

वह प्रेरित करता है, वह प्यार करता है, वह परवाह करता है, वह समर्थन करता है और वह बस करता रहता है ... और उसकी कहानियां बहुत कुछ बोलती हैं! *डॉ स्निग्धा कदम* ने सभी को आभार जताते हुए कार्यक्रम की सफलता का श्रेय पूरी टीम को दिया धन्यवाद प्रस्ताव मानव संसाधन विभाग के माध्यम से दिया गया साथ ही सभी महिलाओं के उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

हो जाए कुछ नया !

लेकर ताजपोशी को ।
हुई सियासत तेज ।।
हो जाए कुछ नया ।
उत्साह से लबरेज़ ।।
खींचतान चल रही ।
बदलो अब कमान ।।
ना करना खिलवाड़ ।
अपना भी सम्मान ।।
करना कुछ अलग ।
करो नया अब पेश ।।
मान-मनौव्वल चल रहा ।
बड़ी हो रही रेस ।।
इंतज़ार की इंतेहा ।
आने लगे बयान ।।
लग गई है होड़ ।
बनने को महान ।।

कृष्णेन्द्र राय

शार्ट न्यूज

हार के लिए ईवीएम को दोषी ठहराना ठीक नहीं

सहारनपुर। लोक सभा सांसद और आल इंडिया डेमोक्रेटिक फ्रंट के अध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने मंगलवार को देवबंद में कहा कि विपक्षी दलों द्वारा चार राज्यों में हुई हार के लिए ईवीएम को दोषी ठहराना उचित नहीं है। दारूल उलूम देवबंद की प्रबंध समिति के सदस्य मौलाना अजमल ने कहा कि मतदाताओं ने भाजपा को जिताया है और विपक्षी दलों को हराया है। विपक्षी दलों को अपनी हार पर चिंतन करना चाहिए। इस हार के लिए ईवीएम को दोषी ठहराना ठीक नहीं है। असम में विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता मौलाना अजमल दारूल उलूम देवबंद की प्रबंध समिति की बैठक में भाग लेने के लिए देवबंद आए थे। उन्होंने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस का इन चार राज्यों में बेहद कमजोर प्रदर्शन रहा है। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए कहा कि कांग्रेस 80 लोकसभा सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मात्र दो सीट पर सिमट गई है। उन्होंने कहा कि इससे संकेत मिलते हैं कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के क्या नतीजे होंगे। विपक्षी दलों की एकता के सवाल पर मौलाना बदरूद्दीन अजमल ने कहा कि विपक्षी एकता होगी या नहीं यह भविष्य के गर्भ में छुपा है।

15 लाख रुपये की हेरोइन के साथ दो नशा तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में थाना कोतवाली देहात पुलिस ने मंगलवार को नशीले पदार्थों के दो तस्करों से हेरोइन बरामद की है, जिसकी कीमत 15 लाख रुपये बतायी जा रही है। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे मल्हीपुर रोड पर चैकिंग के दौरान मुजफ्फरनगर जिले के गोपालधाम स्थित शुक्रताल निवासी कुलदीप कुमार पुत्र राजेंद्र सिंह और जितेंद्र पुत्र महिपाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह की अगुवाई में पुलिस दल वाहनों की चैकिंग कर रही थी तभी एक बाइक पर सवार यह दोनों युवक पुलिस की पकड़ में आ गए। उनके पास से पुलिस ने हेरोइन बरामद कर दोनों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

मेरठ में चला बुल्डोजर, कुख्यात बद्दो का अवैध निर्माण जमींदोज

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में मंगलवार को पुलिस प्रशासन ने दिल्ली रोड स्थित जगन्नाथपुरी में कुख्यात अपराधी बदन सिंह उर्फ बद्दो के ठिकानों पर कब्जाई गई सरकारी जमीन पर किये गये निर्माण को जमींदोज कर दिया। पुलिस ने यहां बताया कि कुख्यात बद्दो ने जगन्नाथपुरी के पार्क पर अवैध रूप से कब्जाई गई जमीन पर बनी फैक्टरी में दो स्थायी निर्माण सहित अस्थाई निर्माण कर लिये थे। मेरठ विकास प्राधिकरण ने भारी पुलिस फोर्स के साथ चलाये गये अभियान में इस सरकारी जमीन को कब्ज़ा मुक्त करा दिया। प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता अरुण शर्मा ने बताया की प्राधिकरण के रिकॉर्ड में रेनू गुप्ता के नाम से ये निर्माण दर्ज है, जबकि कब्ज़ा बदन सिंह बद्दो ने किया था। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा बनाया गया 1500 मीटर में पार्क है जिस पर अवैध कब्ज़ा किया हुआ था। उल्लेखनीय है कि बद्दो, गत 28 मार्च 2019 को दिल्ली रोड स्थित मुकुट महल होटल से पुलिस हिरासत से फरार हो गया था। पुलिस महानिदेशक द्वारा बद्दो पर पहले से ही दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है, जो बढ़ा कर बाद में ढाई लाख कर दिया गया था। काफी प्रयास के बावजूद पुलिस अब तक उसका पता नहीं लगा सकी है। बद्दो की जगन्नाथपुरी स्थित करोड़ों रुपये कीमत वाली एक कोठी को 21 जनवरी 2021 को पहले ही ध्वस्त किया जा चुका है।

अवैध रूप से ले जायी जा रही सागौन की लकड़ी बरामद

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में पुलिस ने मंगलवार को अवैध रूप से ले जायी जा रही सागौन की लकड़ी बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत 06 लाख रुपये बतायी गयी है। प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक की ओर से जारी बयान के अनुसार पुलिस ने थाना हथिगवां में दो वाहनों पर लाद कर ले जायी रही सागौन की लकड़ी बरामद की गयी है। प्रतिबंधित वस्तुओं की अवैध आवाजाही को रोकने के लिये पुलिस द्वारा शुरु किये गये धरपकड़ अभियान के तहत यह बरामदगी हुयी है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर थानाक्षेत्र हथिगवां में खिदिरपुर बैरियर के पास से चैकिंग के दौरान दो वाहनों से लगभग 06 लाख रुपये की लकड़ी बरामद की गयी। उक्त बरामदी के सम्बन्ध में पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है।

आगरा के एसएन मेडिकल कालेज में आग लगी, कोई हताहत नहीं

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को आग लग गई। पुलिस के अनुसार आग लगने की घटना, दोपहर बाद कॉलेज के शल्य चिकित्सा विभाग की आठ मंजिला इमारत में हुयी। आग लगने के बाद कॉलेज परिसर में भगदड़ मचने के कारण अफरा-तफरी का माहौल हो गया। वार्ड में भर्ती मरीजों को उनके तीमारदार लेकर भाग खड़े हुए। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरु कर दिया। इस बीच पुलिसकर्मियों ने भी घटनास्थल पर पहुंच कर इमारत में फंसे मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरु कर दिया है। गौरतलब है कि एसएन मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम हाउस के पास ही शल्य चिकित्सा विभाग की आठ मंजिला इमारत है। इमारत में पांचवीं मंजिल पर बिजली का शार्ट सर्किट होने के कारण आग लग गई। इसके बाद भूतल में भी बिजली के तारों में शार्ट सर्किट हुआ और वहां भी आग लग गई। इमारत में एक साथ दो जगह आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर भर्ती मरीजों के परिजन घबरा गये और भगदड़ मच गई। मरीज और तीमारदार इमारत से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। आग लगने की सूचना मिलने पर आगरा के जिलाधिकारी प्रभु एन सिंह व अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गये। घटना के बाद इमारत को खाली करा लिया गया है।

गोरखपुर में सरयू में पांच डूबे, दो की मौत

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर जिले के बेलघाट थाना क्षेत्र में सोमवार को सरयू नदी में पांच युवक डूब गए जिसमें दो की डूबकर मृत्यु हो गयी जबकि तीन को बचा लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बेलघाट क्षेत्र के शंकरपुर के झंझवा टोला निवासी सुंद्रेश उर्फ कार्तिकेय (20), रिशु उर्फ गौरव दुबे (18), शिब्बू दुबे, रानू और आदर्श आज एक मंदिर में दर्शन करने गये हुए थे। दर्शन से पहले वे सरयू नदी में स्नान करने गये और गहरे पानी में चले जाने से डूब गये। उन्होने बताया कि इस हादसे में सुंद्रेश उर्फ कार्तिकेय और रिशु उर्फ गौरव दुबे की डूबकर कर मृत्यु हो गयी जबकि अन्य तीन को गोताखोरों की मदद से बचा लिया गया।

रीतेश के स्थान पर गिरीश होंगे लोकसभा में बसपा के नेता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने लोकसभा में पार्टी के नेता पद पर एक बार फिर बदलाव करते हुए रीतेश पांडेय के स्थान पर गिरीश चंद्र जाटव को नेता बनाया है। बसपा अध्यक्ष ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस आशय का पत्र भेजकर पार्टी के नेता पद पर बदलाव किये जाने की जानकारी दे दी है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान रीतेश के पिता और पूर्व सांसद राकेश पांडेय बसपा छोड़ कर समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हो गये थे। जाटव फिलहाल बसपा के लोकसभा में चीफ व्हिप थे, जबकि राम शिरोमणि वर्मा सदन में बसपा के उपनेता थे। इस बदलाव के बाद बसपा सुप्रीमो ने सीमा आजाद को लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया है।

राधारानी की नगरी वृन्दावन में बंगाल की विधवाओं ने खेली अनूठी होली

मथुरा। उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक नगरी वृंदावन के गोपीनाथ मंदिर में मंगलवार को सदियों पुरानी रूढ़िवादी परंपरा से अलग हटकर बड़ी संख्या में बंगाल की विधवाओं ने अनूठे अंदाज में रंगो के त्योहार होली को मनाया।

कोरोना संकट के कारण कुछ वर्षों के विराम के बाद, विधवाएं इस बार वृंदावन के प्रसिद्ध मंदिर में आज सुबह पूरे उल्लास के साथ होली मनाने के लिए एकत्रित हुईं। विधवाओं द्वारा होली न खेलने की सदियों पुरानी परंपरा की बंदिशों को तोड़ने के लिए सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक डॉ. बिंदेश्वर पाठक ने 2013 से वृंदावन की विधवाओं को होली मनाने के लिए प्रेरित किया था। हाल के वर्षों में वृंदावन का होली समारोह उन हजारों विधवाओं के लिए यादगार अवसर बन गया है जो असामान्य जीवन जीने को मजबूर थीं। इन विधवाओं के जीवन में बदलाव तब आया जब सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया और सुलभ इंटरनेशनल से विधवाओं की देखभाल करने का आग्रह किया।

मंगलवार को सुबह से ही विभिन्न आश्रय गृहों में रहने वाली विधवाएं बड़ी संख्या में गोपीनाथ मंदिर में एकत्रित होने लगीं और विभिन्न फूलों की पंखुड़ियां तैयार कीं। गायन, वादन

और नृत्य की त्रिवेणी के बीच जब विधवाओं की होली शुरू हुई तो उनके मायूस चेहरों पर सदियों से ठिठकी मुस्कान और जोश वापस लौटे। केवल सफेद साड़ी पहनकर नीरस जीवन बिताने वाली विधवाएं कुछ क्षण के लिए अपने बीते जीवन को भूल गईं और ब्रज का मशहूर रसिया गायन की स्वर लहरियों पर थिरकते हुए एक दूसरे को गुलाल लगाने लगी और फूलों की पंखुड़ियों से भी होली खेलने लगी। वास्तव में फूलों की पंखुड़ियों से पहले श्यामाश्याम की होली मन्दिर के गर्भगृह में हुई तथा बाद में प्रसादस्वरूप फूलों की पंखुड़ियों से विधवाओं ने होली खेली तथा आपस में मिठाई भी बांटी। इस अवसर पर मौजूद डा पाठक ने एक बयान में कहा, ''होली में विधवाओं की भागीदारी, रूढ़िवादी परंपरा पर विराम का प्रतीक है जो एक विधवा को रंगीन साड़ी पहनने से भी मना कर रही थी। इस अवसर पर विधवाओं का जोश देखते ही बनता था। इस मौके पर 85 वर्षीय मानु घोष का कहना था कि उसने सपने में भी नही सोचा था कि वह राधारानी की सहचरी बनकर मंदिर में श्यामसुन्दर से होली खेलेगी। वहीं 68 वर्षीय गौरवाणी दासी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उसे आज अपने जीवन के पुराने दिन याद आ गए हैं। इससे इतर 66 साल की छबी मांख, 65 वर्षीय विमला दासी, 67 वर्षीय रतनिया दासी एवं 66 वर्षीय छाया रंगारंग होली के इस आयोजन में शरीक होकर इतनी भावुक हो गईं कि उनका गला खुशी में रूंध गया और उन्होंने इशारों में ही अपनी खुशी का इजहार किया।

उपेक्षितों के लिये बसपा के संघर्ष में डटे रहना ही कांशीराम को श्रद्धांजलि : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने पार्टी के संस्थापक कांशीराम के जन्मदिन पर उन्हें नमन करते हुए कहा है कि उपेक्षित वर्गों के लोगों को लाचारी के दौर से बाहर निकालने के पार्टी के संघर्ष में डटकर साथ देना ही पार्टी संस्थापक को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मायावती ने मंगलवार को कांशीराम के जन्मदिन पर यहां आयोजित सभा में श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश में करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों एवं अन्य उपेक्षितों को लाचारी और मजलूमी की जिन्दगी से निकाल

कर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने के बसपा के संघर्ष में दृढ़ संकल्प के साथ लगातार डटे रहना ही मान्यवर कांशीराम को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के मानवतावादी आंदोलन को जीवन्त बनाने के लिए आजीवन कड़ा संघर्ष किया।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि मान्यवर कांशीराम के संघर्ष के बल पर ही सत्ता में उपेक्षित वर्गों को भागीदारी दिलाने में सफलता मिली और देश की राजनीति को नया आयाम दिया गया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अम्बेडकर के मिशनरी
कारवां के प्रति तन, मन की लगन तथा धनासेठों के धनबल की जकड़ के बजाय अपने खून-पसीने से अर्जित धन के बल पर डटे रहना कोई मामूली बात नहीं है। मायावती ने इस सफलता को कांशीराम के संघर्ष की देन बताते हुए कहा कि इसके बल पर ही बसपा ने उत्तर प्रदेश में कई ऐतिहासिक सफलतायें अर्जित की हैं।

मायावती ने कहा, आगे भी हमें हर हाल में अपने उसूलों के साथ संघर्ष में लगातार डटे रहना है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सहित देश भर में उन सभी लोगों का तहेदिल से आभार प्रकट किया जो विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने मिशन में मुस्तैदी से लगे हुए हैं।

डाक मतपत्र से सपा को मिला जनसमर्थन चुनाव का सच बयान कर रहा है : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद ईवीएम पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा है कि जिस प्रकार डाक मतपत्र से उनकी पार्टी को वोट मिले हैं, उससे सपा गठबंधन की जीत का सच सामने आ गया है। अखिलेश ने मंगलवार को दलील दी कि डाक मतपत्र से सपा गठबंधन को 51.5 प्रतिशत वोट मिले हैं। इस हिसाब से सपा गठबंधन को 304 सीट मिलने का सच भी होता है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, पोस्टल बैलेट में सपा-गठबंधन को मिले 51.5 प्रतिशत वोट व उनके हिसाब से 304 सीटों पर हुई सपा-गठबंधन की जीत चुनाव का सच बयान कर रही है। अखिलेश ने डाक मतपत्र के माध्यम से सपा का समर्थन करने वाले सरकारी कर्मचारियों का आभार भी जताया। उन्होंने ईवीएम की सच्चाई पर परोक्ष रूप से सवाल उठाते हुए कहा, पोस्टल बैलेट डालने वाले हर उस सच्चे सरकारीकर्मी, शिक्षक और मतदाता का धन्यवाद, जिसने पूरी ईमानदारी से हमें वोट दिया। सत्ताधारी याद रखें, छल से बल नहीं मिलता। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा के हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में भाजपा को 255 और सपा को 111 सीटें मिलीं। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा लगातार दूसरी बार सरकार बनाने जा रही है।

दरोगा ने इंस्पेक्टर को फोन पर दी जान से मारने की धमकी

बुलंदशहर। मेरठ में तैनात दरोगा ने अपराध शाखा में तैनात इंस्पेक्टर राजीव कुमार सक्सेना को फोन पर अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इंस्पेक्टर राजीव कुमार के अनुसार वर्ष 2021 में जहांगीराबाद में तैनाती के दौरान एक मुकदमा दर्ज कराने पर उन्हें धमकी दी जा रही है। नगर पुलिस ने एसएसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर कोतवाली में निरीक्षक राजीव कुमार सक्सैना ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि वह 12 मार्च 2022 को अपराध शाखा कार्यालय में कार्य कर रहे थे। उसी दौरान उसके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉलकर्ता ने अपना नाम केपी सिंह दरोगा बताते हुए अभद्रता शुरू कर दी। आरोप है कि दरोगा केपी सिंह ने इंस्पेक्टर पर उल्टे-सीधे काम करने का आरोप लगाया और कहा कि वर्ष 2021 में उसकी पत्नी गांव खालौर से प्रधानी का चुनाव लड़ रही थी। उस दौरान उसके खिलाफ बेवजह शराब का मुकदमा दर्ज करा दिया था। इसके बाद दरोगा द्वारा निरीक्षक को जान से मारने की धमकी भी दी गई। नगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

काउंटिंग से पहले गाड़ियों की तलाशी लेना सपा कार्यकर्ताओं को पड़ा भारी, पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की

बस्ती। यूपी विधानसभा चुनाव की मतगणना से एक दिन पहले बस्ती जिले में सपा कार्यकर्ताओं को ईवीएम की तलाश में गाड़ियां चेक करना महंगा पड़ गया है। स्थानीय पुलिस ने इन सभी सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ 7 मुकदमा दर्ज किए हैं। इसके साथ ही पुलिस ने अब सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई भी शुरू कर दी है। बता दें कि सपा नेताओं को ईवीएम मशीन बदले जाने का शक था जिसके चलते 9 मार्च को बस्ती में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मंडी समिति पर जमे

हुए। वे बिना गाड़ी चेक किए मतगणना स्थल तक किसी को जाने नहीं दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने चुनाव प्रेक्षक, एसडीएम समेत कई गाड़ियों को बिना चेक किए मंडी में प्रवेश नहीं दे रहे थे। बस्ती के एसपी आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि 9 तारीख को मतगणना स्थल पर जो भी सरकारी गाड़ियां जा रही थी उसमें रिटर्निंग ऑफिसर थे उन गाड़ियों को अनैतिक रूप से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता द्वारा चेक किया जा रहा था। इसे लेकर 7 शिकायत दर्ज की गई है।

सपा कार्यकर्ताओं के घर में रात में छापेमारी

बस्ती सदर से सपा विधायक महेंद्र यादव ने कहा कि पुलिस सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं के घर पर रात में छापे मार रही है। महिलाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की गाइडलाइन्स के अनुसार कोई भी गाड़ी स्ट्रॉंग रूम के 100 मीटर की परिधि के अंदर नहीं जा सकती है। इसलिए सपा के नेता और कार्यकर्ताओं ने स्ट्रांग रूम तक जाने वाली गाड़ियों को चेक करने का अनुरोध किया था, ताकि मतगणना में पारदर्शिता रहे।

गुस्सा और शक में सिपाही ने बर्बाद कर लिया परिवार, पत्नी की हत्या कर पहुंचा थाने

एजेंसी

अलीगढ़। क्वार्सी थाना क्षेत्र के किशनपुर इलाके में सोमवार रात पीएसी कर्मी ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद ही थाने पहुंच गया। इधर, सूचना पर पहुंचे मृतका के पिता ने थाना क्वार्सी पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव मायके वालों को सौंप पुलिस ने आरोपी पति को जेल भेज दिया।

क्वार्सी पुलिस के मुताबिक रामवीर सिंह निवासी अहरोला, खैर ने अपनी बेटी चंचल (28) की शादी दस साल पहले गजेंद्र निवासी मालव, टप्पल के साथ की थी। वर्तमान में गजेंद्र लखनऊ में पीएसी में कांस्टेबल पद पर तैनात है। चंचल अपने पति के साथ लखनऊ में ही रहना चाहती थी। इसको लेकर उसका पति से विवाद चल रहा था। वहीं, गजेंद्र को अवैध संबंधों का भी शक था। गजेंद्र चार दिन पहले होली की छुट्टियों पर घर आया था। पत्नी की जिद पर उसने 11 मार्च को ही किशनपुर में किराए का मकान लिया और वहां तीन बच्चों व पति को शिफ्ट कर उनके साथ रहने लगा।

सोमवार रात को दंपति के बीच विवाद हुआ। गुस्साए पीएसी कर्मी गजेंद्र ने चंचल की गला दबाकर हत्या कर दी और खुद ही थाने पहुंच गया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। किशनपुर स्थित किराए के मकान में पहुंच पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। मृतका के मायके वालों को सूचना दी गई। पिता रामवीर सिंह की तहरीर गजेंद्र सिंह के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। वहीं, शव पोस्टमार्टम के बाद मायके वालों को सौंप दिया है।

गुस्से ने बर्बाद कर दिया परिवार, तीन मासूमों का क्या होगा

चंचल तीन बच्चों का मां थी। बड़ी बेटी नव्या (8), मिति (6) और बेटा प्रतीक तीन वर्ष का है। वारदात के समय बच्चे सोए हुए थे। दंपति के बीच विवाद हुआ तो बड़ी बेटी की आंख खुल गई।

मगर, वह मां-पिता के बीच हुए विवाद को देख सहम गई। जब गजेंद्र ने चंचल को गला दबाकर मार दिया और घर से सीधे थाने पहुंच गया तो बेटी मां को बार-बार हिलाकर उठाने की कोशिश करने लगी।

मगर, उस मासूम को क्या पता था कि मां हमेशा के लिए सो गई। तीनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल वह अपने नाना के साथ चले गए हैं। इधर, गजेंद्र जेल चला गया। गजेंद्र के बड़े भाई कोचिंग संचालक हैं। वह भी घटना की जानकारी होने के बाद बदहवास हो गए। सूचना पर पहुंचे परिचितों के मन में रह रहकर एक ही सवाल आया कि आखिर इन बच्चों का क्या होगा। हर किसी की जुबां पर एक ही बात थी कि आखिरी इतना गुस्सा क्यों आया। पूरा परिवार बर्बाद हो गया।

चार दिन पहले ही लिया था किराए का मकान

किशनपुर में गजेंद्र ने चार दिन पहले ही किराए का मकान लिया था। इस घटना के बाद मकान मालिक सहित आस-पड़ोस के लोग सहम गए। मृतका चंचल के पिता रामवीर सिंह ने बताया कि दंपति के बीच पहले भी विवाद होता रहता था। चंचल पति के साथ लखनऊ में रहना चाहती थी। गजेंद्र के पास लखनऊ में रहने की उचित व्यवस्था नहीं थी। इस विवाद में एक बार बेटी ने एसएसपी को शिकायती पत्र भी दिया था। इसके बाद इन दोनों का मामला परिवार परामर्श केंद्र में भी चला था। वहां से दोनों की काउंसलिंग की गई। इसके बाद उनका सुलह समझौता हुआ था। सीओ श्वेताभ पांडेय के अनुसार अवैध संबंधों के शक में गजेंद्र ने पत्नी की हत्या की। वह पीएसी, लखनऊ में तैनात था। मृतका के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। शव मायके वालों को सौंप दिया है।

आफिस में ही छलका जाम, वीडियो वायरल होने पर ग्राम विकास अधिकारी निलम्बित

एजेंसी

बलिया। बलिया में सीयर विकास खण्ड के एक ग्राम विकास अधिकारी को दफ्तर में ही कुछ साथियों के साथ शराब पीना महंगा पड़ गया है। जाम छलकाते ग्राम विकास अधिकारी का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होते ही खलबली मच गई। अधिकारियों ने ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर जांच शुरू कर दी है।

जिला पंचायत राज अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को संज्ञान में आए सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सीयर विकास खण्ड के ग्राम विकास अधिकारी प्रमोद कुमार मंजुल ब्लॉक परिसर स्थित अपने कार्यालय में कुछ लोगों के साथ शराब पीते दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस मामले में मंजुल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और जांच के आदेश दिए गए हैं। श्रीवास्तव ने बताया कि अपर जिला पंचायत राज अधिकारी को जांच अधिकारी नियुक्त कर 15 दिन में रिपोर्ट देने को कहा गया है।

सोशल मीडिया और एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें सीयर ब्लाक के ग्राम पंचायत अधिकारी प्रमोद कुमार मंजूल के साथ दो तीन लोग ब्लाक परिसर स्थित कार्यालय में शराब के पैक के साथ नजर आ रहे है। पहचानने वाले लोगों की मानें तो उनके साथ चीयर्स करने वाले ग्राम प्रधान और पूर्व प्रधान हैं।

इसी बीच जजौली नंबर 2 की महिला ग्राम प्रधान मालती सिंह ने ग्राम विकास अधिकारी पर धन उगाही व ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में लोगों व खुद के साथ अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है। डीएम को लिखे शिकायत पत्र में ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत अधिकारी पंचायत भवन का बगैर निर्माण कराए 5 लाख से अधिक का गलत तरीके से मई सन् 2021 में ही आहरण कर लिया है।

यहां तक कि बार-बार पंचायत भवन का निर्माण कार्य कराए जाने के लिए कहा गया तो बताया गया पंचायत भवन का निर्माण प्रधान द्वारा कराया जाए। इस पर प्रधान द्वारा पंचायत भवन का निर्माण नींव खुदवाकर बीम बनवाने तक कराया गया है।

स्याना हिंसा : गोकशी को लेकर हुआ था बवाल, पुलिस चौकी समेत फूंके थे गई वाहन, 36 आरोपियों पर चलेगा राष्ट्रद्रोह का मुकदमा

बुलंदशहर। स्याना हिंसा के मामले में जिला पंचायत सदस्य एवं बजरंग दल नेता योगेश राज समेत 36 आरोपियों पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा भी चलेगा। अभियोजन पक्ष की याचिका पर अपर सत्र न्यायाधीश विनीता सिंघल ने राष्ट्रद्रोह के आरोप में अभियोग चलाने का आदेश दिया है। इनमें से पांच आरोपियों पर इंस्पेक्टर सुबोध कुमार की हत्या का भी मामला विचाराधीन है।

यह था मामला

3 दिसंबर 2018 को स्याना क्षेत्र के गांव महाव के जंगल में गोकशी की घटना के बाद लोगों का आक्रोश फूट गया था। गुस्साएं लोगों ने जाम लगाकर जमकर हंगामा किया। पुलिस से भिड़ंत के दौरान स्याना कोतवाल सुबोध कुमार सिंह और गांव चिंगरावठी का युवक सुमित की गोली लगने से मौत हो गई। स्याना कोतवाली में 27 नामजद और 50-60 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या, हिंसा समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

44 के खिलाफ दाखिल की गई चार्जशीट

स्याना हिंसा के मामले में एसआईटी जांच के बाद पुलिस द्वारा केस में दर्ज एफआईआर में 27 नामजदों और 60 अज्ञात आरोपियों में से कई हिंदूवादी नेताओं समेत 44 आरोपियों को जेल भेजा गया। गोकशी के मामले में 11 आरोपियों को पकड़कर जेल भेजा

गया। पुलिस द्वारा 44 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई, जिनमें प्रशांत नट समेत पांच आरोपियों पर स्याना कोतवाल की हत्या करने की धारा लगाई गई हैं। वहीं गोकशी के सभी 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई। जेल से जमानत पर रिहा हुए तीन आरोपियों की मौत हो चुकी है। दो आरोपियों का मामला पॉक्सो न्यायालय एवं किशोर न्यायालय में विचाराधीन है।

राष्ट्रद्रोह का भी चलेगा केस

स्याना पुलिस द्वारा सभी आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज करते हुए शासन से अनुमति मांगी गई थी। शासन से राष्ट्रद्रोह की अनुमति मिल गई, किंतु न्यायालय के समक्ष याचिका दायर नहीं हो सकी थी। बीते दिनों विशेष लोक अभियोजक यशपाल सिंह राघव द्वारा अपर सत्र न्यायाधीश विनीता सिंघल के समक्ष याचिका दायर कर स्याना हिंसा के आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रद्रोह में भी मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी गई। मंगलवार को न्यायाधीश विनीता सिंघल द्वारा 36 आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाने की अनुमति प्रदान कर दी।

इन आरोपियों पर लगाई गई धारा-124ए

प्रशांत नट, राहुल, डेविड, लोकेंद्र, जोनी, योगेशराज, चमन, देवेंद्र, आशीष चौहान, चंद्रपाल सिंह उर्फ चंदर, कुलदीप, रोहित, जितेंद्र उर्फ लाला गुर्जर, सोनू, जितेंद्र उर्फ जीतू उर्फ फौजी, नितिन, मोहित, रमेश जोगी, विशाल त्यागी, हेमू उर्फ हेमराज, अंकुर, अमित उर्फ अंटी, आशीष कुमार पुत्र अशोक कुमार, हरेंद्र, टिंकू उर्फ भूपेश, गुड्डू उर्फ मुकेश, सचिन उर्फ कोबरा, सतेंद्र राजपूत, सतीश, विनीत, राजीव कुमार उर्फ कलवा, सचिन पुत्र वीरेंद्र सिंह, पवन कुमार, शिखर अग्रवाल उर्फ शेखर अग्रवाल, उपेंद्र राघव एवं सौरभ।

विशेष लोक अभियोजक (इंस्पेक्टर हत्याकांड स्याना) यशपाल सिंह राघव ने बताया, न्यायालय ने माना है कि 36 आरोपियों द्वारा भीड़ के साथ मिलकर कानून व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ी, अराजकता फैलाई और हिंसा को प्रोत्साहित किया, जो धारा-124ए के अंतर्गत अपराध है।

न्यायालय के आदेश के बाद 36 आरोपियों पर धारा-124ए के तहत मुकदमा चलेगा।

शार्ट न्यूज

स्टालिन का सैमसंग से तमिलनाडु में सेमीकंडक्टर उत्पादन प्लांट लगाने का आग्रह

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स कंपनी लिमिटेड से राज्य में एक सेमीकंडक्टर उत्पादन प्लांट लगाने का आग्रह किया है। श्री स्टालिन की मौजूदगी में इलेक्ट्रोनिक विनिर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सैमसंग के राज्य सरकार के साथ श्रीपेरुमबुदुर के पास एक नया कंप्रेशर उत्पादन प्लांट लगाने को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। जिसके उपरांत उन्होंने कंपनी को विश्वास दिलाया कि सेमीकंडक्टर उत्पादन प्लांट को लगाने के लिए सरकार की ओर से लगने वाली पूरी मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सैमसंग से अन्य निर्माताओं को भी तमिलनाडु में उत्पादन प्लांट स्थापित करने के लिए राज्य में लाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, 'हमने तमिलनाडु को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। इसे पाने के लिए, मैं सैमसंग से विनिर्माण में विविधता लाने और राज्य में इसकी क्षमता को बढ़ाने की अपील करता हूं।'

बोल्ट दिल्ली कैपिटल्स का 'प्रिंसिपल स्पॉन्सर' बना

बेंगलुरु। इलेक्ट्रिक वाहन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदाता बोल्ट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें संस्करण में दिल्ली कैपिटल्स का प्रिंसिपल स्पॉन्सर बनने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि 'ईवी चार्जिंग पार्टनर' की उपाधि के साथ इस साझेदारी के तहत दिल्ली कैपिटल्स की ऑफिशियल जर्सी की मुख्य कलाई पर बोल्ट ब्रांड का लोगो लगेगा। इस साझेदारी द्वारा, बोल्ट का उद्देश्य 'इलेक्ट्रिसिटी इज़ द न्यू फ्यूल' के संदेश का प्रसार करना है। बोल्ट-दिल्ली कैपिटल्स की साझेदारी का उद्देश्य हवा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा प्रदूषण कम करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। बोल्ट भारत का सबसे बड़ा ईवी चार्जिंग नेटवर्क है, जिसमें यूनिवर्सल बोल्ट चार्जिंग प्वाईंट और बोल्ट ऑपरेटिंग सिस्टम शामिल है। एक मजबूत ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने के उद्देश्य से विकसित, यह आईओटी-इनेबल्ड ईवी चार्जिंग प्वाईंट्स का भारत का पहला समर्पित नेटवर्क है, जो पूरे देश के राईडर्स को कनेक्ट करता है। मेड-इन-इंडिया, बोल्ट एक यूनिवर्सल चार्जिंग प्वाईंट है, जो किसी भी पोर्टेबल चार्जर के साथ कंपैटिबल है और यह इलेक्ट्रिक वाहन के साथ मिलता है तथा हर जगह मौजूद एसी पॉवर सप्लाई के साथ काम करता है। केवल इलेक्ट्रिक वाहन मालिक ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति बोल्ट को खरीदकर अपनी शॉप, गैराज, आरडब्लूए, कमर्शियल पार्किंग स्थलों आदि पर इंस्टॉल कर सकता है, और राईडर्स के लिए हर जगह इसका इस्तेमाल कर एवं एक चार्जिंग नेटवर्क स्थापित कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकता है। बोल्ट के इंस्टालेशन के लिए किसी अतिरिक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं और यह बहुत कम या बिना मेंटेनेंस के 30 मिनट के अंदर किया जा सकता है। इसकी चार्जिंग यूनिटें एक एनर्जी कैलकुलेटर के साथ आती हैं, जो पॉवर कंज़ंप्शन पर नजर रख खरीददार को पूरक आय प्रदान करती हैं।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस का एएमयू 50 हजार करोड़ रुपये के पार

नयी दिल्ली। आवास ऋण प्रदान करने वाली कंपनी बजाज हाउसिंग फाइनेंस का संपदा प्रबंधन (एएमयू) 50,000 करोड़ रुपये के पार पहुँच गया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि मार्च 2018 में एक स्वतंत्र इकाई के रूप में काम करना शुरू किया था, और सिर्फ चार सालों के कारोबार के दौरान ही कंपनी ने यह उपलब्धि हासिल की। कारोबार के पहले साल, यानी वित्त-वर्ष 2019 में उसने पहली उपलब्धि हासिल करते हुए अपने एएमयू को 10,000 करोड़ रुपये तक पहुँचाने में सफलता प्राप्त की। अगले ही साल, कंपनी का एएमयू 25,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया, जो वित्त-वर्ष 2020 के अंत तक 32,705 करोड़ रुपये हो गया। वित्त-वर्ष 2021 में कंपनी ने 38,871 करोड़ रुपये का एएमयू दर्ज किया। उसी साल, कंपनी ने रेपो रेट से जुड़े होम लोन के रूप में एक नई पहल की शुरुआत की - और इस तरह यह ग्राहकों को अपने होम लोन को रेपो रेट से लिंक करने का विकल्प देने वाली पहली हाउसिंग फाइनैंस कंपनी बन गई।

शक्कर मजबूत, खाद्य तेल में नरमी, दलहनो में घटबढ़, दाल- चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी बताई गई इससे भाव मजबूती लिए रहे। खाद्य तेलों में नरमी दर्ज की गई। आज मूंगफली तेल सस्ता बिका। दलहनो में घटबढ़ हुई। मसूर ऊंचा तथा चना सस्ता बिका। दाल-चावल में ग्राहकी सामान्यवत बताई गई। शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3520 से 3560 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 12 गाड़ी आवक हुई। नारियल में लिवाली से भाव मजबूत बताए गए। नारियल में 5 गाड़ी की आवक हुई। साबूदाना दिसावर के समर्थन में ऊंचा रहा। खाद्य तेल में गिरावट दर्ज की गई। आज मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहन में सोयाबीन में प्लान्टो की लिवाली रही। सरसों ऊंची बिकी। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में आज दलहन घटबढ़ लिए रहे। आज मसूर ऊंचा तथा चना कांटा सस्ता बिका। दालों में लिवाली से भाव बने रहे। चावल में खरीदी से स्थिरता रही।

एयर इंडिया के चेयरमैन बनाए गये एन.चंद्रशेखरन

नयी दिल्ली। टाटा सन्स ने टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन को एयर इंडिया का नया अध्यक्ष बनाने की मंगलवार को घोषणा की। टाटा सन्स ने देश की प्रतिष्ठित एयरलाइन को सरकार से खरीदने के बाद एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी पद के लिए टर्किश एयरलाइन्स के पूर्व प्रमुख इल्केर आईची को चुना था लेकिन उन्होंने यह पेशकश स्वीकार नहीं की। उसके बाद टाटा समूह ने यह फैसला किया है। टाटा ने एयर इंडिया का अधिग्रहण हाल में संपन्न किया है। श्री चंद्रशेखरन ने 18,000 करोड़ रुपये के इस अधिग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

किराना स्टोरों के लिए डिजिटल बदलाव हुआ आसान

नयी दिल्ली। कोविड महामारी के चलते तकरीबन सभी उद्योगों में डिजिटल बदलाव आए हैं, क्योंकि इन्फेक्शन को फैलने से रोकने के लिए सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना अनिवार्य हो गया है। स्थानीय रीटेल स्टोरों की बात करें, तो महामारी के बाद से इनके संचालन में भी बड़ा बदलाव आया है, पहली बार उनके कारोबार डिजिटल हो गए हैं। इस बदलाव को अपनाना ज़्यादातर रीटेलरों के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था, जिन्हें भारतीय ई-कॉमर्स की असमानताओं के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस बीच, हाइपरलोकल ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस लवलोकल, स्थानीय रीटेलरों को इस डिजिटल बदलाव में मदद कर रहा है। महामारी की शुरूआत के बाद से ही कंपनी तकरीबन 1 लाख किराना स्टोरों को डिजिटल रूपान्तरण में और उनके कारोबार को 150 फीसदी तक बढ़ाने में मदद कर चुकी है। किराना स्टोर सीमित इन्वेंटरी के साथ कम मार्जिन पर काम करते हैं। लवलोकल उन्हें अपनी प्रोडक्ट रेंज बढ़ाने में मदद करता है। उनकी डिजिटल दुकान से होने वाले कमाई के कारण फिज़िकल किराना स्टोर का मुनाफ़ा बढ़ जाता है, और कुछ मामलों में तो उनकी डिजिटल कमाई, फिज़िकल कमाई से भी अधिक हो जाती है। बिना किसी अतिरिक्त लागत के मुनाफ़ा बढ़ना, किराना स्टोर के लिए फायदेमंद होता है- इस मुनाफ़े से अपने प्रोडक्ट्स की रेंज को बढ़ा सकते हैं, ज़्यादा सेल्स और ज़्यादा मुनाफ़ा पा सकते हैं और आस-पास के क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बढ़ा सकते हैं। लवलोकल के संस्थापक एवं सीईओ आकांक्षा हज़ारी ने कहा, स्थानीय कारोबार भारत में 40 फीसदी से अधिक नौकरियों में योगदान देते हैं। वे हमारी अर्थव्यवस्था और समुदायों की रीढ़ हैं। लवलोकल तकनीकी खामियों को दूर कर सुनिश्चित करता है कि हमारे स्थानीय रीटेलर न सिर्फ अपने कारोबार को बनाए रख सकें बल्कि इंडिया 2.0 और इस दायरे से बाहर भी इनका अस्तित्व बना रहे और वे अच्छा मुनाफ़ा कमाते रहें।

तेजी पर लगा ब्रेक, सेंसेक्स और निफ्टी सवा फीसदी लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक स्तर पर हुयी तीव्र गिरावट के साथ ही घरेलू स्तर पर धातु, तेल एवं गैस, आईटी, टेक, पावर और एनर्जी जैसे समूहों में हुयी बिकवाली के कारण शेयर बाजार में चार दिनों पर की तेजी पर आज ब्रेक लग गया और सेंसेक्स एवं निफ्टी में करीब 1.25 प्रतिशत की गिरावट रही।
बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 709.17 अंक टूटकर 55776.85 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 208.30 अंक उतरकर 16663 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में बिकवाली का दबाव कुछ कम दिखा जिससे बीएसई का मिडकैप 0.68 प्रतिशत टूटकरर 23154.92 अंक पर और स्मॉलकैप 0.88 प्रतिशत उतरकर 26987.85 अंक पर रहा।
बीएसई में ऑटो समूह में 0.56 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर शेष सभी समूह गिरावट में रहे जिसमें धातु 4.34 प्रतिशत, तेल एवं गैस 2.58 प्रतिशत, आईटी 2.32 प्रतिशत, टेक 2.07 प्रतिशत, पावर 1.55 प्रतिशत और एनर्जी 2.41 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है।
बीएसई में कुल 3488 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2045 नुकसान में औरर 1342 मुनाफे में रही जबकि 101 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर जापान के निक्केई 0.15 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेष सभी प्रमुख सूचकांक लाल निशान में रहे जिसमें हांगकांग का हैंगसेंग 5.72 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 4.95 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 1.71 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 1.07 प्रतिशत की शामिल है।
बीएसई का सेंसेक्स 177 अंकों की बढ़त के साथ 56663.87 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 56720.60 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन बिकवाली के दबाव में यह 55418.95 अंक के निचले स्तर तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 56486.02 अंक की तुलना में 1.26 प्रतिशत अर्थात 709.17 अंक गिरकर 55776.85 अंक पर रहा।
एनएसई का निफ्टी 29 अंकों की बढ़त के साथ 16900.65 अंक पर खुला। लिवाली के बल पर यह 16927.75 अंक के उच्चतम और 16555 अंक के निचले स्तर तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 16871.30 अंक की तुलना में 1.23 प्रतिशत अर्थात 208.30 अंक उतरकर 16663 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 36 लाल निशान में और 14 हरे निशान में रही।
सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 20 लाल निशान में जबकि 10 हरे निशान में रही।

बिजली वाहन विनिर्माता लागत कम करें : गोयल

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को बैटरी से चलने वाले विद्युत वाहन बनाने वाली कंपनियों का आह्वान किया कि वे भारत में विनिर्माण की कम लागत का फायदा उठायें और विद्युत वाहन के वैश्विक बाजार में अपनी बड़ी जगह बनाएं।
गोयल यहां एक अखबार द्वारा वाहन क्षेत्र पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्युत वाहन निर्माताओं को देश में विकसित प्रौद्योगिकी की बुनियाद पर ऊंचा उठना चाहिए।
उन्होंने कहा, भारत में विद्युत वाहन उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए हमें अपने विनिर्माण को विश्व बाजार की दृष्टि से प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनाना होगा। इसके लिए देश में कम लागत पर विनिर्माण की सुविधा का लाभ उठाना होगा तथा उन्नत प्रौद्योगिकी वालों को देश में विनिर्माण के लिए आमंत्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें विद्युत वाहनों के वैश्विक बाजार में बड़ी ताकत बनना चाहिए।
गोयल ने कहा, हमें भारत की परिस्थितियों के अनुसार मजबूत तकनीकी समाधान विकसित करने होंगे, क्योंकि हमारे यहां मौसम और सड़कों की दशाएं भी अलग-अलग तरह की हैं।
गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय विद्युत वाहन मिशन योजना से देश में विद्युत और हाइब्रिड वाहनों के बाजार को बड़ा प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि विद्युत और हाइब्रिड वाहनों के तीव्रता से अपनाने और विनिर्माण को प्रोत्साहित करने की योजना फेम 1 और अब फेम 2 से सरकार ने सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में विद्युत वाहनों को शामिल किए जाने का रास्ता बना दिया है। फेम 2 को अप्रैल 2019 से लागू है, जिसके लिए 10,000 करोड़ रुपए दिए गए हैं।
उद्योग मंत्री ने कहा कि फेम 2 के तहत करीब 92000 विद्युत वाहनों, 6000 से अधिक ई-बसों और तकरीबन 3000 ईवी चार्जिंग स्टेशनों को मंजूरी दी गयी है।
उन्होंने कहा कि वाहन और वाहनों के कलपुर्जों के विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए घोषित पीएलआई योजना के तहत 45000 करोड़ रुपए का निवेश आने की उम्मीद है।
गोयल ने बताया कि इसके अलावा विद्युत वाहनों के लिए उन्नत बैटरी के विनिर्माण और बैटरी के लिए उन्नत रासायनिक सेल के विकास और विनिर्माण को प्रोत्साहित किया जा रहा है।
गोयल ने कहा कि पुराने वाहनों को नष्ट करने की सुरक्षित नीति और बिजली वाहनों की बैटरी की अदला-बदली की सुविधा होने से देश में विद्युत वाहन बाजार को बढ़ावा मिलेगा।

तमिलनाडु में 1,588 करोड़ रुपए की कंप्रेशर इकाई लगाएगी सैमसंग

चेन्नई। दक्षिण कोरियाई की बहुराष्ट्रीय कंपनी सैमसंग ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत वह 1,588 करोड़ रुपए के निवेश से श्रीपेरुमबुदुर के पास एक नया कंप्रेसर उत्पादन संयंत्र लगाएगी। ये कंप्रेसर रेफ्रीजरेटर में काम आएंगे।
इस अवसर पर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, उद्योग मंत्री थंगम थेनारासू, सैमसंग के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी (दक्षिण पश्चिम एशिया) केन कांग और सैमसंग इंडिया की चेन्नई फैक्ट्री के प्रबंधन निदेशक ब्योंग जिन कोंग उपस्थित थे।
कंपनी का यह नया उत्पादन संयंत्र 22 एकड़ में होगा और इसकी क्षमता एक वर्ष में 80 लाख कंप्रेशर की होगी है। इसे भविष्य में और बढ़ाया जा सकेगा। इस प्लांट में बनने वाले कंप्रेशरों का उपयोग भारत रेफ्रीजरेटरों में किया जाएगा, जिसके साथ ही इनका निर्यात भी किया जाएगा।
इस अवसर पर श्री स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु की औद्योगिक वृद्धि, निवेश और नौकरियां सृजत करने में सैमसंग पे एक बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया है।
उन्होंने कहा कि यह नया प्लांट 600 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएगा। श्री स्टालिन ने कहा कि राज्य के उत्पादन क्षेत्र को मजबूती देने के लिए सैमसंग का यह नया निवेश एक और कदम है।

वाहन क्षेत्र की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना में 75,000 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव

नयी दिल्ली। वाहन और वाहनों के उन्नत कलपुर्जों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए घोषित उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत सरकार को विभिन्न कंपनियों से निवेश के कुल 74,850 करोड़ रुपए के प्रस्ताव मिले हैं। यह सरकार की उम्मीद से काफी ऊंचा है। पांच साल की योजना में 42,500 करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद रखी गयी थी। पीएलआई योजना के तहत निवेश का प्रस्ताव करने वालों में मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियां शामिल हैं। सरकार की इस योजना में तय निवेश पर निर्धारित बिक्री के 18 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया जाएगा। भारी उद्योग मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस योजना में चैंपियन मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 45,016 करोड़ रुपये और कलपुर्जा चैंपियन प्रोत्साहन योजना के तहत 29,834 करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव आए हैं। यह सभी प्रस्ताव मान्यता प्राप्त आवेदकों के हैं। बयान में कहा गया है कि अब तक इस पीएलआई योजना के तहत 95 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। मंत्रालय ने इससे पहले चैंपियन ओईएम प्रोत्साहन योजना के तहत 20 आवेदकों और उनकी 12 अनुषंगी इकाइयों के आवेदन मंजूर किए थे। इसके अलावा उन्नत कलपुर्जों के निर्माण क्षेत्र के लिए 75 आवेदकों के प्रस्ताव स्वीकार किए गए हैं। इनमें उनकी 56 अनुषंगी इकाइयों के प्रस्ताव शामिल हैं।

सॉल्ट ऐप पर 'बाय नाउ पे लेटर' फीचर

नयी दिल्ली। पे मी इंडिया ने एक एप्लिकेशन सॉल्ट लॉन्च किया है जहां यूजर बिना तुरंत भुगतान किए कुछ भी खरीद सकता है। खरीदार को एक क्रेडिट सीमा के साथ-साथ ब्याज मुक्त अवधि भी दी जाएगी। ग्राहक इस समय सीमा के अंदर अपने बिलों का भुगतान कर सकता है।
कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि ऐसे व्यक्ति जिनके पास क्रेडिट कार्ड नहीं है, वे भी सॉल्ट के माध्यम से पहले खरीदारी और बाद में भुगतान की इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। साल्ट ऐप के लिए सिर्फ बेसिक केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करना होगा। क्रेडिट सीमा का इस्तेमाल स्कैन एंड पे या मर्चेंट लेनदेन के माध्यम से किया जा सकता है। खरीदारी के बाद अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें सेवा प्रदाता ग्राहक की ओर से व्यापारी को भुगतान करता है। यह एक तरह से क्रेडिट कार्ड का विकल्प है। फिलहाल सॉल्ट ऐप केवल हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में उपलब्ध है। लेकिन जल्द ही इसे तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में शुरू कर दिया जाएगा।
इस नए एप्लिकेशन के बारे में बताते हुए पे मी इंडिया के संस्थापक महेश शुक्ला ने कहा, सॉल्ट पे मी इंडिया का उद्देश्य परेशानी मुक्त क्रेडिट समाधान के लचीले वित्त विकल्प विकसित करना और वन-टैप तत्काल क्रेडिट सीमा है जो खरीदारों को बिना भुगतान के कुछ भी खरीदने की अनुमति देता है। लेकिन ग्राहक को बाद में एक निर्दिष्ट ब्याज-मुक्त अवधि के अंदर इसका भुगतान करना होगा। सॉल्ट की खासियत ये है कि कोई भी व्यक्ति जिसके पास क्रेडिट कार्ड नहीं है वो भी इसकी सेवाओं का लाभ उठा सकता है।
सॉल्ट ऐप पर रिपेयमेंट बस एक टच दूर है। क्रेडिट लिमिट का इस्तेमाल करने वालों की सुविधा के लिए, सॉल्ट ईएमआई में पुनर्भुगतान का विकल्प भी प्रदान करता है। इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं है और साथ ही कई आकर्षक ऑफर भी मिलते हैं।
श्री शुक्ला ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि तत्काल ऋण या फंड का मुद्दा यथासंभव प्रभावी और सुरक्षित तौर पर समाप्त हो जाए, इसके लिए व्यापक विचार-विमर्श और सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया गया। इसके अलावा, क्रेडिट कार्ड नहीं रखने वाले लोगों को आसान क्रेडिट समाधान प्रदान करता है। सॉल ?ट जेब पर पड़ने वाले बोझ को भी कम करने का प्रयास करता है।
पे मी इंडिया के सर्विस पोर्टफोलियो में विभिन्न प्रकार के फिनटेक समाधान शामिल हैं जिनमें तत्काल व्यक्तिगत ऋण, कॉर्पोरेट ऋण और क्रेडिट स्कोर सुधार विकल्प शामिल हैं। इन सभी सेवाओं को चिकित्सा आपात स्थिति, नौकरी छूटने आदि के कारण आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सॉल्ट के जुड़ने से पे मी इंडिया के दायरे में और विविधता आ गई है।

स्टार्ट-अप ने पेश किया डिजिटल वाटर बैंक

नयी दिल्ली। भारत में क्रिप्टो करेंसी के लिए नियम इंतजार के बीच एक स्टार्टअप ने देश में एक नयी डिजिटल सम्पत्तिबाजार में पेश होने के लिए तैयार है जो संचित जल को आभासी मुद्रा के रूप में प्रस्तुत करेगी।
नए जमाने की फर्म एक्वाक्राफ्ट ग्रुप वेंचर्स ने देश के पहला डिजिटल वाटर बैंक एक्वेरियम की शुरूआत की है, जोकि एक डिजिटल ब्लॉकचेन मंच है। इसमें उद्योगों और अन्य अनुसंधानों द्वारा संचय जल को डिजिटल मुद्रा में बदला जाएगा।
इस जल मुद्रा का व्यापार क्रिप्टो की तरह किया जाएगा, जिसका मूल्य अन्य डिजिटल संपदा की तरह होगा। यह निवेशकों के लिए एक नया अवसर प्रदान करेगा।
एक्वाक्राफ्ट ग्रुप उपक्रम के संस्थापक अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुब्रामन्या कुसनुर ने कहा, जल मुद्रा का मूल्य बाजार में मांग और आपूर्ति के आधार पर एक स्वचालित मूल्य खोज तंत्र द्वारा निर्धारित की जाएगी।
श्री कुसनुर ने कहा उपलब्ध तकनीके साथ हमारे लिए (जल) संसाधनों का मानचित्रण करना महत्वपूर्ण है।
उन्होंने कहा, विचार किजिए आप अपने घर में अकेले है और एक मात्रा में पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन आप के पास उपलब्ध पानी की मात्रा से कम खर्च कर रहे हैं। जिससे पानी की बचत हो रही है। यह अधिक पानी आपके खाते में दर्शाया जाएगा और ब्लॉकचेन में मुद्रा में बदल दिया जाएगा। इस जल मुद्रा का अपना आर्थिक मूल्य होगा।'
कुसनुर ने कहा, इसी तरह उद्योगों के लिए हमारे पास एक प्रक्रिया है जिसका नाम जल बैलेंस शीट है, यह कैश बैलेंस शीट की ही तरह है। यह पूरी प्रक्रिया में जल की कुल मात्रा के बारे में बात करती है जिसका हम उपयोग कर रहे हैं। इसमें जल की कुल मात्रा जिसे आप पुनर्चक्रण और पुन- उपयोग कर रहे हैं और उसे बचा रहे हैं। अगर आपके पास अधिक जल है तो इस पूरे जल को डिजिटल संपदा में परिवर्तित करते हुए जल मुद्रा में बदल दिया जाएगा और यह ब्लॉकचेन में चला जाएगा।'
कंपनी तकनीकी जल मीटर को डिजिटल बैंक से जुड़ने वाले व्यक्तियों और उद्योगों पर जल की मात्रा के हिसाब के लिए लगाया जाएगा, लेकिन तब तक के लिए इसमें स्वयं जानकारी जुटानी है। इसमें अधिक प्रभाव पाने के लिए व्यक्तियों की तुलना में कंपनियों, निवासी कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) और टाउनशिप पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है।
श्री कुसनुर ने कहा, 'इस प्रक्रिया को पूर्ण रूप से कार्य करने में 30 महीनों का वक्त लगेगा, लेकिन इसकी शुरूआत हम अभी कर रहे हैं।'
बेंगलुरु मुख्यालय वाले डिजिटल स्टार्टअप एक्वाक्राफ्ट डिजिटल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की एक्वेरियम एक पहल है, जो एक्वाक्राफ्ट ग्रुप वेंचर्स की प्रमुख कंपनी एक्वाक्राफ्ट प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की नवगठित सहायक कंपनी है।
कर्नाटक सरकार के आईटी, बीटी, कौशल विकास और उद्यमिता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रोनिक्स मंत्री अश्वथ नारायण सी एन ने डिजिटल जल बैंक का उद्घाटन किया है।

भूमिहीनों को मिले सूखा राहत का लाभ : डांगी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सदस्य नीरज डांगी ने सूखा राहत का लाभ भूमिहीन किसानों को भी दिये जाने की मांग की है।डांगी ने आज राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि सूखा राहत का लाभ वर्तमान में लघु और सीमांत किसानो को ही मिलता है। भूमिहीन, दलित और आदिवासी किसान इस राहत से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि सूखे से न केवल फसलें नष्ट हो जाती है बल्कि पशु चारे की भी समस्या हो जाती है। चारे की कमी के कारण किसान अपने पशुओं को खुले में छोड़ देते हैं जिसे कुछ स्थानों पर गौशालाओं में शरण दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सूखे राहत के प्रावधान को इस तरह से बनाया जाना चाहिए जिससे भूमिहीन किसानों को भी इसका लाभ मिल सके।
मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एलामारन करीम और बी शिवदासन ने आज आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को मामला उठाया और उन्हें न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा दिये जाने की मांग की। उन्होंने कि आंगनबाड़ी सेविकायें बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन तैयार करती हैं लेकिन उन्हें कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि इनके बजट आवंटन को भी घटा दिया गया है और आंगनबाड़ी और आशा से जुड़े लोग राजधानी में धरना दे रहें जिनकी मांगों पर तुरंत ध्यान दिये जाने की जरूरत है। एमडीएमके के वाईको ने तमिलनाडु के मछुआरों पर श्रीलंका के सुरक्षा बलों के हमलों के मामलों को उठाते हुये कहा कि सरकार को इसे गंभीरता से लेनी चाहिए।

उज्जीवन एसएफबी ने माइक्रोबैंकिंग ग्राहकों के लिए की डिजिटल समावेशन की शुरूआत

एजेंसी

नयी दिल्ली। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने सम्पूर्ण बैंकिंग उद्योग में पहली बार माइक्रोफाइनेंस महिला ऋणियों की बड़ी संख्या सहित 60 लाख से अधिक ग्राहकों को उनके व्यक्तिगत बैंकिंग के लिए मोबाइल नंबर अपडेट करने की सुविधा प्रदान की है।
बैंक के ग्राहक अब उज्जीवन एसएफबी समर्थित ऐप का प्रयोग करके एक नई कागज़ रहित, वास्तविक-समय और सुरक्षित ओटीपी आधारित सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से अपने व्यक्तिगत बैंकिंग लेन-देन के लिए अपना मोबाइल नंबर तत्काल बदलकर अपडेट कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें बायोमेट्रिक सत्यापन करना अनिवार्य होगा।
उज्जीवन एसएफबी समर्थित ऐप को इस रूप में डिजाइन किया गया है कि अब यह वास्तविक-समय में मोबाइल नंबर को अपडेट कर सकता है। यह अपडेट करने की क्रिया को निर्बाध बनाता है जिससे ग्राहकों को समय पर सेवा और प्रचारात्मक सन्देश प्राप्त होते हैं। ग्राहक कभी भी यूएसएफबी की किसी भी शाखा में जाकर या बैंक के किसी भी फील्ड स्टाफ से संपर्क करके इस समर्थित प्लैटफॉर्म के माध्यम से हर छः महीने में एक बार अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं।
बैंक के सीबीओ कैरोल फुर्टाडो ने कहा, आकांक्षी मध्य वर्ग को अत्याधुनिक बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में वित्तीय और डिजिटल समावेशन करना, लगातार हमारा मुख्य आधार होता है। हम बैंकिंग को हर समय सरल, त्वरित और सुरक्षित बनाने के प्रति वचनबद्ध हैं।

2021 में मोबाइल ब्रॉडबैंड डेटा में सबसे अधिक वृद्धि

नयी दिल्ली। देश में 2021 में मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या के 34/5 करोड़ से बढ़कर 76/5 करोड़ पर पहुंचने से 4 जी मोबाइल डेटा उपयोग में 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है और भारत को 2025 तक एक लाख करोड़ डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने में 5जी एक अहम भूमिका अदा कर सकता है।
नोकिया वार्षिक मोबाइल ब्रॉडबैंड सूचकांक रिपोर्ट 2022 में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों में साल दर साल 53 प्रतिशत की वृद्धि दर से भारत विश्व में सबसे अधिक डेटा उपयोग करने वाले देशों में से एक बन गया है। डेटा यूज़रों की बढ़ती संख्या और प्रति यूज़र उपभोग से इस देश को डिजिटल इंडिया का विज़न साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल रही है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2021 में डेटा ट्रैफिक 31 प्रतिशत तक बढ़ा जिसमें औसत मोबाइल डेटा खपत प्रति यूजर 17 जीबी प्रति माह पहुंच गया। भारत के बढ़ते 4जी नेटवर्क ने 2021 में लगभग सभी मोबाइल ब्रॉडबैंड ट्रैफिक को संभाला। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 में 4 करोड़ से अधिक उपभोक्ता जोड़े गए या 4 जी सेवाओं में अपग्रेड किए गए।डिजिटलीकरण के निरंतर बढ़ते रहने से यह संख्या आगे और बढ़ेगी। पहले की तुलना में महानगरों में ट्रैफिक उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है।
4 जी सामर्थ्य वाले उपकरणों के बढ़ने से 4जी उपभोक्ताओं और डेटा की खपत में वृद्धि को बल मिल रहा है। भारत में 2021 में 3 करोड़ 5जी उपकरणों सहित 16 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन की बिक्री दर्ज की गई है जो अबतक की सबसे अधिक बिक्री है। 4 जी सामर्थ्यवाले एक्टिव उपकरण 80 प्रतिशत से अधिक हैं, जबकि 5जी सामर्थ्य वाले उपकरणों की संख्या एक करोड़ का स्तर पार की गई है।
इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2025 तक यूज़र एडाप्शन बढ़कर स्मार्टफोन यूजर आधार के 60-75 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। बड़ी संख्या में लोगों के स्मार्टफोन अपनाने से ग्रामीण क्षेत्र में मोबाइल ब्रॉडबैंड और वीडियो कंटेंट की व्यापक खपत होगी।
रिपोर्ट का अनुमान है कि 5जी सेवाओं से राजस्व पांच वर्षों में 164 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है। यह 5जी के वैश्विक उपभोग के मुताबिक है।
इस प्रौद्योगिकी के 2030 तक 1 प्रतिशत तक की वैश्विक जीडीपी या राजस्व में एक लाख 30 हजार लाख करोड़ डॉलर का योगदान करने की संभावना है और यह स्वास्थ्य, जनोपयोगी सेवाओं, अगली पीढ़ी के मीडिया एप्लीकेशंस, विनिर्माण और स्मार्टसिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनूठे मामलों से संचालित होगा।
रिपोर्ट के अनुसार भारत में डिजिटल विज्ञापन बाजार में लघु वीडियो सेगमेंट 20 प्रतिशत योगदान कर सकता है और इसके 2030 के अंत तक 25-30 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। भारतीय जेन जेड प्रतिदिन ऑनलाइन पर औसतन 8 घंटे खर्च करता है।
भारत में 90 प्रतिशत इंटरनेट यूजर अपनी स्थानीय भाषा में कंटेंट का उपभोग करना पसंद करता है। भारत में 5 जी उपयोग के मामलों में नवप्रवर्तन, डिजिटलीकरण का दबदबा होगा और मोबाइल ब्रॉडबैंड की पैठ 80 प्रतिशत पहुंचने का अनुमान है जिसमें औसत उपयोग 40 जीबी हो सकता है।

शार्ट न्यूज

विश्वनाथ, वंशज को स्वर्ण, भारतीय दल ने जीते कुल 39 पदक

अम्मान। युवा पुरुष मुक्केबाज विश्वनाथ सुरेश और वंशज ने अंतिम दिन स्वर्ण पदक जीते और इस तरह भारतीय दल ने जॉर्डन की राजधानी अम्मान में आयोजित 2022 एएसबीसी एशियाई युवा एवं जूनियर प्रतियोगिता में 15 स्वर्ण, 10 रजत और 14 कांस्य सहित कुल 39 पदकों के साथ अपने बेहद सफल अभियान का समापन किया। चेन्नई के विश्वनाथ ने सोमवार देर रात खेले गए 48 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में किर्गिस्तान के एर्गेशोव बेकजात के खिलाफ अपनी बड़ी जीत हासिल करने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। बाद में सोनीपत के रहने वाले वंशज ने युवा पुरुष वर्ग में दूसरा स्वर्ण हासिल करने के लिए 63.5 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में उज्बेकिस्तान के जवोखिर उम्मातालिव पर 4-1 से सनसनीखेज जीत दर्ज की। हालांकि, +92 किग्रा वर्ग में अमन सिंह बिष्ट ने स्थानीय मुक्केबाज सैफ अल-रावशदेह से 1-4 से हार मिलने के बाद रजत पदक के साथ अपने अभियान का समापन करने में सफल रहे। यह इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में विश्वनाथ, वंशज और अमन के लिए लगातार दूसरा पदक था क्योंकि विश्वनाथ और वंशज ने बीते संस्करण में रजत जबकि अमन ने कांस्य पदक हासिल किया था। रमन (51 किग्रा), आनंद यादव (54 किग्रा) और दीपक (75 किग्रा) ने पुरुष वर्ग में सेमीफाइनल के साथ कांस्य पदक जीता। इसके साथ भारतीय युवा टीम ने सात स्वर्ण, तीन रजत और 8 कांस्य के साथ कुल 18 पदक लेकर तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया।

पीसीबी बदलेगा गद्दाफ़ी स्टेडियम का नाम

लाहौर। लाहौर का मशहूर गद्दाफ़ी स्टेडियम जल्दी ही किसी और नाम से जाना जा सकता है। क्रिकइंफ़ो से बात करते हुए पीसीबी अध्यक्ष रमीज़ राजा ने बताया कि इस नए नामकरण के पीछे कोई राजनीति नहीं है, बल्कि बोर्ड कई प्रायोजकों से बात कर रहा है, जिनसे सबसे आकर्षक प्रस्ताव देने वाले को स्टेडियम का नाम रखने का हक़ दिया जाएगा। इससे पहले भी स्टेडियम को दूसरा नाम देने की बात हुई है लेकिन आम तौर पर इसका कारण राजनीतिक रहा है। इस बार कारण केवल वित्तीय है और लाहौर के बाद कराची का नेशनल स्टेडियम को भी दूसरा नाम दिए जाने की बात चल सकती है। रमीज़ ने कहा, हमने यूगव नामक संस्थान से पता लगाया कि हमारे स्टेडियम प्रायोजकों से कितनी क़ीमत की मांग कर सकते हैं। यह सिर्फ़ गद्दाफ़ी ही नहीं बल्कि एनएसके (कराची) और दूसरे मैदानों पर भी लागू है। इस बारे में कुछ समय से बात चल रही है और प्रायोजकों का उत्साह भी देखने लायक है। जल्द ही गद्दाफ़ी का नाम बदलेगा और एक प्रायोजक का नाम स्टेडियम से जुड़ जाएगा। 1959 में जब इस स्टेडियम का उद्घाटन हुआ था तो इसे लाहौर स्टेडियम कहा जाता था। फिर 1974 में लिबिया के पूर्व राष्ट्रपति मुअम्मर गद्दाफ़ी ने पाकिस्तान में आयोजित इस्लामी सम्मलेन के संघटनीय भाषण में मेज़बान देश की परमाणु बम बनाने के प्रस्ताव का समर्थन किया था। इस बात से ख़ुश होकर प्रधानमंत्री ज़ुल्फ़िक़ार अली भुट्टो ने पाकिस्तान के प्रमुख क्रिकेट स्टेडियम का नाम उनके सम्मान में रख दिया था।

आईपीएल में लागू होंगे क्रिकेट के नए नियम

मुंबई। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने इस महीने की शुरुआत में खेल के नियमों में कुछ बदलाव किये हैं, जिसमें कैच आउट होने पर मैदान में आने वाले नए बल्लेबाज़ को ही स्ट्राइक पर आना होगा। इससे पहले अगर कैच होने से पहले पिच पर मौजूद दोनों बल्लेबाज़ एक दूसरे को क्रॉस कर जाते थे, तब नॉन स्ट्राइकर एंड के बल्लेबाज़ को स्ट्राइक मिल जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। एमसीसी ने इस महीने की शुरुआत में क्रिकेट के नियमों में बदलाव किए हैं। इन नियमों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अक्टूबर महीने में लागू किया जायेगा। लेकिन 26 मार्च से शुरु होने वाले आईपीएल में नए नियमों को लागू करने का फैसला लिया गया है। नए नियमों के मुताबिक कैच आउट होने की परस्थिति में अब मैदान में प्रवेश करने वाले नये बल्लेबाज को ही स्ट्राइक पर आना होगा। दरअसल पहले के नियम के मुताबिक कैच आउट होने से पहले स्ट्राइकर और नॉन स्ट्राइकर एक दूसरे को क्रॉस कर जाते थे, तब नये बल्लेबाज़ को नॉन स्ट्राइकर एंड पर जाना होता था। लेकिन अब नए नियमों के लागू होने के कारण ऐसा नहीं होगा। कैच आउट होने की किसी भी स्थिति में नये बल्लेबाज़ को ही स्ट्राइक मिलेगी। हालांकि ओवर की आखिरी गेंद पर कैच आउट होने की स्थिति में नये बल्लेबाज़ को नॉन स्ट्राइकर एंड पर जाना होगा। एमसीसी के नए नियमों के साथ-साथ आईपीएल के आगामी सीज़न से रिव्यू को लेकर भी नए नियम लागू होंगे। मैच खेलने वाली दोनों प्रतिद्वंदि टीमों को एक पारी मे दो नाकामयाब रिव्यू लेने की छूट होगी। इससे पहले किसी टीम के पास सिर्फ एक असफल रिव्यू लेने का मौका होता था। यह नियम 2018 में खेले गये आईपीएल में लागू किया गया था। लेकिन इस सीज़न से इस नियम में भी परिवर्तन कर दिये गये हैं, लिहाज़ा अब प्रति पारी एक टीम के पास ऑन फ़ील्ड अंपायर से संतुष्ट न होने पर थर्ड अंपायर के पास जाने का एक और अतिरिक्त मौक़ा होगा।

बहरीन में मैत्री मैच हमें बताएगा कि हम कहां खड़े हैं : इगोर स्टिमैक

नयी दिल्ली। भारतीय सीनियर फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमैक ने कहा है कि आगामी इंटरनेशनल मैत्री मैच यह जानने के लिए काफी अहम है कि हमारी टीम कहां खड़ी है ? ब्लू टाइगर्स वर्तमान में पुणे में एक शिविर में तैयारी कर रही है। वह 23 मार्च को बहरीन और 26 मार्च को बेलारूस से मैच खेलेंगे।स्टिमैक ने कहा, 卐हम अंतर्राष्ट्रीय मैच की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पिछले दो साल आसान नहीं रहे हैं, और जीवन कठिन रहा है, लेकिन यह शिकायत करने का समय नहीं है, और हम आगे देख रहे हैं। उन्होंने कहा,हम बहरीन और बेलारूस से खेल रहे हैं और वे हमसे बेहतर रैंकिंग वाली टीमें हैं, लेकिन रैंकिंग जो भी हो, आपको मुकाबला करने की जरूरत है। बहरीन हमें दिखाएगा कि हम कहां खड़े हैं। हम कुछ युवा खिलाड़ियों को मौका देंगे, जिन्होंने इस सीजन में हीरो आईएसएल में अच्छा खेल दिखाया है। हम यह देखेंगे कि हम जून में होने वाले क्वालीफायर के लिए उनका कितना उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हम आगामी दोनों मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम जून में क्वालीफायर के लिए बेस्ट कॉम्बिनेशन पर ध्यान दें। वहीं, गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने जोर देकर कहा कि दो दोस्ताना मैच अच्छा एक अच्छा मौका है। उन्होंने कहा, अच्छी टीमों के खिलाफ यह शानदार मौका है। हम जून क्वालीफायर को हल्के में लेने की स्थिति में नहीं हैं - चाहे वह कंबोडिया, अफगानिस्तान या हांगकांग हो।

मनिका-अर्चना की जोड़ी के बाहर होने के साथ सिंगापुर स्मैश में भारतीय चुनौती समाप्त

कोलकाता। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मनिका बत्रा और अर्चना कामथ के मंगलवार को यहां महिला युगल के क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के साथ ही 2022 सिंगापुर स्मैश टेबल टेनिस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) की विज्ञप्ति के मुताबिक हिना हयाता और मीमा इतो की दूसरी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी भारतीय जोड़ी को महज 25 मिनट में 11-7, 11-4, 11-8 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई। मनिका और अर्चना की छठी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने बाएं-दाएं जापानी अटैक के खिलाफ संघर्ष किया, लेकिन बाएं हाथ की हयाता के शानदार शॉट्स से निपटना दोनों खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हुई। दाएं हाथ की इटो से भी भारतीयों को कोई राहत नहीं मिली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अब 13 से 17 मार्च तक दोहा में होने वाले डब्ल्यूटीटी फीडर टूर्नामेंट में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच होंगे शेन वॉटसन

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन वॉटसन को दिल्ली कैपिटल्स ने अपना सहायक कोच नियुक्त किया है। वह प्रमुख कोच रिकी पोंटिंग, सहायक कोच अजित अगरकर, प्रवीण आमरे और गेंदबाज़ी कोच जेम्स होप्स के साथ काम करेंगे। यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर किसी टीम के साथ कोचिंग स्टॉफ के तौर पर जुड़े हैं।

फ़्रेंचाइज़ी को दिए गए बयान में वॉटसन ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स के पास अच्छा दल है। अब पहला ख़िताब जीतने का समय है। मैं वहां पहुंचकर लड़कों के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। मैं उनकी जितनी हो सके उतनी मदद करना चाहता हूं और उम्मीद है कि हम पहला ख़िताब जीतेंगे, अब वहां पहुंचने का इंतज़ार नहीं हो रहा।

वॉटसन के पास फ़्रेंचाइज़ी टी20 क्रिकेट का बेहद अनुभव है। वह आईपीएल, बीबीएल और पीएसएल में ख़िताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं। 2008 में उन्होंने राजस्थान रॉयल्स को ख़िताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी, उन्होंने अपने आईपीएल करियर का अंत चेन्नई सुपर किंग्स के साथ किया।

2018 के आईपीएल सत्र में उन्होंने

ओपनर की अहम भूमिका निभाई, जहां उन्होंने 15 पारियों में 555 रन बनाए, जो किसी टीम के लिए दूसरे सर्वश्रेष्ठ रनों का आंकड़ा है और उस वर्ष सीएसके ने ख़िताब भी अपने नाम किया था। फ़ाइनल में उन्होंने मैच जिताने वाला शतक लगाया था। आईपीएल में वह कुछ समय तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का भी हिस्सा रहे।

उन्होंने कहा, आईपीएल दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टी20 टूर्नामेंट है। मेरे पास एक खिलाड़ी के तौर पर कई यादें हैं, सबसे पहले तो शेन वॉर्न की कप्तानी में 2008 में पहला ख़िताब जीतना, इसके बाद आरसीबी और सीएसके। अब मुझे कोचिंग का मौक़ा मिला है। मैं दिग्गज रिकी पोंटिंग के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। वह एक बेहतरीन कप्तान थे और अब मैं उनके निर्देशन में कोचिंग करूंगा। वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कोचों में से एक हैं। तो मेरे लिए यह रिकी के निर्देशन में सीखने का मौक़ा है और मैं बहुत उत्साहित हूं।

वॉटसन ऑस्ट्रेलिया के लिए एक सफ़ेद गेंद के बादशाह के रूप में वह सेवानिवृत्त हुए। वनडे मैचों में उन्होंने 40.54 के औसत और 90.44 के स्ट्राइक रेट से 5757 रन बनाए और 31.79 के औसत से 168 विकेट लिए, साथ ही नौ शतक लगाए। वह 2007 और 2015 में ऑस्ट्रेलिया की दो विश्व कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे और चैंपियंस ट्रॉफ़ी में एक पावरहाउस खिलाड़ी थे, जिन्होंने 2006 और 2009 दोनों टूर्नामेंटों के फ़ाइनल में प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार जीता था। टी20 अंतर्राष्ट्रीय में उन्होंने 145.32 की स्ट्राइक रेट से 1462 रन बनाए और 7.65 की इकॉनमी रेट बनाए रखते हुए 48 विकेट लिए। वह श्रीलंका में 2012 विश्व टी20 में प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ थे, जहां उन्होंने 150.00 की स्ट्राइक रेट से 249 रन बनाए थे और 11 विकेट लिए थे।

उन्होंने सीएसके के साथ निराशाजनक आईपीएल सीज़न के बाद नवंबर 2020 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया, जहां सीएसके पहली बार प्लेऑफ़ में जगह बनाने में विफल रही।

ढाका प्रीमियर लीग में खेलेंगे हनुमा विहारी और अभिमन्यु ईश्वरन

ढ़ाका। हनुमा विहारी, अभिमन्यु ईश्वरन सहित सात भारतीय खिलाड़ी बांग्लादेश के लिस्ट ए (50-ओवर) टूर्नामेंट ढाका प्रीमियर लीग (डीपीएल) में भाग लेंगे। इनमें परवेज़ रसूल, बाबा अपराजित, अशोक मनेरिया, चिराग जानी और गुरिंदर सिंह का नाम भी शामिल है। फ़रवरी 2022 में हुई आईपीएल की बड़ी नीलामी में इन खिलाड़ियों को नहीं ख़रीदा गया था।

श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ में हिस्सा लेने वाले हनुमा विहारी ढाका जाने से पहले अपने घर हैदराबाद जाएंगे और परिवार के साथ कुछ समय बिताएंगे। वह अभानी लिमिटेड के लिए खेलेंगे और इस सप्ताह के अंत तक टीम से जुड़ जाएंगे। हालांकि वह टीम के शुरुआती तीन मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

बंगाल के प्रथम श्रेणी कप्तान ईश्वरन भी भारतीय टेस्ट दल में शामिल थे। वह प्राइम बैंक के लिए खेलेंगे। वहीं रसूल शेख़ जमाल धनमंडी, अपराजित

रूपगंज टाइगर्स, मनेरिया खेलाघर, जानी लीजेंड्स ऑफ़ रूपगंज और गुरिंदर गाज़ी ग्रुप क्रिकेटर्स के लिए खेलेंगे।

विहारी, ईश्वरन, अपराजित, मनेरिया और रसूल इससे पहले 2019-20 सत्र में भी डीपीएल में खेल चुके हैं। इसके अलावा दिनेश कार्तिक, मनोज तिवारी और यूसुफ़ पठान भी डीपीएल में हिस्सा ले चुके हैं। इस सीज़न में एक टीम में एक विदेशी खिलाड़ी खेल सकते हैं।

भारतीय खिलाड़ियों के अलावा पाकिस्तान के मोहम्मद हफ़ीज़ 'मोहम्मडन स्पोर्टिंग' और ज़िम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा 'शाइनपुकुर' के लिए खेलेंगे।

पिछले साल कोविड के कारण इस टूर्नामेंट को 20 ओवर के लीग में बदल दिया गया था ताकि खिलाड़ियों को टी20 विश्व कप 2021 से पहले कुछ अभ्यास भी मिल जाए। पिछले साल किसी भी टीम में कोई विदेशी खिलाड़ी भी नहीं थे।

इस टूर्नामेंट में 11 टीमें भाग लेंगी और राउंड-रॉबिन फ़ॉर्मैट के आधार पर एक दूसरे से भिड़ेंगी। शीर्ष छह टीमें टूर्नामेंट के सुपर लीग में पहुंचेंगी और फिर से से एक दूसरे से भिड़ेंगी। इसके बाद नॉकआउट मुक़ाबले खेले जाएंगे।

जीत को तरस रहे इंग्लैंड से भिड़ेगा भारत

तौरंगा। 2017 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के फाइनलिस्ट भारत और इंग्लैंड टूर्नामेंट के 2022 संस्करण के राउंड-रॉबिन मैच में 16 मार्च को एक-दूसरे से भिड़ेंगे।

फिलहाल मौजूदा विश्व कप में दोनों टीमें अलग-अलग स्थिति में हैं। भारत जहां हर मैच के साथ बेहतर होता दिख रहा है, वहीं गत चैंपियन इंग्लैंड ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर खड़ा है।

स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर, स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर ने भारत के लिए बहतरीन खेल दिखाया है और टीम को अब तक तीन में से दो मैच जिताए हैं। दूसरी ओर इंग्लैंड को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है।

भारत ने अपने पिछले मैच में वेस्ट इंडीज पर 155 रन की बड़ी जीत हासिल की थी। मैच में स्मृति और हरमनप्रीत ने शानदार शतक जड़ा था। हरमनप्रीत का मानना है कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी साझेदारी भारत की अब तक की सफलता की कुंजी रही है। वह इंग्लैंड के खिलाफ बे ओवल में भी इस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगी। उन्होंने

कहा, मेरा मानना है कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी मैच में बड़ी साझेदारियां अहम रहेंगी। मुझे लगता है कि हमने अब तक अच्छा किया है और हम इंग्लैंड के खिलाफ आगामी मैच में भी इस तरह का प्रदर्शन दोहराना चाहेंगे। कई बार हमने एक के बाद एख विकेट खोए, अगर हम इस पार काम करेंगे, तो चीजें उसी तरह होंगी जैसा हम चाहते हैं।

अनुभवी भारतीय बल्लेबाज ने कहा, हमें शांत रहने की जरूरत है और परिस्थितियों का आनंद लेना होगा, क्योंकि अगर आप शांत रहते हैं और आनंद लेते हैं तो आप अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। मुझे लगता है कि हमारे लिए जरूरी है कि हमने जिस तरह से पिछला मैच खेले, उसी लय को आगे भी जारी रखें, न कि इंग्लैंड की खामियों के बारे में सोचें। फिलहाल हम केवल अपने मजबूत पक्ष को देख रहे है कि हम कहां मजबूत हैं और किस क्षेत्र में बेहतर किया जा सकता है। हम इस पर काम कर रहे हैं।

इंग्लैंड को पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। यह प्रतियोगिता में इंग्लिश टीम की तीसरी हार थी। इससे पहले उन्हें ऑस्ट्रेलिया और वेस्ट इंडीज से हार मिली थी। इंग्लैंड की विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स ने अपनी हार के लिए क्षेत्ररक्षण त्रुटियों को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन एमी जोन्स का मानना है कि इंग्लैंड उन गलतियों को सुधारने में सक्षम है।

वेस्ट इंडीज के खिलाफ हार के बाद जोन्स ने कहा, हमने काफी मौके गंवाए। हम केवल सकारात्मक चीजों के बारे में सोच रहे हैं और एक दूसरे का समर्थन कर रहे हैं। हम जानते हैं कि हमारा कौशल स्तर उन मौकों को भुनाने के लिए काफी अच्छा है।

इजरायल में साइबर हमला, क्रैश हुयीं सरकारी वेबसाइटें

एजेंसी

यरुशलम। इजरायल की कई सरकारी वेबसाइटें क्रैश हो गईं, जिनमें प्रधानमंत्री कार्यालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, आंतरिक, न्याय और कल्याण मंत्रालय की वेबसाइटें शामिल हैं।

इजरायल के हारेट्ज़ अखबार ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इसे इजरायल के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े साइबर हमले के रूप में देखा जा रहा है।

उधर, इजरायल के राष्ट्रीय साइबर निदेशालय ने एक बयान में कहा कि ये

सभी वेबसाइट अब फिर से शुरू हो गयी हैं।

इजरायल के साइबर प्राधिकरण ने कहा कि यह हमला एक डिजिटल-डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) हमला था। इसके जरिए सरकारी वेबसाइट तक पहुंच को अवरुद्ध कर दिया था।

एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने हारेट्ज़ अखबार को बताया कि सोमवार शाम को बड़े पैमाने पर साइबर हमला किया गया था। माना जा रहा है इस हमले लिए एक अभिनेता या बड़ा संगठन जिम्मेदार है।

रक्षा प्रतिष्ठान और राष्ट्रीय साइबर निदेशालय ने अब नुकसान का अध्ययन करने के लिए आपातकाल स्थिति घोषित कर दी है। साथ यह पता लगाया जा रहा है कि क्या रणनीतिक इज़रायली वेबसाइटों और सरकारी बुनियादी ढांचे, जैसे कि इज़रायल की बिजली और जल आपूर्ति करने वाली कंपनियों पर भी हमले हुए हैं।

रक्षा प्रतिष्ठान ने यह भी कहा कि हमले से GOV.IL डोमेन का उपयोग करने वाली वेबसाइटें प्रभावित हुई हैं, जिसका उपयोग रक्षा संबंधी वेबसाइटों को छोड़कर सभी सरकारी वेबसाइटों के लिए किया जाता है। इस डोमेन का उपयोग करने वाली एक अन्य वेबसाइट सरकारी डेटाबेस है। कुछ वेबसाइटों को अभी भी स्मार्टफोन के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। इजरायल के संचार मंत्री योआज हेंडेल ने हमले के मद्देनजर संचार मंत्रालय के अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई और दूरसंचार कंपनियां बाधित हुयीं वेबसाइटों को फिर से शुरू करने के लिए काम कर रही हैं। धीरे-धीरे सेवा बहाल की जा रही है।

खेरसन का पतन, रूस ने जब्त किये कई हथियार

मॉस्को। रूसी सैन्य बलों ने यूक्रेन के दक्षिण में स्थित खेरसन क्षेत्र पर पूर्णतः कब्जा कर लिया है। रूस ने रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने मंगलवार को यह बात कही। कोनाशेकोव ने कहा कि रूसी सैनिकों ने कीव के पास हुता-मेजिहिर्स्का क्षेत्र में यूक्रेनी व दूसरे देशों से आए सैनिकों को कब्जे में लेने की और अमेरिकी द्वारा निर्मित 10 जेवलिन एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम जब्त करने सूचना दी है। श्री कोनाशेकोव ने संवाददाताओं से कहा,रूसी सैन्य बलों ने खेरसोन के पूरे भूभाग पर कब्जा कर लिया है। प्रवक्ता ने कहा, 14 मार्च की शाम को हुता-मेजिहिर्स्का गांव के समीप रूसी हवाई सैनिक इकाइयों ने यूक्रेनी व विदेशी सैनिकों के एक गढ़ को कब्जे में ले लिया। रूसी सैनिकों ने 10 अमेरिका निर्मित जेवलिन एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम और पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को दिये गए कई हथियार जब्त किये।

चीन में कोरोना लॉकडाउन लगने से व्यापार हुआ ठप

बीजिंग। चीनी प्राधिकरण ने पूरे देश में कोविड लॉकडाउन की अवधी को बढ़ा दिया है, जिससे कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने चीन में अपने परिचालन को रोकने की घोषणा की है।

बीबीसी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

देश भर में लाखो लोग गंभीर प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। प्राधिकरण ने रिकॉर्ड संख्या में कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज करने के बाद जिलिन प्रांत तथा प्रौद्योगिकी केंद्र शेन्ज़ेन में पूरी तरह से लॉकडाउन लगा दिया है।

बड़े नामों में से एक टोयोटा ने अपने संचालन को रोक दिया है, वोक्सवैगन और ऐप्पल के आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन ने आशंका जताई है कि इस लॉकडाउन से महत्वपूर्ण आपूर्ति

बाधित हो सकता है।

चीन ने मंगलवार को रिकॉर्ड पांच हजार से ज्यादा कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए, इसमें से सबसे ज्यादा मामले जिलिन से आये हैं।

उत्तर- पूर्वी प्रांत के करीब 2.4 करोड़ निवासियों को सोमवार से एकांतवास में रखा गया है। कोरोना महामारी के प्रारंभ में वुहान और हुबेई में लॉकडाउन के बाद चीन ने पहली बार पूरे प्रांत में प्रतिबंध लगाया है।

जिलिन निवासी को एक जगह से दूसरे जगह जाने पर रोक लगाया गया है तथा अगर कोई प्रांत को छोड़ना चाहता है तो पहले पुलिस से इजाजत लेनी होगी।

यह फैसला दक्षिणी शहर शेनझेन के 12.5 मिलियन निवासियों पर पांच दिन की लॉकडाउन के एक दिन बाद आया है, सभी बसों और मेट्रो सेवाओं को स्थगित कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि परिचालकों से अपने व्यवसायों को बंद करने अथवा उनके कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा गया है। जरुरी समान और आपूर्ति पर छूट दी गयी है।

चीन का अमेरिका से यूक्रेन को लेकर ठोस कदम उठाने का आग्रह

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मंगलवार को अमेरिका से यूक्रेन में वर्तमान स्थिति को कम करने के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। चीनी प्रवक्ता झाओ लिजियन ने यूक्रेन संकट के संबंध में रूस और चीन के बीच संबंधों पर एक अमेरिकी अधिकारी द्वारा कथित तौर पर हाल ही में लगाए गए आरोपों पर जवाब देते हुए यह बात कही। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी सरकार ने नाटो और कुछ एशियाई सहयोगियों को बताया है कि रूस ने चीन से सैन्य और आर्थिक मदद मांगी है। जिसपर चीन सहमत है लेकिन सार्वजनिक रूप से वह इसे मानने से इनकार करेगा। प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका समय-समय पर ऐसे दुष्प्रचार फैलाता रहता है और इस तरह की कार्रवाई गैरपेशेवर, अनैतिक और लापरवाह है। उनके इस तरह के बयानों से दुनिया में अमेरिका की केवल बदनामी होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका को यूक्रेन संकट को लेकर अपनी भूमिका पर गहराई से विचार करना चाहिए और यूक्रेन में स्थिति को कम करने के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए।

रूस सभी देशों के साथ सहयोग का इच्छुक

मॉस्को। रूस ने मंगलवार को रूस और अमेरिका के बीच बातचीत की संभावनाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वह रचनात्मक बातचीत के लिए तत्परता रखने वाले सभी देशों के साथ सहयोग का इच्छुक हैं। राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा , राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने दशकों से अमेरिकियों सहित हमारे सहयोगियों की चिंताओं को ध्यान में रखा है और उन्हें हमारी चिंताओं पर विचार करने के लिए कहा गया। बीस वर्षों से इन चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया गया है। राष्ट्रपति पुतिन और हमारे देश में विश्वास व्यक्त किया गया। यदि यह रवैया वास्तव में रचनात्मक दृष्टिकोण में बदल जाता है, तो मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारे राष्ट्रपति अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति को न दिखायें। उन्होंने कहा कि श्री पुतिन हमेशा आपसी सम्मान और एक-दूसरे की चिंताओं को ध्यान में रखने की तत्परता के आधार पर अच्छे संबंध बनाने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि रूस दुनिया भर के देशों के साथ अच्छे संबंध बनाने में इच्छुक है और रहेगा।

कीव में तीन दिन का कर्फ्यू

कीव। यूक्रेन में रूस के बढ़ते सैन्य आक्रमण के बीच राजधानी कीव में 15 से 17 मार्च तक तीन दिन का कर्फ्यू लगा दिया गया है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के मुताबिक सैन्य कमान ने यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा, विशेष पास के बिना शहर के चारों ओर लोगों और वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आप केवल आश्रय तक पहुंचने के लिए बाहर जा सकते हैं। कर्फ्यू 17 मार्च को सुबह सात बजे तक प्रभावी रहेगा।

बंगलादेश में चीन का मिसाइल केन्द्र नहीं

ढाका। बंगलादेश सरकार ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है जिसमें उनके देश में चीन द्वारा मिसाइल रखरखाव केंद्र स्थापित किए जाने की जानकारी दी गयी है। विदेश मंत्री शहरयार आलम ने एक समाचार पत्रिका की रिपोर्ट को 'पूरी तरह से गलत और भ्रामक' करार दिया। आलम ने सोमवार को मीडिया को बताया कि जब कोई उपकरण किसी विदेशी देश से खरीदा जाता है तो नियमित रखरखाव की आवश्यकता होती है लेकिन देश में इसके लिए स्थायी सुविधा बनाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसी सुविधा नहीं थी। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार चीन 2011 में उसे आपूर्ति की गई सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के लिए बंगलादेश में एक रखरखाव सुविधा केन्द्र स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले, ढाका में चीन के राजदूत ली जिमिंग ने भी बंगलादेश के लिए ऐसी किसी भी सुविधा की स्थापना या योजना के बारे में जानकारी से इनकार किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कंगना रनौत ने मुसलमानों की आबादी को लेकर कसा तंज

नई दिल्ली। कश्मीरी पंडितों का मुद्दा एक बार फिर से लोगों के बीच लाने वाली फिल्म द कश्मीर फाइल्स लगातार सुर्खियों में है। विवेक अग्निहोत्री की इस फिल्म को लेकर लोग दो गुटों में बंटे हुए हैं। गिने-चुने बॉलीवुड सेलेब्स ही इस फिल्म को सपोर्ट करते हुए नजर आए हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार इस फिल्म को सपोर्ट कर रही हैं। कल रात ही कंगना ने अपने परिवार के साथ इस फिल्म को देखा है। अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करके लोगों से द कश्मीर फाइल्स को देखने की गुजारिश की है। वीडियो की शुरुआत में कंगना रनौत कह रही हैं, नमस्कार दोस्तों..कल रात को मैंने और मेरे परिवार ने फिल्म द कश्मीरी फाइल्स देखी। सबसे पहले तो विवेक अग्निहोत्री जी आप धन्य हैं। आपकी पूरी टीम धन्य है। आपने इस फिल्म इंडस्ट्री के माध्यम से देश को जो दिया है। जिस तरह से आपने हम सबको गर्वित किया है। फिल्म इंडस्ट्री सदैव ही आपकी आभारी रहेगी। आपने हमारे कई साल के सारे पाप भी धो दिए हैं। मैं सबकी तरफ से आपका शुक्रिया अदा करती हूं।

ये क्या बोल गईं कंगना रनौत?

इसके बाद कंगना ने भारत और पाकिस्तान के विभाजन की याद दिलाते हुए अपना पक्ष सामने रखा है। मुसलमानों की आबादी से लेकर पाकिस्तान में हिंदुओं की हालत पर कंगना टिप्पणी करती हुई नजर आ रही हैं। अपनी बात पूरी करते हुए वह हाथ जोड़कर लोगों से गुजारिश कर रही हैं कि सभी लोग मानवता की लड़ाई के लिए कश्मीर फाइल्स जरूर देखें और मिलकर एक नए भारत का निर्माण करें। बता दें कि कंगना के इस वीडियो को देखने के बाद लोग उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं तो वहीं कुछ लोग उनके विरोध में भी खड़े हो गए हैं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म जल्द ही 50 करोड़ का आंकड़ा पूरा करने वाली है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक महज चार दिन के अंदर ही इस फिल्म ने 42.20 करोड़ की कमाई कर डाली है। बॉक्स ऑफिस इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया है कि शुरुआती दो दिनों में द कश्मीर फाइल्स को यूपी और गुजरात में अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिला है। नॉर्थ इंडिया से फिल्म को शुरुआत से लेकर अब तक पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है।

आरआरआर का गाना 'शोले' रिलीज

मुंबई। जूनियर एनटीआर ,राम चरण ,आलिया भट्ट और अजय देवगन स्टार फिल्म आरआरआर का गाना शोले रिलीज हो गया है। एस. एस. राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म आरआरआर का गाना शोले रिलीज हो गया है।यह गाना देशभक्ति के रस में डूबा है, जिसे लोग बेहद पसंद कर रहे हैं। इस गाने में ढ़ोल नगाड़ों के ताल पर झूमते जूनियर एनटीआर और राम चरण को आलिया भट्ट खूब टक्कर दे रही हैं। इस गाना के लिरिक्स रिया मुखर्जी के हैं, जबकि म्यूजिक डायरेक्टर एम.एम. करीम हैं। गौरतलब है कि फिल्म आरआरआर दो भारतीय क्रांतिकारियों, अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम की कहानी है जो इमेजनरी स्टोरी है। फिल्म में ये दोनों क्रांतिकारी ब्रिटिश राज और हैदराबाद के निजाम के खिलाफ लड़ाई लड़ते दिखाई देंगे। यह फिल्म तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम के अलावा हिंदी में भी 25 मार्च को रिलीज होगी।

तारा सुतारिया ने शुरू की हीरोपंती 2 की डबिंग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया ने अपनी आने वाली फिल्म हीरोपंती 2 की डबिंग शुरू कर दी है। तारा सुतारिया अक्सर अपनी फिल्मों से जुड़े अपडेट फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। तारा सुतारिया ने अपनी फिल्म हीरोपंती 2 की डबिंग को शुरू कर दिया है। इस फिल्म की डबिंग शुरू होने की जानकारी को तारा सुतारिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझ कर दी है। इस तस्वीर में उन्होंने फिल्म की डबिंग की झलक को साझा किया है, जिसमें माइक और फिल्म की स्क्रिप्ट दिख रही है। फोटो को इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा कर तारा सुतारिया ने लिखा, हीरोपंती 2 डब डे। गौरतलब है कि फिल्म हीरोपंती 2 में तारा सुतारिया अभिनेता टाइगर श्रॉफ और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं।

आलिया भट्ट के जन्मदिन पर 'ब्रह्मास्त्र' से उनका फर्स्ट लुक रिलीज

एजेंसी

मुबई। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के जन्मदिन पर उनकी आने वाली फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' से उनका फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। आलिया भट्ट का आज जन्मदिन है। आलिया के जन्मदिन पर फैंस को एक शानदार तोहफा मिला है। फिल्म ब्रह्मास्त्र से आलिया का लुक रिलीज कर दिया गया है। आलिया इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगी।आलिया ने सोशल मीडिया पर फर्स्ट लुक शेयर किया है।

ब्रह्मास्त्र के निर्देशक अयान मुखर्जी ने आलिया भट्ट को बर्थडे विश करते हुए इंस्टाग्राम पर फिल्म से उनके लुक का वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में पानी की एक बूंद गिरती हुई दिखाई दे रही है, जो सीधे आलिया के चेहरे पर गिरती है। कभी हाथ जोड़ते हुए तो कभी मुस्कुराते हुए, उनकी कई झलकियां हैं। वो किसी आसमान की तरफ किसी चीज को देखकर बेतहाशा दौड़ रही हैं। रणबीर के साथ आग की लपटों के बीच घिरी हुई हैं। ब्रह्मास्त्र के निर्माता करण जौहर ने भी आलिया का फर्स्ट लुक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया और एक इमोशनल नोट भी लिखा। उन्होंने बताया कि वह आलिया के टैलेंट और बतौर ऐक्टर हुई ग्रोथ का बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने लिखा, 10 साल पहले मुझे नहीं पता था कि मैं तुम्हें मेरी ब्रह्मास्त्र कहूंगा। मेरे प्यार का हथियार। मैं हमेशा तुम्हें प्यार करता हूं।अमिताभ बच्चन ने भी सोशल मीडिया के जरिए आलिया भट्ट को जन्मदिन की बधाई दी है और वीडियो शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, ब्रह्मास्त्र की लाइट को जन्मदिन की बधाई... ईशा! गौरतलब है कि ब्रह्मास्त्र में आलिया और रणबीर के अलावा अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और मौनी रॉय भी नजर आयेंगी। यह एक सुपरहीरो फिल्म है। इसे हिंदी के अलावा तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषा में 09 सितंबर 2022 को थियेटर्स में रिलीज किया जाएगा।

डांस दीवाने जूनियर्स में कंटेस्टेंट के डांस को जज करेंगी नीतू कपूर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री नीतू कपूर डांस दीवाने जूनियर्स में कंटेस्टेंट के डांस को जज करती नजर आयेंगी।

नीतू कपूर टीवी रियलिटी शो डांस दीवाने जूनियर्स में कंटेस्टेंट के डांस को जज करती हुई दिखाई देंगी। नीतू कपूर ने कहा, मुझे एक ऐसे शो का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हो रही है, जो आगामी डांस प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा दिखान का एक सुनहरा मौका देगा।। मैं डांस दीवाने जूनियर्स में अपनी भूमिका को छोटो डांसरों को समर्थन देने की जिम्मेदारी से देखती हूं। मैं उन्हें मंच पर डांस करते देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। हाल ही में शो के निर्माताओं ने डांस क्वीन नोरा फतेही के भी शो का हिस्सा बनने का भी एलान किया था। इस रियलिटी शो को नीतू कपूर के साथ नोरा फतेही और कोरियोग्राफर मर्जी पेस्टनजी भी जज करते हुए नजर आएंगे।

नीतू कपूर फिल्म 'जुग जुग जियो' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वो अनिल कपूर, वरूण धवन और कियारा आडवाणी के साथ अहम भूमिका में दिखाई देंगी।

घर पर किचन गार्डन बनाने के लिए अपनाएं यह टिप्स

मिताली जैन

अगर आप कम स्पेस में किचन गार्डन बनाना चाहते हैं तो ऐसे में आप पॉट को भी समझदारी से चुनें। यूं तो खाने वाले प्लांट्स को किसी भी कंटेनर में लगाया जा सकता है। इसके लिए, आप पुरानी बोतलों और टेट्रा पैक का उपयोग कर सकते हैं।

आज के समय में लोग घर पर ही गार्डनिंग करना बेहद पसंद करते हैं, फिर भले ही उनके पास पर्याप्त स्पेस हो या ना हो। हालांकि, घर में गार्डनिंग करने के लिए बहुत अधिक स्पेस की आवश्यकता नहीं है, बल्कि जरूरत है कि आप इसे सही तरह से करें। मसलन, अगर आप अपनी किचन को अधिक हेल्दी बनाना चाहती हैं तो ऐसे में घर पर ही एक छोटा सा किचन गार्डन तैयार किया जा सकता है, जिसमें आप तरह-तरह की हर्ब्स उगा सकते हैं और उसे अपनी किचन में यूज कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको किचन गार्डन बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं-

चेक करें सनलाइट

जब आप किचन गार्डन बनाना चाहते हैं तो आपको सनलाइट पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। यह देखें कि कौन सा कमरा या दीवार सबसे अधिक प्राप्त करती है। जरूरी नहीं कि आपका किचन गार्डन किचन में ही हो। यह छोटी बालकनी में या खिड़की की ग्रिल पर या लिविंग रूम में भी हो सकता है।

सही हो पॉट

अगर आप कम स्पेस में किचन गार्डन बनाना चाहते हैं तो ऐसे में आप पॉट को भी समझदारी से चुनें। यूं तो खाने वाले प्लांट्स को किसी भी कंटेनर में लगाया जा सकता है। इसके लिए, आप पुरानी बोतलों और टेट्रा पैक का उपयोग कर सकते हैं। आप चाहें तो पॉट को वॉल पर लगाकर वर्टिकल गार्डन बना सकते हैं या फिर इन्हें हैंग भी किया जा सकता है। हालांकि, यह ध्यान दें कि एक गमले में बहुत अधिक बीज न बोएं। क्योंकि अंकुरित होने के बाद यह काफी तेजी से बढ़ने लगेगा।

ध्यान से चुनें कि क्या उगाना है

जब आप जो उगाते हैं उसका सही चुनाव करना बेहद जरूरी है और इसमें सनलाइट एक अहम् भूमिका निभाती है। मसलन, जड़ी-बूटियों को सिर्फ 2 से 4 घंटे सीधी धूप की जरूरत होती है और सब्जियों को कम से कम 4 से 6 घंटे अच्छी चीजों की जरूरत होती है। इसलिए, आप अपनी किचन में सनलाइट को ध्यान में रखते हुए बीजों का चयन करें।

सही मिट्टी का करें चयन

किचन गार्डन में प्लांट की सही ग्रोथ के लिए मिट्टी का भी सही तरह से चयन किया जाना चाहिए। आमतौर पर, किचन गार्डन के लिए पोटिंग मिक्स का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह मिट्टी, खाद और कोकोपीट का मिश्रण है। आप उसके तैयार बैग भी खरीद सकते हैं। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि किचन गार्डन बनाते समय आप गार्डन की मिट्टी का यूज ना करें। इसके अलावा, यह भी सुनिश्चित करें कि मिट्टी पानी को रिसने दे रही है और उसे रोके नहीं रख रही है, क्योंकि बहुत अधिक पानी जड़ों को सड़ सकता है।

उगाएं प्लांट

अब बारी आती है अपनी किचन गार्डन के लिए सीड्स को बोने की। आप पॉट में सीड्स बोने के बाद उनकी पानी की जरूरतों का भी ध्यान दें और फिर हर गुजरते दिन के साथ अपने प्लाट को बढ़ते हुए देखें।

चावल पकाते समय मिलाएं बस यह एक चीज़, वजन कम करने में मिलेगी मदद

प्रिया मिश्रा

अब आपको वजन घटाने के लिए चावल खाने से परहेज करने की जरुरत नहीं है। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैलिफोर्निया में हुए एक शोध के अनुसार, चावल पकाते समय पानी में एक चम्मच नारियल का तेल मिलाने से चावल की कैलोरी कम हो सकती है।

अक्सर लोग वजन कम करने के लिए चावल खाना छोड़ देते हैं। लेकिन अगर हम कहें कि आप रोजाना चावल खाकर भी अपना वजन घटा सकते हैं। जी हाँ, अब आपको वजन घटाने के लिए चावल खाने से परहेज करने की जरुरत नहीं है। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैलिफोर्निया में हुए एक शोध के अनुसार, चावल पकाते समय पानी में एक चम्मच नारियल का तेल मिलाने से चावल की कैलोरी कम हो सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, चावल शरीर में जाकर ग्लाइकोजन में बदल जाते हैं। अगर आप एक्सरसाइज या किसी फिजिकल एक्टिवटी के बाद चावल खाते हैं तो इससे मसल्स को एनर्जी मिलती है।

अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो यह ग्लाइकोजन जल्द ही ग्लूकोज में बदल जाता है और शरीर में फैट के रूप में जमा हो जाता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, चावल में नारियल तेल डालकर पकाने से उसमें रजिस्टेंट स्टार्च की मात्रा बढ़ जाती है। इससे ग्लूकोज के फैट में बदलने का जोखिम कम होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, उबलते हुए पानी में एक चम्मच नारियल का तेल मिलाएं और फिर उसमें चावल को 20-25 मिनट के लिए पकाएं। इसके बाद चावल को 12 घंटों के लिए फ्रिज में रख दें। इसके बाद जब चावल खाना हो तो चावल को गर्म कर लें। इस तरह से चावल की कैलोरी 60 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, चावल में इनसॉल्युबल शुगर यानी अपाच्य चीनी कम मात्रा में मौजूद होती है। इससे स्टार्च फैट में नहीं बदलता है क्योंकि शरीर द्वारा अपाच्य चीनी का अवशोषण नहीं हो पाता है। लेकिन जब चावल में नारियल का तेल मिलाया जाता है तो पाच्य स्टार्च, रेसिस्टेंट स्टार्च में बदल जाता है।

सिर्फ रंगत निखारने के ही नहीं बल्कि इन कामों में भी इस्तेमाल कर सकते हैं टेलकम पाउडर, जानें आसान ब्यूटी टिप्स

प्रिया मिश्रा

अक्सर जब टेलकम पाउडर पुराना हो जाता है तो हम इसे फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप टेलकम पाउडर का इस्तेमाल अपने ब्यूटी रूटीन में कई अन्य तरीकों से कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि टेलकम पाउडर का इस्तेमाल ब्यूटी रूटीन में किस तरह कर सकते हैं। आमतौर पर टेलकम पाउडर का इस्तेमाल रंगत निखारने और फ्रेशनेस के लिए किया जाता है। आप भी इसका इस्तेमाल बचपन से ही कर रहे होंगे। अक्सर जब टेलकम पाउडर पुराना हो जाता है तो हम इसे फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप टेलकम पाउडर का इस्तेमाल अपने ब्यूटी रूटीन में कई अन्य तरीकों से कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि टेलकम पाउडर का इस्तेमाल ब्यूटी रूटीन में किस तरह कर सकते हैं- अगर आपकी पलकें पतली हैं तो आप टेलकम पाउडर के इस्तेमाल से अपनी पलकों को घनी बना सकती हैं। इसके लिए मस्कारा ब्रश में टेलकम पाउडर लें और पलकों पर लगाएं। ध्यान रखें कि पाउडर आपको बिल्कुल लाइट लगाना है। फिर इसके ऊपर मस्कारा लगाएं। इससे आपकी पलकें मोटी और घनी लगेंगी। कई लड़कियों को काजल लगना पसंद होता है लेकिन कुछ काजल थोड़ी ही देर बाद फैलने लगते हैं। अगर आप भी समस्या से निपटना चाहती हैं तो काजल लगाने के बाद किसी स्टिक या ईयरबड से टेलकम पाउडर लगाएं। इससे काजल फैलेगा नहीं और आँखें भी बड़ी लगेंगी।ऑयली स्किन वाली लड़कियाँ अक्सर इस बात से परेशान रहती हैं कि उनका मेकअप ज्यादा देर तक टिका नहीं रहता है।

हिमालय की गोद में 'बैंगनी क्रांति'

इंडिया साइंस वायर

बैंगनी रंग के लैवेंडर के फूलों के कारण इसकी खेती को 'बैंगनी क्रांति' नाम दिया गया है। लैवेंडर के फूलों से निकाला गया सुगंधित तेल 10,000 रुपये प्रति किलो से अधिक मूल्य में बिक सकता है। हालाँकि, भारत में कुछ समय पहले तक ज्यादा लैवेंडर नहीं उगाया जा रहा था।

अभिनव कृषि पद्धति के माध्यम से किसानों के जीवन में खुशहाली लायी जा सकती है। देश की आत्मनिर्भरता का पर्याय कही जाने वाली 'हरित क्रांति' की तर्ज पर अब खेतों में बैंगनी क्रांति की बारी है। हिमालय की गोद में बसे जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के सुदूर गाँव खिलानी के युवा किसान भारतभूषण की 'बैंगनी' सफलता इस दिशा में एक मिसाल है।

केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह डोडा जिले के इस नवाचारी किसान का उदाहरण देते हुए बताते हैं कि भारतभूषण ने सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटिग्रेटिव मेडिसिन (आईआईआईएम) के सहयोग से लगभग 0.1 हेक्टेयर भूमि में लैवेंडर की खेती शुरू की। लैवेंडर की खेती से लाभ हुआ, तो उन्होंने घर के आसपास मक्के के खेत के एक बड़े क्षेत्र को भी लैवेंडर के बागान में बदल दिया। करीब 20 लोग आज उनके लैवेंडर के खेत और पौधशाला (नर्सरी) में काम कर रहे हैं। वहीं, डोडा जिले के लगभग 500 अन्य किसान भी भारतभूषण का अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने भी मक्के की खेती छोड़कर बारहमासी फूल वाले लैवेंडर की खेती शुरू कर दी है।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के किसानों ने जलवायु परिवर्तन की आहट को समय रहते पहचान लिया है, और उसी के अनुरूप अनुकूलन स्थापित करने में जुट गए हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौती को देखते हुए जम्मू-कश्मीर के किसानों ने मक्का की खेती छोड़कर सुगंधित तेल उत्पादन में उपयोग होने वाले सगंध पौधों की खेती की ओर रुख किया है। लैवेंडर, जिसकी वैश्विक इत्र उद्योग में बेहद माँग है, की खेती का अगुआ बनकर अब बैंगनी क्रांति की मिसाल पेश कर रहा है जम्मू-कश्मीर।

बैंगनी रंग के लैवेंडर के फूलों के कारण इसकी खेती को 'बैंगनी क्रांति' नाम दिया गया है। लैवेंडर के फूलों से निकाला गया सुगंधित तेल 10,000 रुपये प्रति किलो से अधिक मूल्य में बिक सकता है। हालाँकि, भारत में कुछ समय पहले तक ज्यादा लैवेंडर नहीं उगाया जा रहा था। किसानों की आमदनी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में लैवेंडर जैसे सुगंधित पौधों की भूमिका देखते हुए पिछले कुछ वर्षों से वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) लैवेंडर की खेती को बढ़ावा दे रहा है। देश के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में स्थित सीएसआईआर की विभिन्न घटक प्रयोगशालाएं, जिनमें केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप), हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटिग्रेटिव मेडिसिन (आईआईआईएम), भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईआईटीआर), उत्तर-पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआईएसटी) और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) सुगंधित पौधों की खेती, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने में अपनी क्षमता और विशेषज्ञता के लिए जानी जाती हैं। सीएसआईआर की इन प्रयोगशालाओं ने बेहतर उपज एवं कम लागत में जल्द तैयार होने वाली किस्मों के विकास, उन्नत कृषि-प्रौद्योगिकियों के विकास; और जागरूकता एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से लैवेंडर समेत अन्य सगंध पौधों की खेती को बढ़ावा देने में प्रभावी भूमिका निभायी है।

भारतीय शोधकर्ताओं ने देश के भिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के लिए विशिष्ट प्रकार का लैवेंडर का पौधा विकसित किया है, जो वातावरण के साथ अनुकूलन स्थापित करने में सक्षम है और खराब मिट्टी में भी उग सकता है। कीटों और रोगों के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता रखने वाली लैवेंडर की विशिष्ट किस्म की खेती से किसानों को बेहतर उत्पादन मिल रहा है। एक बार उगाने के बाद यह तीसरे वर्ष तक लैवेंडर का तेल देना शुरू कर देता है। लैवेंडर के फूल देखने में लाल, बैंगनी, नीले और काले रंग के होते है और इसका पौधा दो से तीन फीट ऊँचा होता है। इसका पूर्ण विकसित पौधा 10 वर्ष या उससे अधिक समय तक पैदावार दे सकता है।

बैंगनी रंग के फूल लैवेंडर के खेतों को एक विशिष्ट बैंगनी रंग देते हैं। इन फूलों के साधारण हाइड्रो स्टीम डिस्टिलेशन के बाद तेल का उत्पादन किया जाता है, जो इत्र, साबुन और यहाँ तक कि खाद्य पदार्थों में उपयोग होता है। लैवेंडर के तेल का उपयोग अरोमाथेरेपी में भी किया जाता है। यह उच्च मूल्य की फसल शिक्षित बेरोजगार युवाओं को लाभकारी रोजगार के माध्यम से समग्र विकास का अवसर प्रदान कर रही है। भारत आज लैवेंडर तेल का शुद्ध आयातक है।

CMYK CMYK CMYK CMYK